



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY
साप्ताहिक
WEEKLY

सं. 10] नई दिल्ली, मई 31—जून 6, 2015, शनिवार/ज्येष्ठ 10—ज्येष्ठ 16, 1937
No. 10] NEW DELHI, MAY 31—JUNE 6, 2015, SATURDAY/JYAISTHA 10—JYAISTHA 16, 1937

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह पृथक संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 4
PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश
Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

रक्षा मंत्रालय
अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 जून, 2015

का.नि.आ. 22.—केन्द्रीय सरकार, छावनी अधिनियम, 2006 (2006 का सं. 41) की धारा 348 के साथ धारा 66 की उपधारा (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पुणे छावनी की सीमाओं में स्थानीय निकाय कर लगाने का प्रस्ताव करती है।

और जिसमें कि प्रारूप स्थानीय निकाय कर उपविधि भारत सरकार की अधिसूचना, रक्षा मंत्रालय का. नि. आ. संख्या 58 तारीख 05 सितम्बर, 2014 के अधीन छावनी अधिनियम, 2006 (2006 का 41) की धारा 319 के साथ पठित धारा 69 में यथावांछित, पुणे छावनी की सीमा में माल के उपभोग, उपयोग या विक्रय के लिए प्रविष्टि पर इस उपविधि की सारणी 'क' में विनिर्दिष्ट दरों पर कर लगाने के लिए आपत्तियां या सुझाव आमंत्रित करते हुए प्रकाशित किये गये थे;

और जिसमें प्राप्त आपत्तियां और सुझावों पर पुणे छावनी परिषद द्वारा छावनी अधिनियम, 2006 (2006 का 41) की धारा 70 उपधारा (1) द्वारा यथाअपेक्षित विशेष प्रस्ताव सं.-01 तारीख 29 अक्तूबर, 2014 के अधीन विचार किया गया;

और केन्द्रीय सरकार ने छावनी अधिनियम, 2006 (2006 का 41) की धारा 71 की दृष्टि से पुणे छावनी परिषद को अपनी सीमाओं में स्थानीय निकाय कर लगाने के लिए प्राधिकृत किया है;

और पुणे छावनी परिषद की सीमाओं के भीतर स्थानीय निकाय कर लगाने हेतु अग्रलिखित उपविधि, छावनी अधिनियम, 2006 (2006 का 41) की धारा 350 उपधारा (1) के द्वारा यथाअपेक्षित केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित और पुष्ट किए गए;

इसलिए अब उक्त अधिनियम की धारा 348 उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पुणे छावनी परिषद अग्रलिखित नामक उपनियम बनाती है अर्थात:-

1. **संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारंभ**—(1) इन उपविधियों का संक्षिप्त नाम "पुणे छावनी परिषद (स्थानीय निकाय कर) उपविधि, 2015" से है।

(2) ये संपूर्ण पुणे छावनी परिषद को प्रवृत्त होगी

(3) ये राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगी

2. **परिभाषाएं**:- (1) इन उपविधियों में जब तक कि विषय या सन्दर्भ में कोई बात अन्यथा वांछित न हो -

(क) "अधिनियम" से छावनी अधिनियम, 2006 (2006 का अधिनियम संख्यांक 41) अभिप्रेत है ;

(ख) "निर्धारण अधिकारी" से ऐसा अधिकारी अभिप्रेत है जो मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा स्थानीय निकाय कर के निर्धारण के प्रयोजन से नियुक्त किया हो।

(ग) "बोर्ड" से पुणे छावनी परिषद अभिप्रेत है।

(घ) "निर्माणकर्ता" में व्यौहारी भी सम्मिलित है, चाहे वह रजिस्ट्रीकृत हो या न हो या ऐसा व्यक्ति जो पुणे छावनी की सीमाओं के भीतर सिविल निर्माण कार्य का कारबार करता हो।

(ङ) "कारबार" में सम्मिलित है:-

(i) कोई व्यापार, वाणिज्य, उपभोग या विनिर्माण या कोई साहसिक उद्यम या व्यापार, वाणिज्य, उपभोग या विनिर्माण के प्रकार की संस्था, ऐसे व्यापार, वाणिज्य, उपभोग या विनिर्माण की संस्था लाभ या फायदे के उद्देश्य से चलायी जा रही है या नहीं और ऐसे व्यापार, वाणिज्य, उपभोग या विनिर्माण, साहसिक उद्यम या संस्था से कोई लाभ या फायदा प्रोदभूत हो या न हो और ऐसे व्यापार, वाणिज्य, उपभोग या विनिर्माण साहसिक उद्यम या संस्था में कोई मात्रा/परिमाण, बारंबारता, निरन्तरता या नियमितता है या नहीं;

(ii) ऐसे व्यापार, वाणिज्य, उपभोग या विनिर्माण, साहसिक उद्यम या संस्था से आनुषंगिक, प्रासंगिक या संबंध में कोई सौदा, सौदा पूँजीगत संपत्ति के संबंध में हो या नहीं हो और इसे लाभ या फायदे उद्देश्य से प्रभावित हो या नहीं, और ऐसे सौदों से कोई लाभ या फायदा प्रोदभूत हो या नहीं और ऐसे सौदों में कोई मात्रा/परिमाण, बारंबारता, निरन्तरता या नियमितता है या नहीं;

(iii) ऐसे व्यापार, वाणिज्य, उपभोग या विनिर्माण, साहसिक उद्यम या संस्था के स्वरूप में कोई प्रासंगिक/अनियमित सौदा जिसमें छावनी में माल की आयात, खरीद या बिक्री सम्मिलित हो, ऐसे सौदों के लिए कोई मात्रा/परिमाण, बारंबारता, निरन्तरता या नियमितता है या नहीं और ऐसे सौदों से कोई लाभ या फायदे के उद्देश्य से प्रभावित हो या नहीं और ऐसे सौदों से कोई लाभ या फायदा उपाजित हो या नहीं;

(iv) ऐसे व्यापार, वाणिज्य, उपभोग, विनिर्माण, उद्यम या उपक्रम के प्रारम्भ या समाप्ति से संबंधित, आनुषंगिक या सहायक सौदा, चाहे वह लाभार्जन के उद्देश्य से किया गया हो या नहीं और चाहे कोई लाभ या फायदा उपाजित हुआ हो या नहीं।

(च) "छावनी" से पुणे छावनी अभिप्रेत है।

(छ) "ठेकेदार" से एक व्यौहारी चाहे रजिस्ट्रीकृत हो या न हो, जो पुणे छावनी के भीतर सिविल निर्माण का कार्य प्रधान की ओर से करता हो, सम्मिलित है।

(ज) "व्यौहारी" से कोई भी ऐसा व्यक्ति जो कमीशन, पारिश्रमिक के लिए या अन्यथा, पुणे छावनी में उसके कारबार के लिए या उसके व्यवसाय के संबंध में या उससे आनुषंगिक उद्देश्य से कोई माल आयात करता है, खरीदता है या बिक्री करता है और इसमें निम्नलिखित भी सम्मिलित है:-

(i) एक कारिन्दा, दलाल, आद्वतिया, प्रत्यायक अभिकर्ता या वाणिज्यक अभिकर्ता चाहे उसे किसी भी नाम से सम्बोधित किया जाए, चाहे वह यहां विनिर्दिष्ट विवरण का हो या नहीं, जो कि छावनी में, घोषित या अघोषित स्वामी या स्वामियों के माल का क्रय, विक्रय, आपूर्ति, वितरण या आयात करता है;

- (ii) एक नीलामकर्ता, जो पुणे में किसी भी घोषित अथवा अघोषित मालिक के माल की नीलामी या बिक्री करता है, खरीददार का प्रस्थापण उसके द्वारा या स्वामी द्वारा या स्वामी द्वारा नामित व्यक्ति द्वारा स्वीकृत किया गया हो या न हो;
- (iii) एक संस्था, क्लब या व्यक्तियों का समूह जो नकद या आस्थगित भुगतान के लिए, या कमीशन, पारिश्रमिक या अन्य के लिए आयात करता हो, खरीदता हो, बेचता हो, आपूर्ति करता हो माल का वितरण करता हो।
- (iv) इस खण्ड के किसी भी वर्ग के तहत न आने वाला प्रत्येक कृत्रिम न्यायिक व्यक्ति;

स्पष्टीकरण:- इस खण्ड के प्रयोजनों के लिए :-

[I] अप्रवासी व्यौहारी का प्रबंधक या अभिकर्ता, जो छावनी में रहता है, और माल का आयात, खरीद, बिक्री, आपूर्ति या माल का वितरण करता है या ऐसे व्यौहारी की ओर से माल विक्रय अधिनियम, 1930 (1930 का 3) में यथापरिभाषित, व्यापारिक अभिकर्ता के रूप में कार्य करता है, को व्यौहारी समझा जाएगा।

[II] प्रत्येक निम्नलिखित व्यक्तियों या संस्थाओं में से व्यक्ति या संस्था जो अदावी, या जन्त या बेकार या रद्दी, पुराना, अप्रचलित, या अलग किया हुआ सामान या उत्पाद अपशेषों का नीलामी द्वारा या अन्यथा सीधे या अभिकर्ता द्वारा, निम्नलिखित भुगतान के लिए या रोकड़ के लिए या कोई अन्य बहुमूल्य क्षतिपूर्ति के लिए निपटान करता है, उन्हें व्यौहारी समझा जाएगा, अर्थात्-

- (i) परिवहक अथवा वाहक मोटर यान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) के अधीन मंजूर परमिट धारक वाहक जो परिवहन वाहन को किराए या प्रतिफल या प्रयोजन के लिए उपयोग करते हैं या करने के अंगीकृत हैं;
- (ii) बीमा और वित्तीय निगम, या कंपनियां तथा बैंककारी कंपनियां;
- (iii) विज्ञापन अभिकरण;
- (iv) कोई अन्य निगम, कंपनी, निकाय या प्राधिकारी किन्तु उसमें निम्नलिखित सम्मिलित नहीं है:-
 - (i) कोई भी व्यक्ति जो अपने अनन्य उपभोग या प्रयोग के लिए माल आयात करता है; या
 - (ii) वह व्यक्ति जिसकी आय का एक मात्र स्रोत उसके द्वारा खेती में उगाई गई कृषि उत्पाद हो;

(झ) "अभिहित बैंक" से बोर्ड द्वारा उसकी ओर से स्थानीय निकाय कर (एलबीटी) का भुगतान प्राप्त करने के लिए बैंक अभिप्रेत है।

(ञ) "प्ररूप" से इन उपविधियों के साथ संलग्न प्ररूप अभिप्रेत है।

(ट) "आयातक" से वह व्यक्ति अभिप्रेत है, जो व्यक्ति कोई माल/सामान छावनी सीमा के बाहर से उपयोग, उपभोग या बिक्री के लिए छावनी सीमा के भीतर लाता है या / लाने का प्रबन्ध करता है।

(ठ) "अप्रवासी व्यौहारी" से जो व्यौहारी छावनी सीमाओं के भीतर उनका व्यवसाय नहीं करते लेकिन उनकी संस्थापना/शाखा/कार्यालय छावनी क्षेत्र में स्थित है जिसमें उनके अभिकरण, नीलामकर्ता आदि सम्मिलित हैं।

(ड) "उत्पादन या संसाधन उद्यमकर्ता" - से छावनी क्षेत्र में संसाधन / उत्पादन ईकाईयां चलाने वाले व्यौहारी अभिप्रेत है।

(ढ) "रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी" से इन उपविधि के अधीन छावनी के साथ रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी अभिप्रेत है।

(ण) "धारा" से इस अधिनियम की धारा अभिप्रेत है।

(त) "अनुसूची" 'क' से इस उपविधि के साथ संलग्न अनुसूची जिनमें प्रगणित माल की सूची पर स्थानीय निकाय कर उदग्रहणीय अभिप्रेत है।

(थ) "अनुसूची" 'ख' से इस उप-विधि के साथ संलग्न सामान/माल के प्रगणित की सूची जिस पर स्थानीय निकाय कर (लोकल बॉडी टैक्स - एलबीटी) उदग्रहणीय नहीं है।

(द) "वाहक" से अभिप्रेत है जो वह व्यक्ति या व्यौहारी जो इस उपविधि के साथ संलग्न अनुसूची ए और बी में उल्लिखित वस्तुओं के परिवहन का व्यापार कर रहा है।

(ध) "वर्ष" से वित्तीय वर्ष अभिप्रेत है।

(2) इस उपविधि में प्रयोग किए गए वे शब्द और जो यहाँ पर परिभाषित नहीं किए गए हैं, उनका अर्थ क्रमशः वही रहेगा जो इस अधिनियम में अभिप्रेत होगा।

3. **रजिस्ट्रीकरण.-** (1) रजिस्ट्रीकरण के लिये पात्र होते हुए भी कोई भी व्यक्ति तब तक कारबार नहीं कर सकता जब तक इन उपनियमों के अधीन विधिमान्य प्रमाणपत्र प्राप्त नहीं कर लेता;

परंतु व्यौहारी ने विनिर्दिष्ट रीति और समय के भीतर आवेदन किया है और ऐसा कारबार करता है जिसके रजिस्ट्रीकरण के अनुमोदन के लिए आवेदन लंबित है, तो उसे इस उपखंड के उपबंधों का अनुपालन माना जाएगा।

(2) प्रत्येक व्यौहारी को उप-खण्ड (1) द्वारा रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्राप्त करना अपेक्षित है और वह रजिस्ट्रीकरण के लिए निम्नलिखित अनुसार आवेदन करेंगे:-

(क) यदि वह पहले से ही छावनी में कारबार कर रहा हो और उसका बिक्री या खरीद का कारोबार विनिर्दिष्ट सीमा से अधिक होता है तो भारत सरकार के राजपत्र में इस उपविधि के प्रकाशन की तारीख से तीस दिन के भीतर आवेदन करेगा।

(ख) जिस दिन पहली बार उसकी बिक्री या सभी खरीद का कारोबार इन उपनियमों के अधीन विनिर्दिष्ट प्रासंगिक सीमा से अधिक हो जाता है तो, तीस दिन की अवधि के भीतर या जो भी बाद में हो।

(ग) अस्थायी कारबार शुरू करने से पंद्रह दिन पूर्व।

(3) इस उपविधि के लागू होने की तारीख से प्रत्येक व्यौहारी जो महाराष्ट्र मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2002 (महाराष्ट्र 2005 का IX) के उपबंधों के अधीन रजिस्ट्रीकृत है, उसे इस उपविधि के लागू होने की तारीख से इन उपनियमों के अधीन रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी समझा जाएगा।

(4) रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन प्ररूप 'क' में मुख्य कार्यपालक अधिकारी को किया जाएगा जिसके साथ रजिस्ट्रीकरण फीस के रूप में सौ रुपये की राशि जमा की जाएगी।

(5) कारबार संचालन के आधार पर रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन निम्नलिखित द्वारा हस्ताक्षरित एवं सत्यापित किया जाएगा:

(क) व्यहिरक,स्वत्वधारी या स्वत्वधारी द्वारा समन्वयक प्राधिकारी व्यक्ति द्वारा;

(ख) फर्म, भागीदार द्वारा;

(ग) हिंदू अविभाजित कुटुंब, कर्ता या उसके किसी वयस्क सदस्य द्वारा,

(घ) कंपनी, सहकारी सोसाइटी या निगम या स्थानीय प्राधिकारी सहित संघटित समूह के निदेशक, प्रबंधक, सचिव या उसके प्रधान अधिकारी द्वारा या इस निमित्त अधिकृत व्यक्ति द्वारा;

(6) एक फर्म के मामले में उसका हर भागीदार प्ररूप क में एक घोषणापत्र देगा। रजिस्ट्रीकरण के आवेदन के साथ यदि घोषणापत्र नहीं दिया गया है तो उसे प्ररूप क में आवेदन की तारीख से तीन मासों के भीतर प्रस्तुत करना होगा।

(7) खण्ड (5) के उप-खण्ड (क), उप-खण्ड (ख) या उप-खण्ड (ग) में विनिर्दिष्ट किट में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन पर हस्ताक्षर और सत्यापन करने वाले हर व्यक्ति को भी आवेदन के साथ अपने पास पोर्ट आकार के दो फोटोग्राफ प्रस्तुत करने होंगे।

(8) यदि ऐसी जांच के बाद, जैसा वे ठीक समझे, मुख्य कार्यपालक अधिकारी समाधान होते हैं कि रजिस्ट्रीकरण का आवेदन सही है, तो आवेदक को रजिस्ट्रीकृत करेंगे और इन उप-नियमों के उपबंधों के अधीन इस उद्देश्य के लिए विनिर्दिष्ट प्रपत्र में उसे रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करेंगे।

(9) यदि आवेदक द्वारा अनुरोध किया गया हो तो, मुख्य कार्यपालक अधिकारी इन उपनियमों के किसी भी उपबंधों के अधीन दी गई जानकारी के पश्चात् किसी भी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में समय-समय पर संशोधन कर सकते हैं।

4. रजिस्ट्रीकरण के लिए कारोबार की सीमा.- (1) रजिस्ट्रीकरण के लिए कारोबार सीमा निम्न प्रकार होगी-

(अ) व्यौहारी के मामले में, जो छावनी सीमा के भीतर वस्तुओं का आयातक है, और जिसका अनुसूची-क में विनिर्दिष्ट वस्तुओं के बिक्री का कारोबार या खरीद का कारोबार एक वर्ष के दौरान रु. 1,00,000/ (रुपये एक लाख) से कम नहीं है।

(ब) किसी अन्य मामले में, जहां व्यौहारी उप-खण्ड (1) के अधीन स्थानीय निकाय कर अदा करने के लिए पात्र नहीं होता है के मामले सहित और उस वर्ष के दौरान अनुसूची 'क' में उल्लिखित सभी वस्तुओं के खरीद/बिक्री का कारोबार रु. 5,00,000 (रुपये पाँच लाख) से कम नहीं है।

(2) उप-खण्ड (1) में अंतर्विष्ट होते हुए भी, यदि व्यौहारी या व्यक्ति अस्थायी आधार पर छावनी में विशिष्ट व्यवसाय करता है तो भी वह इस उपविधि के उपबंधों के अधीन रजिस्ट्रीकरण के लिए उत्तरदायी होगा, चाहे वह खण्ड (1) के अधीन उत्तरदायी हो या नहीं हो।

(3) निर्माणकर्ता या ठेकेदार, जो छावनी सीमाओं के भीतर तीन लाख से अधिक लागत का सिविल निर्माण कार्य करता है उसे इस उप-विधि के अधीन बोर्ड को स्वयं रजिस्ट्रीकरण करना होगा।

5. रजिस्ट्रीकरण के दायित्व के लिए कार्यवतकी सीमा की गणना करना:- (1) रजिस्ट्रीकरण के दायित्व के लिए कारोबार के सीमा की गणना हेतु:-

(क) जहाँ जैसा उपबंध है इसके सिवाय स्पष्ट बिक्री या यथा स्थिति क्रय के कारोबार, चाहे यह इस उपविधि में या अन्य किसी अधिनियम के उपबंधों के अधीन कर योग्य है या नहीं, को ध्यान में रखा जाएगा।

(ख) व्यौहारी द्वारा अपने खाते पर की गई सभी बिक्री और खरीद तथा प्रधान की ओर से की गई खरीद और बिक्री भी कारोबार में उल्लिखित होगी।

(ग) नीलामीकर्ता के मामले में उपखंड (क) और उपखंड (ख) में निर्दिष्ट कुल कारोबार के अतिरिक्त कारोबार में उसके मालिक के लिए नीलाम की गई वस्तुओं की कीमत भी शामिल होगी, चाहे प्रस्थापना खरीददार की बोली उसके द्वारा या स्वामी द्वारा या मालिक के नामित द्वारा स्वीकृत की गई हो और उन वस्तुओं की कीमत स्वामी की ओर से उसके द्वारा प्राप्त की गई हो।

(2) अप्रवासी व्यौहारी का प्रबंधक या अभिकर्ता जो छावनी में रहता है या यथास्थिति, इस उपविधि के अधीन अप्रवासी व्यौहारी रजिस्ट्रीकरण के लिए उत्तरदायी होंगे, चाहे अप्रवासी व्यौहारी या डीलर्स, जैसा भी मामला हो, इस उपविधि के अंतर्गत रजिस्ट्रीकरण के लिए उत्तरदायी होंगे, और कमीशन अभिकरण या अन्य अभिकरण जिस भी नाम से जाने जाते हैं और नीलामीकर्ता इस उपविधि के अधीन रजिस्ट्रीकरण के लिए उत्तरदायी होंगे, चाहे मालिक व्यौहारी हो या नहीं और इस उपविधि के अधीन स्वामी रजिस्ट्रीकरण के लिए दायी हो या नहीं।

6. स्थानीय निकाय कर की वदायगी का दायित्व.- (1) बोर्ड व्यौहारी पर अनुसूची 'क' में विनिर्दिष्ट वस्तुओं पर उल्लिखित दर से स्थानीय निकाय कर (एलबीटी) लगाएगा और उदग्रहण करेगा:-

परंतु अनुसूची 'ख' में विनिर्दिष्ट वस्तुओं पर कोई स्थानीय निकाय कर (एलबीटी) न ही लगाया जाएगा और न ही दायी किया जाएगा।

(2) व्यौहारी जिसकी वर्ष के दौरान सारी बिक्री या सारी खरीद या सभी आयात का कारोबार इस उपविधि में विनिर्दिष्ट संबद्ध सीमा से अधिक हो जाता है तो वह बोर्ड को स्थानीय निकाय कर देने के लिए उत्तरदायी होगा।

(3) यदि इस उपविधि के अधीन स्थानीय निकाय कर देने के लिए उत्तरदायी व्यौहारी की मृत्यु हो जाती है तब :-

(i) यदि व्यौहारी की मृत्यु होने के पश्चात् उसके विधिक प्रतिनिधि या अन्य किसी व्यक्ति द्वारा उसका कारबार जारी रखा जाता है तो वह विधिक प्रतिनिधि, या अन्य व्यक्ति स्थानीय निकाय कर देने के लिए दायी होगा, जिसमें इस उपविधि के अधीन उस व्यक्ति से देय किसी भी प्रकार का ब्याज तथा दंड शामिल होगा जो उस मृत व्यक्ति द्वारा देय होता यदि उसकी मृत्यु नहीं हुई होती; और

(ii) यदि उस व्यक्ति द्वारा उस व्यक्ति के मृत्यु के पूर्व या बाद में व्यौहारी बंद किया जाता है तो उसका कानूनी वारिस मृत व्यक्ति की संपत्ति में से उसी प्रकार और उसी सीमा तक स्थानीय निकाय कर, जिसमें ब्याज तथा दंड शामिल होगा, जो उस मृत व्यक्ति द्वारा देय होता, यदि उसकी मृत्यु नहीं हुई होती, अदा करने के लिए दायी होगा। चाहे ऐसे स्थानीय कर जिसमें कोई भी दंड और ब्याज शामिल होगा जिसे व्यक्ति की मृत्यु से पूर्व लगाया गया हो परंतु उसकी अदायगी न हो पायी हो, या उसका मूल्यांकन या मात्रा का निर्धारण उसकी मृत्यु के बाद किया गया हो।

(4) यदि इन उपनियमों के अधीन स्थानीय निकाय कर देने के लिए दायी व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है तो उसका कानूनी वारिस मृत व्यक्ति की संपत्ति में से उसी प्रकार और उसी सीमा तक स्थानीय निकाय कर, जिसमें ब्याज तथा दंड शामिल होगा जो उस मृत व्यक्ति द्वारा देय होता यदि उसकी मृत्यु नहीं हुई होती, अदा करने के लिए उत्तरदायी होगा। चाहे ऐसे स्थानीय निकाय कर जिसमें कोई भी दंड और ब्याज शामिल होगा जिसे व्यक्ति की मृत्यु से पूर्व लगाया गया हो परंतु उसकी अदायगी न हो पायी हो, या उसका मूल्यांकन या मात्रा का निर्धारण उसकी मृत्यु के बाद किया गया हो।

(5) यदि इन उपनियमों के अधीन स्थानीय निकाय के कर का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी व्यौहारी की मृत्यु हो जाती है और वह व्यक्ति हिंदू अविभाजित कुटुंब का एक सदस्य है, और संयुक्त कुटुंब की संपत्ति विभिन्न सदस्य या सदस्यों के समूहों के बीच विभाजित है, तो प्रत्येक सदस्य या सदस्यों का समूह, किसी भी ब्याज सहित स्थानीय निकाय कर, जिसमें इस उपविधि के अंतर्गत देय किसी भी प्रकार का ब्याज, दंड शामिल होगा, भुगतान करने के लिए विभाजन के समय तक संयुक्त रूप से और अलग-अलग उत्तरदायी होगा चाहे कोई जुमाना या ब्याज सहित ऐसे स्थानीय निकाय कर का मूल्यांकन या मात्रा निर्धारित विभाजन से पहले या विभाजन के बाद मात्रा निर्धारित की गई हो।

(6) इस उपविधि के तहत स्थानीय निकाय के कर का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी व्यापारी यदि एक फर्म है, और फर्म का विघटन किया जाता है, तो उसका प्रत्येक भागीदार संयुक्त और व्यक्तिगत रूप से उपनियम -7 के अधीन देय स्थानीय निकाय कर जिसमें इस उपविधि के अधीन फर्म से देय किसी भी प्रकार का ब्याज, दंड शामिल और जब्त राशि सहित देय होगा, चाहे ब्याज या दंड सहित स्थानीय निकाय कर फर्म के विघटन से पूर्व निर्धारित किया गया हो और ऐसा भुगतान किसी अन्य अधिनियम या इस उपविधि के अधीन किया गया हो या नहीं।

(7) यदि इस उपविधि के अधीन स्थानीय निकाय कर का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी व्यापारी अपने व्यापार का पूर्णतः या अंशतः हस्तांतरण अथवा निपटान बिक्री, पट्टे, अनुमति, अनुज्ञा, भाड़ा या किसी अन्य रूप में स्वामित्व में परिवर्तन करता है जिसके फलस्वरूप कोई अन्य व्यक्ति उसके व्यवसाय या किसी अंश का उत्तराधिकारी बनता है, वह व्यौहारी या व्यक्ति जिसको व्यवसाय हस्तांतरित हुआ है या वह व्यक्ति जो उत्तराधिकारी बना है, जैसी भी स्थिति हो, वह अलग-अलग या संयुक्त रूप से भुगतान करने के लिए उत्तरदायी होगा जिसमें किसी भी दंड और ब्याज सहित स्थानीय निकाय कर का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी होगा जिसका मूल्यांकन या मात्रा का निर्धारण हस्तांतरण या विघटन से पूर्व किया गया हो।

(8) जहाँ इस उपविधि के अधीन स्थानीय निकाय कर का भुगतान करने के लिए यथास्थितिया व्यौहारियों, यथास्थिति, उत्तरदायी हों:-

(अ) प्रतिपाल्य का अभिभावक है और इस निमित्त से एक अभिभावक द्वारा कारबार चलाया जा रहा है, या

(ब) न्यासी हैं और एक न्यास के अधीन फायदाप्रद के लिए कारबार चलाया जाता है, तब,

यदि यथास्थिति, अभिभावकता या न्यास या प्रतिपाल्य, को समाप्त किया जाता है तो, अभिभावकता या न्यास की समाप्ति के अवधि तक फायदाप्रद ब्याज, दंड और ऐसे व्यौहारी से जब्त राशि सहित बकाया

स्थानीय निकाय कर अदायगी के लिए दायी होगा, चाहे कोई जुर्माना या ब्याज सहित ऐसे स्थानीय निकाय कर को, अभिभावकता या न्यास की समाप्ति से पहले, परिमाणित या मात्रा निर्धारित की गई हो लेकिन भुगतान ना किया गया हो या समापन के बाद परिमाणन या निर्धारण किया गया हो।

(9) इस उपविधि के अधीन स्थानीय निकाय कर का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी व्यक्ति किसी भी व्यक्ति द्वारा कारबार करने के लिए खंड (3) के उपखंड (i) या खंड (7) के अधीन उत्तराधिकारी बनता है तो ऐसा व्यक्ति खंड 4 और खंड 5 में किसी भी बात के होते हुए भी इस उत्तराधिकार या हस्तांतरण की तारीख के बाद से स्थानीय निकाय कर देने के लिए उत्तरदायी होगा और यदि उसके पास पहले से रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र नहीं है तो वह तीस दिन के भीतर रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत करेगा।

7. **फर्म के साधारण दायित्व:** कोई भी फर्म, इसके विपरीत किसी भी अनुबंध के होते हुए भी, इस उपविधि के तहत स्थानीय निकाय कर का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी है जहां, फर्म और फर्म के भागीदारों में से प्रत्येक इस तरह के भुगतान के लिए अलग-अलग और संयुक्त रूप से दायी होगा।

यह परन्तु जहां कोई भागीदार फर्म से सेवानिवृत्त हो जाता है तो वह लिखित रूप में, उस बारे में एक नोटिस द्वारा मुख्य कार्यपालक अधिकारी को अपनी सेवानिवृत्ति की तारीख से साठ दिनों के भीतर सूचित करेगा और वह स्थानीय निकाय कर का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी होगा जिसमें कोई भी ब्याज, दंड, या जब्त राशि, यदि कोई हो, जिसका उनकी सेवानिवृत्ति के समय पर भुगतान न किया गया हो तथा किसी भी या ब्याज या दंड सहित कर लगाया गया हो, चाहे मूल्यांकन या मात्रा का निर्धारण उसकी सेवानिवृत्ति की तारीख के बाद किया गया हो, और यदि उसकी सेवानिवृत्ति के पश्चात, उसकी सेवानिवृत्ति की तारीख से पूर्व की अवधि के लिए कोई देय या लगाया गया हो, या ब्याज या दंड देय या लगाया गया हो, उसकी अदायगी के लिए दायी होगा।

आगे परन्तु यह और कि यह प्रावधान किया जाता है कि सेवानिवृत्त होने के बाद यदि ऐसी कोई सूचना सेवानिवृत्ति की तारीख से साठ दिनों के भीतर नहीं दी जाती है, तो सेवानिवृत्ति की तारीख के बाद की अवधि के संबंध में भी किसी भी ब्याज, दंड सहित स्थानीय निकाय कर, भुगतान करने के लिए संयुक्त रूप से और अलग-अलग उत्तरदायी रहेगा, जब तक की ऐसी सूचना, मुख्य कार्यपालक अधिकारी को प्राप्त नहीं हो जाती।

8. **प्रधान की ओर से कमीशन अभिकरण आदि भुगतान के लिए दायी:-**

(1) जहां एक कमीशन अभिकरण या किसी भी अन्य अभिकरण चाहे वह किसी भी नाम से जाना जाता हो या एक नीलामीकर्ता उपभोग, उपयोग या बिक्री के लिए अपने प्रधान की ओर से छावनी की सीमा में कोई माल आयात करता है तो ऐसा कमीशन अभिकरण अन्य अभिकरण या यथास्थिति या नीलामीकर्ता और मालिक दोनों संयुक्त रूप से और अलग-अलग, इस तरह के सामान के संबंध में स्थानीय निकाय कर का भुगतान करने के लिए दायी होगा।

(2) प्रधान जिनकी ओर से कमीशन अभिकरणों, किसी भी अन्य अभिकरण या नीलामीकर्ता द्वारा उपभोग, उपयोग या उसमें बिक्री के लिए छावनी की सीमा में किसी भी माल का आयात किया गया हो, और उसके स्थानीय निकाय कर का भुगतान कर दिया गया है और मुख्य कार्यपालक अधिकारी इससे समाधान होते हैं, तो उप खंड (1) के अधीन इस तरह के सामान पर, अपने कमीशन अभिकरण, अन्य अभिकरण या नीलामकर्ता द्वारा भुगतान किए जाने की स्थिति में मालिक उस सामान के संबंध में फिर से स्थानीय निकाय कर का भुगतान करने के लिए दायी नहीं होगा।

(3) यदि छावनी के अप्रवासी व्यक्ति के लिए प्रबंधक या अभिकरण उपभोग, उपयोग या बिक्री के लिए छावनी क्षेत्र में सामान का आयात करता है तो अप्रवासी व्यक्ति और छावनी क्षेत्र के निवासी प्रबंधक या अभिकरण संयुक्त रूप से या अलग-अलग उस माल की बाबत स्थानीय निकाय कर का भुगतान करने के लिए दायी होंगे।

(4) यदि छावनी के अनिवासी व्यक्ति मुख्य कार्यपालक अधिकारी को यह दर्शाता है कि स्थानीय निकाय कर प्रबंधक या छावनी में रहने वाले अभिकरण द्वारा भुगतान कर दिया गया है तो अप्रवासी व्यक्ति उसी माल के संबंध में फिर से स्थानीय निकाय कर का भुगतान करने के लिए दायी नहीं होगा।

9. **रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र मंजूरी करना.-**

(1) रजिस्ट्रीकरण का प्रमाण-पत्र **प्ररूप-ख** में जारी किया जाएगा।

(2) जहाँ रजिस्ट्रीकरण का प्रमाण-पत्र आवेदन के आधार पर व्यौहारी को जारी किया गया है तो;

(क) यदि यह उपविधि 3 के खंड(2) के उपखंड (क)में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर किया गया था,तो यह इन उप-नियमों के लागू होने की तारीख से प्रवृत्त होगा।

(ख) यदि यह उपनियम 3 के खंड (2) के उपखंड (ख) में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर कर दिया गया था तो उस व्यौहारी का आवर्त इन उपविधि में विनिर्दिष्ट प्रासंगिक सीमा पहली बार पार होने के समय से प्रवृत्त होगा।

(ग) यदि यह उपनियम 6 के खंड (8) में विनिर्दिष्ट समय सीमा के भीतर किया गया था तो का भुगतान उक्त उपखंड के अधीन स्थानीय निकाय कर (एलबीटी) देने के लिए दायी होने की तारीख से प्रवृत्त हो जाता है।

(घ) इस तरह का आवेदन यदि इन उपविधि3 के खंड (2) के उपखंड (2) (ग) के अधीन किया जाता है, तो यह आवेदन करने की तारीख से प्रभावी होंगे।

(ङ) उपनियम 3 के खण्ड (2) के उप-खण्ड (ग) के अधीन व्यौहारी या व्यक्ति द्वारा किए गए एक आवेदन पर जारी किया प्रमाणपत्र, ऐसी तारीख तक लागू रहेगा, जो रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र में मुख्य कार्यपालक अधिकारी विनिर्दिष्ट करेगा।

परंतु मुख्य कार्यपालक कार्यपालक अधिकारी चाहे कि एक व्यौहारी या व्यक्ति, जो उपविधि 4 के खण्ड (2) के तहत रजिस्ट्रीकरण के लिए दायी है तो वह ऐसे व्यापारी या व्यक्ति से एक अवधारित तारीख तक एक निश्चित प्रतिभूति जमा करने के लिए कह सकते हैं। इस उपविधि के अधीन यह जमा राशि, ऐसे व्यौहारी या व्यक्ति द्वारा देय स्थानीय निकाय कर, यथास्थिति, ब्याज या, जुर्माना, के प्रति समायोजित की जाएगी।

(3) जहाँ उपविधि 3 के खण्ड (3) के अधीन व्यौहारी को रजिस्ट्रीकृत समझा गया है, इस उपविधि के तहत किसी बात के होते हुए भी व्यौहारी के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन नहीं देने पर भी मुख्य कार्यपालक अधिकारी उसे रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र जारी करेगा, जो इस उपविधि के लागू होने की तारीख से प्रवृत्त होगा।

(4) जहाँ व्यौहारी के छावनी की सीमा में किसी कारबार का व्यवसाय दो या दो से अधिक स्थानों पर है, जो कि केवल भंडार नहीं है, मुख्य कार्यपालक अधिकारी उस व्यौहारी को रजिस्ट्रीकरण के आवेदन में विनिर्दिष्ट प्रत्येक स्थान के लिए रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र की एक प्रति जारी करेगा।

10. **रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र की अतिरिक्त प्रतियाँ.-** (1) एक रजिस्ट्रीकृत व्यापारी, उसके रजिस्ट्रीकरण के समय अस्तित्व स्थान या स्थानों के अलावा एक नई जगह पर अपना कारबार शुरू करता है, तो उसके लिए व्यापारी द्वारा आवेदन करने पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी उसे रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र की अतिरिक्त प्रति जारी करेगा। जारी की गई प्रत्येक अतिरिक्त रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र प्रति के लिए रु. 25/- (रुपये पचीस मात्र) शुल्क भारित किया जाएगा।

(2) यदि रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी से, उसे जारी किया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र खो गया है या नष्ट हो गया है या विरूपित हो गया है तो, ऐसे मामले में रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, इस संबंध में मुख्य कार्यपालक अधिकारी को आवेदन पत्र देकर, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति या अतिरिक्त प्रति अभिप्रास कर सकता है।

(3) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति या अतिरिक्त प्रति के लिए आवेदन के साथ रु. 25/- (पचीस रुपये) की फीस देय होगी।

11. **रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की अहस्तांतरणीयता:-** यथा उपबंधित के सिवाय उपविधि में 14 के अनुसार यथा उपबंधित के सिवाय जारी प्रमाण-पत्र व्यौहारी के लिए निजी होगा और अन्य किसी भी प्रकार से अंतरणीय नहीं होगा।

12. **रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की संप्रदर्श:-** इस उपविधि के अधीन प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी मूल रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को अपने प्रत्येक व्यावसायिक स्थल केवल माल भंडार ही नहीं पर स्पष्ट रूप से दर्शित करेगा।

13. **कारबार आदि में परिवर्तन की सूचना आदि:-** (1) इस उपविधि के अधीन स्थानीय निकाय कर का भुगतान करने के लिए दायी व्यौहारी यदि :-

- (क) यदि व्यापारी अपने कारबार या उसके किसी भाग को बिक्री, पट्टे, अनुमति या अनुज्ञा, किराये या अन्य किसी तरीके से अपने कारबार या उसके किसी भाग का निपटान करता है या उसके स्वामित्व में कोई परिवर्तन करता है या जानता है।
- (ख) अपने कारबार को बंद करता है, या उसका स्थान बदलता है, या व्यवसाय के लिए एक नयी जगह खोलता है, या
- (ग) अपने कारबार के नाम या उसके प्रकार को बदलता है, या
- (घ) यदि उपभोग, उपयोग, या उसकी बिक्री के लिए छावनी परिषद की सीमा में उसके द्वारा आयातित माल के वर्ग में किसी भी प्रकार का बदलाव करता है, या
- (ङ) अपने कारबार के संबंध में एक भागीदारी करता है, या अन्य संगम में प्रवेश करता है

तो वह या उसका उत्तराधिकारी इस प्रकार के किसी भी परिवर्तन की तारीख से साठ दिन के भीतर लिखित रूप में मुख्य कार्यपालक अधिकारी को सूचित करेगा।

(2) खंड (1) के अधीन कोई भी ऐसी जानकारी देते हुए व्यापारी द्वारा प्राप्त मूल रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र या उसकी सभी प्रतियाँ मुख्य कार्यपालक अधिकारी को सौंपेगा।

(3) जहाँ रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने और मुख्य कार्यपालक अधिकारी से उसे प्राप्त करने के पश्चात संबंधित प्ररूप या उसके स्थान पर नये प्ररूप के रूप में किसी संशोधन द्वारा परिवर्तन होता है तो ऐसे व्यक्ति को रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र तथा उसकी सभी प्रतियाँ साठ दिन के भीतर मुख्य कार्यपालक अधिकारी को सौंपनी होंगी।

(4) जब तक कि खंड (3) के अनुसार तब तक नए प्ररूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र नहीं जारी किया जाता, व्यौहारी को रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी माना जाएगा।

(5) मुख्य कार्यपालक अधिकारी, जब तक कि रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र उसके द्वारा रद्द ना किया गया हो, सुसंगिक प्रारूप पर सूचना या परिवर्तन के आधार पर संशोधन करते हुए प्रमाण-पत्र जारी करेगा।

14. **कतिपय परिस्थितियों में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी रखना:-** जहाँ रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी -

- (क) अपने कारबार के नाम में परिवर्तन करता है, या
- (ख) एक फर्म है और फर्म का विघटन किए बिना उसके संघटन में परिवर्तन करता है, या
- (ग) एक न्यास का न्यासी है और उसके न्यासी में परिवर्तन होता है, या
- (घ) एक प्रतिपाल्य का अभिभावक है, और अभिभावक में कोई परिवर्तन होता है,
- (ङ) यदि सुसंगत प्रारूप या उसके स्थानापन्न में बदलाव हुआ है;

तो केवल उल्लिखित कारणों से व्यौहारी की, या फर्म के संघटन में परिवर्तन के कारण, या नए न्यासी, या नए अभिभावक को नए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के लिए आवेदन करना आवश्यक नहीं होगा और उपनियम 13 में उल्लिखित रीति से उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र संशोधित किया जाएगा।

15. **रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को रद्द करना:-** (1) जहाँ :-

(क) कोई कारबार, ऐसे व्यौहारी के व्यवसाय सहित, जो उपविधि 3 के खण्ड (3) के अधीन रजिस्ट्रीकृत माना गया है, जिसके संबंध में इस उपविधि के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र जारी किया गया है, बंद किया गया है, या निपटान किया गया है, या

(ख) उपनियम 3 के खण्ड (3) के अधीन रजिस्ट्रीकृत माने गए व्यापारी सहित किसी रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी का बिक्री या खरीद का आवर्त, किसी वर्ष के दौरान इस उपविधि द्वारा निर्धारित सुसंगत सीमा से अधिक हो जाता है तो, उस व्यौहारी को उसके रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र के रद्दीकरण के लिए विनिर्दिष्ट प्रकार से आवेदन करना चाहिए और मुख्य कार्यपालक अधिकारी, ऐसी जाँच करने के पश्चात जैसा वे उचित समझे, इस उपविधि के अनुसार, ऐसी प्रभावी तारीख से रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र निरस्त करेंगे जिसे वे नियत करेंगे।

परंतु मुख्य कार्यपालक अधिकारी का समाधान हो जाता है कि इन उपविधियों के अधीन जिस किन्हीं कारबार से संबंधित रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी किया गया है, वह व्यौहारी बंद किया है, या निपटान किया है और व्यौहारी पूर्वोक्त के अनुसार रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र निरस्त करने के लिए आवेदन करने में विफल हो जाता है तो, मुख्य कार्यपालक अधिकारी ऐसे व्यौहारी को सुनवाई का उपयुक्त अवसर प्रदान करने के पश्चात्, ऐसी प्रवृत्त तारीख से रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र निरस्त करेंगे, यथास्थिति, जिससे जो व्यवसाय बंद कर दिया गया है या निपटान किया गया है।

परंतु यह और कि, व्यौहारी या अन्य के रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र रद्दीकरण के आवेदन पर व्यौहारी के रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के रद्दीकरण की तारीख से पूर्व किसी अवधि के लिए देय जब्त राशि, जुर्माना तथा ब्याज सहित स्थानीय निकाय कर अदा करने का उत्तरदायित्व प्रभावित नहीं होगा, चाहे ऐसा जुर्माना, ब्याज, तथा जब्त राशि सहित स्थानीय निकाय कर, रद्दीकरण की तारीख से या पूर्व मूल्यांकित या परिमाणित किया हो, लेकिन भुगतान के लिए शेष रहा या उसके पश्चात् मूल्यांकित या परिमाणित किया है।

स्पष्टीकरण.- इस खण्ड के पूर्ववर्ती उपबंधों के अधीन कि मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के रद्दीकरण की निर्धारित तारीख से, इस खण्ड के प्रयोज्य के लिए, ऐसे व्यौहारी रजिस्ट्रीकृत व्यापारी नहीं समझे जाएंगे।

(2) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र रद्दीकरण के लिए कोई आवेदन इस उपविधि के प्ररूप ग में मुख्य कार्यपालक कार्यपालक अधिकारी के नाम से किया जाएगा।

(3) यदि मुख्य कार्यपालक अधिकारी का समाधान हो जाता है कि आवेदन सही है, तो वे लिखित में आदेश जारी कर, उपखण्ड (4) के अनुसार निर्धारित तारीख से रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र निरस्त करेगा और ऐसे व्यौहारी का नाम, पता तथा रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र संख्या एवम् तारीख जिससे रद्दीकरण प्रभावित होता है, का उल्लेख करते हुए, छावनी बोर्ड के सूचना पट्ट पर नोटिस द्वारा प्रकाशित करेगा। ऐसे आदेश की एक प्रति व्यौहारी को भेजी जाएगी।

(4) जहाँ रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र निरस्त किया जाना है:-

(क) खण्ड (1) के उपखण्ड (क) में निर्दिष्ट आधार पर, जिस तारीख से कारबार बंद किया गया या अन्यथा निपटान किया गया, वह तारीख रजिस्ट्रीकरण निरस्तकरण की तारीख होगी।

(ख) इस उपविधि के खण्ड (1) के उपखण्ड (ख) में निर्दिष्ट आधार पर, रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र रद्दीकरण की तारीख, उपखण्ड (3) के तहत प्रकाशित नोटिस की तारीख के बाद आने वाले महीने के पहले दिन के बाद की नहीं होगी।

(5) जहाँ व्यौहारी का रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र को उपखण्ड (1) के पहले परंतुक के अधीन निरस्त किया जाना हो, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, ऐसे व्यौहारी को सुनवाई का उपयुक्त अवसर प्रदान करने के पश्चात्, लिखित में आदेश जारी कर, मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा निश्चित की गई ऐसी प्रवृत्त तारीख से, रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र निरस्त करेंगे, जिस तारीख से कारबार बंद किया गया है, या निपटान किया गया है, जैसा भी मामला हो, और ऐसे व्यौहारी का नाम, पता एवमंरजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र संख्या तथा तारीख जिससे रद्दीकरण प्रभावित होता है, का उल्लेख करते हुए, छावनी बोर्ड के सूचना पट्ट पर नोटिस द्वारा प्रकाशित करेगा। ऐसे आदेश की एक प्रति व्यौहारी को तामिल की जाएगी।

(6) यदि व्यौहारी का रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र, उसके आवेदन करने पर या इस उपविधि के तहत निरस्त किया गया है तो, व्यौहारी रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र तथा उसकी प्रतियाँ, यदि कोई मंजूर की गई हो तो, मुख्य कार्यपालक अधिकारी को, रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र रद्दीकरण आदेश को उसके द्वारा प्राप्त करने की तारीख से पंद्रह दिनों के भीतर सौंप देगा।

(7) यदि एक रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी उपविधि 28 के अधीन, जिससे प्रतिभूति जमा करना अपेक्षित है, में विफल हो जाता है तो, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, ऐसे व्यौहारी को सुनवाई का उपयुक्त अवसर प्रदान करने के पश्चात्, लिखित में आदेश जारी कर, ऐसे व्यौहारी का रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र निरस्त करेगा और इस आदेश को साधारण जनता के ध्यानाकर्षण हेतु ऐसे व्यौहारी का नाम, पता एवं संख्या को समाचार पत्र में प्रकाशित करेगा।

16. व्यौहारी द्वारा व्यवसाय के प्रबंधक के नाम की घोषणा:- प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यापारी, जो अविभाजित हिंदू कुटुंब का सदस्य है, या एक संगम, या क्लब या सोसायटी या फर्म, या कंपनी या जो दूसरे व्यक्ति की ओर से व्यवसाय के अभिभावक या न्यासी या अन्यथा व्यवसाय करता है तो, उसे एक मास के भीतर, इन उपनियमों के प्रयोजन से मुख्य कार्यपालक अधिकारी को प्ररूप 'छ' में घोषणा-पत्र भेजेगा जिसमें उस व्यक्ति या व्यक्तियों के नाम का उल्लेख होगा, जिसे, या ऐसे व्यौहारी के व्यवसाय का प्रबंधक समझा जाएगा।

17. व्यौहारियों द्वारा माल की खरीद और प्राप्ति के लिए रजिस्टर का अभिरक्षण करना:- प्रत्येक व्यौहारी को प्ररूप-घ में स्थानांतरण के आधार पर माल के खरीद और प्राप्ति के लिए रजिस्टर अभिरक्षण करने होंगे।

परन्तु व्यौहारी उक्त रजिस्टर कंप्यूटरीकृत रूप में बना सकता है और ऐसे मामले में, जब कभी मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा जाँच के लिए माँग करने पर, वह व्यौहारी महाराष्ट्र मूल्य-वर्धित कर अधिनियम, 2002 (महाराष्ट्र 2005 का IX) के तहत अनुरक्षित सुसंगत दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए बाध्य होगा।

परन्तु यह और कि उपविधि 24 या उपविधि 25 के अधीन एकमुश्त कर राशि का भुगतान करने का विकल्प चुनने वाले व्यापारी या जोकि प्रतितुलन का दावा करने के इच्छुक हैं या यथास्थिति विवरणी भरते हैं, के अलावा अन्य व्यापारियों को बिक्री अभिलेख अनुरक्षित करना आवश्यक नहीं होगा।

18. अवधारणा और सबूत का भार:-(1) यदि रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी छावनी परिषद के क्षेत्र में अनुसूची-'क' में विनिर्दिष्ट वस्तुएं छावनी परिषद किसी अन्य व्यौहारी से खरीदता है तो, यह प्रमाणित करने के लिए कि वह इन वस्तुओं पर कर अदा करने के लिए उत्तरदायी नहीं है, मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा जब भी माँग किए जाने पर, वह बेचने वाले व्यौहारी द्वारा जारी प्रमाण-पत्र उपविधि 19 में उल्लिखित उपबंध के तहत उसके समक्ष प्रस्तुत करेगा।

(2) यदि मुख्य कार्यपालक अधिकारी जाँच, जो वह ठीक समझें, करने के पश्चात् इस बात से समाधान होता है कि जारी किया गया प्रमाणपत्र सत्य एवं सही है, तो वह इस उपविधि के अधीन उस व्यक्ति द्वारा देय स्थानीय निकाय कर (एलबीटी) के निर्धारण के पूर्व, या किसी भी समय, इस आशय का आदेश जारी करेगा कि पूर्ववर्णित रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी इस उपविधि प्रयोजन के लिए उपरोक्त वस्तुओं पर कर देने के लिए दायी नहीं होगा।

(3) जब तक कि विपरीत प्रमाणित नहीं होता, जहाँ कहीं अनुसूची-'क' में विनिर्दिष्ट वस्तुएं एक व्यौहारी द्वारा छावनी परिषद की सीमाओं के भीतर आयातित की गई हैं, तो यह समझा जाएगा कि वस्तुएं छावनी में खपत, उपभोग या बिक्री हेतु आयातित की गई हैं, या उन्हें छावनी परिषद के क्षेत्र से बाहर किसी अन्य स्थान पर भेजने के लिए आयातित किया गया है।

19. विक्रेता व्यौहारी द्वारा कतिपय परिस्थितियों में प्रमाण-पत्र जारी किया जाना : -जहाँ किसी व्यौहारी के पास छावनी क्षेत्र में कुछ माल है जिसे वह किसी अन्य व्यापारी या ग्राहक को छावनी परिषद क्षेत्र में बेचता है, तो विक्रेता व्यौहारी खरीददार को बिल बीजक या नकद मीमो तथा उपविधि 20 में उल्लिखित प्रकार तथा विनिर्दिष्ट विवरण के साथ प्रमाण-पत्र जारी करेगा।

20. बिल, बीजक या नकद मीमो में विनिर्दिष्ट किए जाने वाली विशेषियां : - प्रत्येक वह व्यौहारी जिसे बेचे गए या आपूर्ति किए गए माल के संबंध में बिल, बीजक या रोकड़ मीमो जारी करना अपेक्षित है, वह उसके द्वारा जारी बिल, बीजक या नकद मीमो में अपना पूरा नाम और व्यवसाय का प्रकार, व्यवसाय स्थान का पता और रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र संख्या और बेची गई वस्तुओं का विवरण तथा उनका बिक्री मूल्य, और-

(क) जहाँ बिल, बीजक और नकद मीमो रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी द्वारा जारी किया गया है, तो उसमें निम्नलिखित प्रकार के प्रमाण-पत्र समाविष्ट किया जाएगा-

"मैं/हम प्रमाणित करता/करते हैं कि इस बिल बीजक/नकद मीमो में विनिर्दिष्ट वस्तुओं की बिक्री मेरे/हमारे द्वारा की गई तारीख को मेरा/हमारा रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र छावनी बोर्ड के स्थानीय निकाय कर उपविधि, 2015 के अधीन प्रवृत्त है और यह कि इस बिल, बीजक/नकद मीमो द्वारा की गई बिक्री का सौदा मेरे/हमारे कारबार के संदर्भ में मेरे/हमारे द्वारा किया गया है।"

(ख) जहाँ बिक्री मूल्य पाँच सौ रुपये से कम नहीं है, तो उस व्यापारी को बिल, बीजक या नकद मीमो में खरीददार का पूरा नाम तथा व्यवसाय (यदि कोई है), और उसका पता तथा इस उपविधि के अधीन उसका रजिस्ट्रीकरण संख्या की प्रविष्टि करनी होगी।

21. बोर्ड द्वारा स्थानीय निकाय कर की दरें तथा वस्तुओं के संबंध में आवर्त की सीमा अवधारित करना.-

(1) स्थानीय निकाय कर की दरें, उसकी अदायगी के लिए आवर्त की सीमा, उन वस्तुओं जिन पर स्थानीय निकाय करलागू है और छूट के लिए अधिकतम सीमाएं, पुणे महानगरपालिका की वर्तमान दरों के बराबर होंगी।

(2) राज्य की सीमाओं में लागू राज्य महाराष्ट्र सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित स्थानीय निकाय कर की दर, वे वस्तुएं जिन पर कर देय होगा और छूट की सीमा बोर्ड द्वारा अंगीकृत की जाएंगी।

परंतु, बोर्ड द्वारा प्रस्तावित स्थानीय निकाय कर की दर में कोई भी परिवर्तन छावनी क्षेत्र में प्रचलित एक-एक अंग्रेजी, हिन्दी व मराठी दैनिक में प्रकाशित की जाएंगी।

परंतु यह और कि, बोर्ड इस उपविधि के अधीन लगाए गए किसी भी कर को केन्द्रीय सरकार की पूर्व स्वीकृति के बिना नहीं हटाएगा या बोर्ड की आर्थिक हानि के पक्ष में नहीं बदलेंगे और कर संविधान के अनुच्छेद 276 के उपखंड (2) में विनिर्दिष्ट सीमा से अधिक नहीं होगा जैसा कि इस अधिनियम की धारा 66 के दूसरे परंतुक के अधीन आवश्यक है।

22. कतिपय मामलों में टैरिफ नियत करना.- यदि मुख्य कार्यपालक अधिकारी का इस बात से समाधान होता है कि अनुसूची-क में विनिर्दिष्ट किसी भी माल के आयात में स्थानीय निकाय कर की चोरी को रोकने के लिए आवश्यक या लाभकारी है तो इस उपविधि में किसी भी बात के होते हुए, वह ऐसी या इसके समान प्रकृति की वस्तुओं की कीमत की प्रवृत्ति के आधार पर समय-समय पर उनकी दरसूची निर्धारित कर, उसे छावनी के सूचना पट पर प्रदर्शित कर सकता है। और जहाँ ऐसी दर का निर्धारण किया गया हो तो, इस उपविधि के अधीन उगाही ऐसी टैरिफ के अनुसार की जाएगी, न कि ऐसी निर्धारित दर से की जायेगी, न कि ऐसी वस्तुओं से संबंधित किसी कागजात पर दर्शाए गये मूल्य के आधार पर।

परंतु दर सूची मूल्य निश्चित करने के लिए मुख्य कार्यपालक अधिकारी, पुणे महानगरपालिका के भीतर उसी प्रकार की वस्तुओं के टैरिफ मूल्य को निर्दिष्ट कर सकते हैं।

23. उचित बाजार मूल्य का अवधारण करना.- (1) जहाँ छावनी सीमाओं के भीतर उपभोग, उपयोग में लाने या बिक्री हेतु आयातित किसी भी माल के संबंध में यदि मुख्य कार्यपालक अधिकारी का किसी भी कारण से यह विचार है कि किसी व्यक्ति द्वारा दिखाई गई वस्तुओं का बिक्री मूल्य, या खरीद मूल्य, जैसा भी मामला हो, संबंधित व्यक्तियों द्वारा किए गए बिक्री या खरीद सौदे, जैसा भी मामला हो, में दिखाया गया मूल्य उचित बाजार मूल्य से कम है तो इस उपविधि के अधीन किसी भी कार्यवाही हेतु मुख्य कार्यपालक अधिकारी उस व्यक्ति को सुने जाने का उपयुक्त अवसर प्रदान करने के पश्चात उन वस्तुओं का उचित बाजार मूल्य निर्धारित करने का आदेश पारित कर सकता है।

(2) जहाँ किसी व्यक्ति द्वारा वस्तुओं को छावनी की सीमाओं की भीतर उपभोग, उपयोग या बिक्री हेतु आयातित किया गया है, जिनका बिक्री या खरीद मूल्य जैसा भी मामला हो निश्चित करना संभव नहीं है या जहाँ वस्तुओं की बिक्री या खरीद द्वारा प्राप्त नहीं किया गया है, तो इस उपविधि के अधीन किसी भी कार्यवाही हेतु मुख्य कार्यपालक अधिकारी उस व्यक्ति को सुने जाने का उपयुक्त अवसर प्रदान करने के पश्चात उन वस्तुओं का उचित बाजार मूल्य निर्धारित करने का आदेश पारित कर सकता है।

24. स्थानीय निकाय कर की एकमुश्त में भुगतान.- (1) इस उपविधिके उपबंधों के अधीन, यदि कोई रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति जिसका वर्ष के दौरान बिक्री और/या खरीद 10 लाख से कम या बराबर है, की नीचे दी गई सारणी में विनिर्दिष्ट दर से अदायगी का विकल्प लेता है तो वह इन उप-नियमों के अधीन निर्धारित प्ररूप-ध में घोषणा देगा।

(2) उसके द्वारा प्ररूप-ध में दी गई घोषणा के आधार पर यदि मुख्य कार्यपालक अधिकारी का इस बात से समाधान होता है कि नीचे दी गई सारणी के चरण (स्लैब), जैसाकि आवेदक द्वारा विकल्प चुना गया है, सही है तो वह उस अवधि और तारीख तक, नीचे दी गई सारणी के अनुसार एकमुश्त में की अदायगी करने की अनुमति प्रदान करेगा। जैसाकि वह ऐसी अनुमति प्रदान करने के लिए जारी आदेश में विनिर्दिष्ट कर सकता है, और वह व्यक्ति आदेश प्राप्त होने की तारीख से पंद्रह दिन के भीतर की एकमुश्त में अदायगी करेगा।

परंतु, यदि वह व्यौहारी जिसे की एकमुश्त अदायगी की अनुमति प्रदान की गई है, इस उपविधि अधीन निर्धारित तारीख के भीतर उस राशि की अदायगी नहीं करता है तो इस आशय के लिए मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा प्रदान की गई मंजूरी की अदायगी की देयता की तारीख समाप्त होने के तुरंत बाद वापस ली समझी जाएगी।

परंतु यह और कि, यदि ऐसी अदायगी उस पर वसूली योग्य ब्याज के साथ उपविधि 44 के खंड (3) के उपखण्ड (क) के उपबंधों के अधीन इस प्रयोजन के लिए निर्धारित समय से 3 मास के भीतर या वर्ष की समाप्ति से पहले जिसमें यह अनुमति प्रदान की गई थी, जो भी पहले हो, कर दी जाती है तो मुख्य कार्यपालक अधिकारी ऐसी राशि की अदायगी को इस उपविधि के अधीन पहले प्रदान की गई मंजूरी के अनुरूप मान सकता है।

(3) यदि वर्ष के दौरान, जिसमें मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा खण्ड (1) के उपबंधों के अधीन किसी व्यक्ति को की एक मुश्त में अदायगी करने की अनुमति प्रदान की गई था या उत्तरी वर्ती वर्ष जिसमें यह अनुमति लागू है, उस व्यक्ति का सभी खरीद या बिक्री का आवर्त उस स्लैब से अधिक हो जाता है तो नीचे विनिर्दिष्ट सारणी के अनुसार उस वर्ष में उसके द्वारा देय स्थानीय निकाय कर के अंतर की राशि की अदायगी उसे करनी होगी, जोकि उसका आवर्त निर्धारित सीमा से अधिक बढ़ने के कारण उस पर लागू होता है या उस वर्ष के दौरान उसकी सारी खरीद का आवर्त दस लाख रुपये से अधिक हो जाता है तो स्थानीय निकाय कर की अंतर की राशि की अदायगी यह सुनिश्चित करने के लिए करनी होगी कि उसके द्वारा दिया गया कर अन्यथा इस उपविधि के अधीन उसके द्वारा दिए जाने वाले कर की राशि से कम नहीं है।

(4) यदि मुख्य कार्यपालक अधिकारी को यह विश्वास हो जाता है कि जिस व्यक्ति को इस उपविधि के अधीन की अदायगी एकमुश्त में करने की अनुमति प्रदान की गई थी, उसका इस उपविधि के प्रयोजन से प्ररूप-ध में उसके द्वारा घोषित आवर्त से अधिक हो जाता है, और यह कि ऐसा व्यक्ति इस खण्ड 3 के उपबंधों का अनुपालन करने में विफल रहता है तो वह ऐसे व्यक्ति को सुनवाई का उपयुक्त अवसर प्रदान करने के पश्चात लिखित में एक आदेश जारी कर उसकी अनुमति को उस समय से रद्द कर सकता है जब से उसका आवर्त नीचे दी गई सारणी में विनिर्दिष्ट सीमा से पार हो गया और उससे प्राप्य ब्याज और दंड लगाने योग्य राशि, यदि कोई हो, की वसूली करने के लिए कार्यवाही प्रारम्भ कर सकता है और ऐसे व्यक्ति से राशि इस उपविधि के अधीन ऐसी राशि उस व्यक्ति द्वारा देय स्थानीय निकाय कर के अतिरिक्त होगी और उसे उसी प्रकार वसूल किया जाएगा जैसाकि इस उपविधि के अन्य उपबंधों अधीन निर्धारित किया गया है।

(5) खण्ड (4) में निर्दिष्ट आदेश की एक प्रति उस व्यौहारी को व्यक्तिगत रूप से सौंपी जाएगी।

सारणी

स्लैब नं.	वर्ष के दौरान सभी खरीद का आवर्त	प्रतिवर्ष देय स्थानीय निकाय कर
01	रु. 1,00,000/-तक	शून्य
02	रु. 1,00,001/- से रु. 2,00,000/- तक	रु. 4,000/-
03	रु. 2,00,001/- से रु. 3,00,000/- तक	रु. 6,000/-
04	रु. 3,00,001/- से रु. 4,00,000/- तक	रु. 8,000/-
05	रु. 4,00,001/- से रु. 5,00,000/- तक	रु. 10,000/-
06	रु. 5,00,001/- से रु. 6,00,000/- तक	रु. 12,000/-
07	रु. 6,00,001/- से रु. 7,00,000/- तक	रु. 14,000/-
08	रु. 7,00,001/- से रु. 8,00,000/- तक	रु. 16,000/-
09	रु. 8,00,001/- से रु. 9,00,000/- तक	रु. 18,000/-
10	रु. 9,00,001/- से रु. 10,00,000/- तक	रु. 20,000/-

25. **निर्माणकर्ता या ठेकेदार द्वारा कर की अदायगी.-** (1) एक व्यक्ति रजिस्ट्रीकृत या गैर-रजिस्ट्रीकृत है, यदि छावनी की सीमाओं के भीतर सिविल निर्माण का कार्य करता है, उसे इस बात का विकल्प होगा कि वह सिविल निर्माण के लिए छावनी की सीमाओं के भीतर आयातित माल के मूल्य पर की अदायगी करे या वैकल्पिक रूप से स्थानीय निकाय कर का सौ रुपए प्रति वर्गमीटर की दर से एकमुश्त भुगतान कर सकता है:

(2) जो व्यक्ति छावनी की सीमाओं के भीतर सिविल निर्माण का कार्य करता है और उसने स्थानीय निकाय कर की अदायगी एकमुश्त में करने का विकल्प चुना है तो वह कार्य प्रारम्भ करने की मंजूरी के प्रमाणपत्र के लिए आवेदन करते समय देय राशि की पचास प्रतिशत तक की अग्रिम राशि जमा कर सकता है।

26. कतिपय मामलों में छूट.- (1) राज्य सरकार या केंद्रीय सरकार द्वारा छावनी की सीमाओं के भीतर माल आयातित करने पर कोई स्थानीय निकाय-कर नहीं लगाया जाएगा, इसके लिए संबंधित सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा यह प्रमाण-पत्र देना होगा कि आयातित वस्तुएं सरकार से संबंधित हैं तथा उन्हें सार्वजनिक प्रयोग के लिए आयातित किया गया है और उनसे कोई लाभ अर्जित करने का इरादा नहीं है।

(2) राज्य सरकार या केंद्रीय सरकार की ओर से या उनके द्वारा छावनी की सीमाओं के भीतर माल आयातित करने पर कोई स्थानीय निकाय कर उदग्रहित नहीं लगाया जाएगा। यदि माल आयातित करने की तारीख से तीन मास के भीतर इस संबंध में संबंधित सरकार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा यह प्रमाण-पत्र जारी किया जाता है कि आयातित वस्तुएं सरकार की हैं और उन्हें सार्वजनिक प्रयोजन से आयातित किया गया है और उनका प्रयोग करके उनसे कोई लाभ अर्जित करने का आशान्वित नहीं है।

(3) यदि किसी व्यक्ति या व्यौहारी के पास छावनी में माल है और उसे संसाधन, जैसाकि उपविधि की व्याख्या में निर्देशित किया गया है, हेतु छावनी के बाहर भेजता है और उसकी स्थिति और आकृति में परिवर्तन किए बिना तथा उसके मालिकाना हक में बदलाव किए बिना उसे पुनः आयातित करता है तो पुनः आयातित संसाधित वस्तुओं के कुल मूल्य में से बाहर भेजे गए माल के मूल्य को घटाने की स्वीकृति दी जाएगी और स्थानीय निकाय-कर केवल संसाधन प्रभार, स्थानांतरण प्रभार आदि के रूप में अतिरिक्त जोड़े गए मूल्य पर लगाया जाएगा।

परंतु, वह माल छावनी से निर्यात की तारीख से छः मास के भीतर पुनः आयातित किया जाता है और वह व्यक्ति ऐसे निर्यात की सूचना सुसंगत अवधि की विवरणी में देता है।

(4) यदि कोई व्यक्ति छावनी में कोई सामान छावनी क्षेत्र से बाहर किसी भी संसाधन, जैसाकि इस उपविधि की व्याख्या में निर्देशित किया गया है, आयातित करता है और सामान की स्थिति और मुख्य कार्यपालक अधिकारी का इस बात से समाधान होता है कि सामान की स्थिति और आकृति तथा मालिकाना हक में कोई परिवर्तन किये बिना आयात की तारीख से छह माह की अवधि के भीतर छावनी क्षेत्र से बाहर उसी व्यक्ति को निर्यात किया गया है, तो निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन पर कोई स्थानीय निकाय-कर नहीं लगाया जायगा अर्थात्:-

- (i) वह व्यौहारी ऐसे माल का मूल्य संगत अवधि की विवरणी में दर्शाता है।
- (ii) वह व्यौहारी गारंटी के रूप में इस संबंध में मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा निर्धारित प्रतिभूति जमा की अदायगी करता है।

परंतु वह व्यौहारी जो नियमित रूप से सामान के संसाधन हेतु माल का आयात करता है, मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा समय-समय पर निर्धारित स्थाई निक्षेप नियत कर सकता है।

स्पष्टीकरण. उप खंड (3) और (4) के प्रयोजनों से संसाधन से यह अभिप्रेत होगा:-

- (i) पिसाई, रंगाई, विरंजन, पेंटिंग, मुद्रण, परिसज्जा, स्टेंडिंग, कढ़ाई, दोहराई, मुड़ाई, धातुकरण और इलेक्ट्रोप्लेटिंग;

सभी प्रकार के वाहनों की चैसिस के ऊपर ढांचे का निर्माण एवं लगाना;

- (ii) मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा समय-समय पर अनुमोदित किए गए अन्य संसाधन।

परंतु मुख्य कार्यपालक अधिकारी उन प्रक्रियाओं को, जहां तक संभव हो, सामान्यतः छूट का अनुमोदन करेंगे, जो कि पुणे महानगरपालिका की सीमाओं के भीतर छूट प्राप्त है, जब तक कि वे यह पता न लगा लें कि ऐसी छूट बोर्ड के हित में आवश्यक नहीं है या आवश्यक है, यदि ऐसी प्रक्रिया पुणे महानगरपालिका की सूची में शामिल नहीं है।

(5) जब छावनी क्षेत्र में किसी माल को बेचकर छावनी क्षेत्र से बाहर निर्यात किया जाता है और यदि वह माल खरीददार द्वारा अस्वीकृत किए जाने के पश्चात् वापस आता है तो ऐसे माल पर कोई स्थानीय निकाय-कर नहीं लगेगा, बशर्ते कि वह माल छावनी क्षेत्र में उसके निर्यात की तारीख से छः मास के भीतर वापस आ जाता और वह व्यक्ति मुख्य कार्यपालक अधिकारी को साबित कर संतुष्ट कर देता है कि ऐसे माल की बिक्री को ससंगत अवधि की रिटर्न में दर्शाया गया था।

(6) जो व्यौहारी भारत की सीमा के बाहर माल की निर्यात करता है तो ऐसे निर्यात हेतु प्रयुक्त माल के मूल्य पर स्थानीय कर की वसूली से छूट होगी।

27. विवरणी प्रस्तुत करना.- (1) प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी, इस उपविधि के उपबंधों की शर्तों पर, प्ररूप-ड में वार्षिक विवरणी उसके द्वारा या प्ररूप-च में उसके द्वारा नामित व्यक्ति से हस्ताक्षर कर मुख्य कार्यपालक अधिकारी को, जिस वर्ष के लिए वार्षिक विवरणी है, के समाप्त होने के नब्बे दिन के अन्दर प्रस्तुत करेगा।

(2) प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी जो कि वार्षिक कर विवरणी शून्य फाइल करने की अपेक्षा नहीं होगी।

(3) इसके खण्ड (1) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, लेकिन इस उपविधि के उपबंधों के अधीन मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्ररूप-छ में समय-समय पर एक आदेश जारी कर विवरणियाँ प्रस्तुत करने के लिए विभिन्न व्यौहारियों या रजिस्ट्रीकृत/गैररजिस्ट्रीकृत श्रेणियों के व्यापारियों के लिए विभिन्न अवधियाँ और तारीखें विनिर्दिष्ट कर सकता है।

परंतु मुख्य कार्यपालक अधिकारी किसी भी ऐसे व्यौहारियों या व्यौहारियों के प्रवर्ग को विवरण प्रस्तुत करने से छूट दे सकता है, या ऐसे व्यौहारी या व्यौहारियों की श्रेणी को अनुज्ञा प्रदान कर सकता है:-

(क) ऐसी विभिन्न अवधियों के लिए विवरणियाँ प्रस्तुत करने; या

(ख) छावनी में उसके व्यवसाय के सभी स्थानों या किसी भी स्थान की या किसी भी अवधि या विभिन्न अवधियों की समेकित विवरणी, ऐसे प्ररूप में प्राधिकारी को प्रस्तुत करना, जैसा भी वह निदेश दे।

(4) यदि कोई रजिस्ट्रीकृत या गैर-रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी या व्यक्ति इस उपविधि के खण्ड (1), खण्ड (2) या खण्ड (3) के अधीन विवरणियाँ प्रस्तुत कर चुका हो और तत्पश्चात् वह उसमें कोई चूक या गलत विवरण पाता है तो वह मूल विवरणी प्रस्तुत करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख से एक मास पूर्व तक परिशोधित विवरणी प्रस्तुत कर सकता है।

(5) प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी या व्यक्ति जो उपविधि 4 के खण्ड (2) के अधीन रजिस्ट्रीकरण के लिए दायी हो जाता है, तो वह प्ररूप-ड में विवरणी प्रत्येक मास के अंतिम दिन से दस दिनों के भीतर विवरणी, यदि कोई कैलेण्डर मास या मास के अंश की समाप्ति से पहले उसका कारबार समाप्त हो जाता है; उस अवधि के लिए जिस दौरान जहाँ उसका व्यवसाय चालू था, छावनी के प्राधिकारी, छावनी के ऐसे क्षेत्र के प्रभारी को प्रस्तुत करेगा।

28. कतिपय मामलों में व्यक्तियों द्वारा प्रतिभूति देना.- (1) यदि कोई रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी अपने रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र लागू होने की अवधि के भीतर इस उपविधि के उपबंधों के अधीन निर्धारित समय-सीमा के भीतर तीन या अधिक बार स्थानीय निकाय-कर जमा करने में विफल रहता है तो यदि मुख्य कार्यपालक अधिकारी ऐसे व्यक्ति से स्थानीय निकाय-कर, व्याज, और/या देय जुर्माने की उपयुक्त वसूली के लिए आवश्यक समझे तो, वह किसी भी समय जबकि ऐसा प्रमाणपत्र प्रभावी है, लिखित में एक आदेश, जिसमें उसके कारण अभिलेख किए गए हो, समय-समय पर जारी कर ऐसे व्यौहारी को, उसके द्वारा आदेश में विनिर्दिष्ट समय के भीतर प्रतिभूति जमा कराने के लिए कह सकता है; या यदि इस उप-खंड के अधीन आदेश के अनुसरण से उस व्यौहारी द्वारा पहले ही कोई प्रतिभूति जमा की हो तो वह उपरोक्त प्रयोजन के लिए जारी आदेश में विनिर्दिष्ट अतिरिक्त प्रतिभूति जमा करने के लिए कह सकता है।

(2) कोई भी व्यौहारी प्रतिभूति या खण्ड (1) के अधीन अतिरिक्त प्रतिभूति, यथास्थिति, देने के लिए अपेक्षित नहीं होगा, जब तक कि उसे सुनवाई का अवसर प्रदान नहीं किया जाता।

(3) प्रतिभूति या अतिरिक्त प्रतिभूति, जो खण्ड (1) के अधीन व्यौहारी द्वारा दी जानी अपेक्षित हो, की राशि, के अधीन मुख्य कार्यपालक अधिकारी के प्राक्कलन के अनुसार उस वर्ष जिसमें ऐसी प्रतिभूति या अतिरिक्त प्रतिभूति, यथास्थिति, उस वर्ष देयस्थानीय निकाय कर की राशि से अधिक नहीं होगी।

(4) मुख्य कार्यपालक अधिकारी उपयुक्त और पर्याप्त कारण होने से व्यौहारी द्वारा देय स्थानीय निकाय-कर, व्याज या जुर्माने की अदायगी, उसके लिए विनिर्दिष्ट समय अवधि के भीतर न किए जाने की स्थिति में उसके द्वारा जमा की गई प्रतिभूति या अतिरिक्त प्रतिभूति, यथास्थिति, की पूरी या आंशिक राशि एक आदेश जारी कर सम्पूत कर सकता है।

परंतु व्यौहारी को सुनवाई का अवसर दिए बिना कोई भी आदेश पारित नहीं किया जाएगा।

(5) जहाँ खण्ड (4) के अधीन पारित आदेश के अनुसार किसी व्यौहारी द्वारा जमा की गई प्रतिभूति पर्याप्त नहीं है तो वह उसकी पूर्ति मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा जारी आदेश में दिए गए निदेशानुसार उस रीति तथा समय के भीतर करेगा।

(6) किसी व्यक्ति के आवेदन प्राप्त होने पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी उस व्यौहारी द्वारा इस उपविधि के अधीन जमा की गई प्रतिभूति या अतिरिक्त प्रतिभूति, यथास्थिति, की राशि या उसके अंश की प्रतिदाय का आदेश जारी कर सकता है, यदि इन उपबंधों के प्रयोजन से यह अपेक्षित नहीं है।

29. विवादित प्रश्नों का अवधारण.- (1) यदि न्यायालय, या मुख्य कार्यपालक अधिकारी के समक्ष किसी कार्यवाही में खण्ड 31 या खण्ड 32 के अधीन किसी व्यौहारी या व्यक्ति के कर अवधारण या पुनः कर अवधारण का प्रश्न उठता है, चाहे वह इस उपविधि के प्रयोजन से, छावनी सीमा के भीतर आयातित की गई किसी विशिष्ट वस्तुओं के संबंध में शोध्य स्थानीय निकाय कर, या यदि शोध्य है, तो उसकी दर के अवधारण के प्रश्न के संबंध में किसी व्यक्ति से आवेदन प्राप्त होने पर, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, एक आदेश जारी कर उसका अवधारण कर सकता है।

स्पष्टीकरण:- इस खण्ड के प्रयोजनों के लिए:-

(i) मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा उपरोक्त किसी भी उपविधि के अधीन किसी भी व्यौहारी को कोई नोटिस जारी किया गया है तो यह माना जाएगा कि मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा खण्ड 31 या खण्ड 32 के अधीन किसी व्यौहारी के विरुद्ध कर अवधारण या पुनः कर अवधारण की कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गई है।

(ii) मुख्य कार्यपालक अधिकारी यह निदेश दे सकते हैं कि यह अवधारण किसी भी व्यौहारी के, अवधारण से पूर्व, इन उपनियमों के अधीन पुणे छावनी में खपत, उपयोग या बिक्री के लिए आयातित माल के संबंध में किसी भी व्यौहारी की शोध्यता पर कोई प्रभाव नहीं डालेगी।

(iii) यदि इन उपविधि के अधीन पहले ही पारित किसी आदेश में से प्रश्न आता है तो इस उपविधि के अधीन अवधारण के लिए ऐसे किसी प्रश्न पर विचार नहीं किया जाएगा।

30. निर्यात के मामले में स्थानीय निकाय में प्रतिदाय - (1) जहाँ, जो वस्तुएं छावनी सीमाओं के भीतर आयातित की गई और उसके आयात पर स्थानीय निकाय-कर की अदायगी कर दी गई है, और उन्हें छावनी से बाहर बिक्री या ठेके अलावा निर्यात करता है या ऐसे मालको बेच देता है और बिक्री पुणे छावनी के बाहर माल के निर्यात रूप में होती है, तो के रूप में अदा की गई राशि की नब्बे प्रतिशत राशि उस व्यक्ति को प्ररूप-ड में आदेश द्वारा प्रतिदाय की जाएगी, यदि अदा करने वाला व्यौहारी निम्नलिखित शर्तों को पूरा करता है, अर्थात् :-

(क) आयात की गई वस्तुओं का विवरण संगत विवरणी में दिया गया है जिसमें यह उल्लेख किया गया हो कि वस्तुओं की आयात, निर्यात करने के लिए की गई और विवरणी प्रस्तुत की गई ;

(ख) आयात पर स्थानीय निकाय कर संबंधित विवरणी के साथ संदत्त किया गया ;

(ग) वस्तुओं का निर्यात छावनी क्षेत्र से बाहर उसके आयात की तारीख से छः मास के भीतर किया गया ;

- (घ) प्रतिदाय का दावा करने के लिए संबंधित व्यौहारी निर्यात के पश्चात् संगत विवरणी प्रस्तुत करता है ;
- (ङ) जब भी व्यक्ति को कहा जाए जो वह मुख्य कार्यपालक अधिकारी को सबूत देते हुए संतुष्ट करे कि आयातित किया गया माल उसमें कोई परिवर्तन किए बिना विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर निर्यात कर दिया गया था ;

परंतु मुख्य कार्यपालक अधिकारी किसी व्यौहारी को, वसूलने योग्य स्थानीय निकाय कर की दस प्रतिशत राशि अदा कर, उससे यह घोषणा प्राप्त कर माल की निर्यात विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर कर दी जाएगी, अनुसूची-क में निर्दिष्ट वस्तुओं को नियमित आधार पर आयात-निर्यात करने की अनुज्ञा प्रदान कर सकता है।

परंतु यह और कि कोई व्यौहारी जो एक ही कलेंडर मास में माल आयात व निर्यात करता है और उसका पर्याप्त सबूत देता है तो मुख्य कार्यपालक अधिकारी अगले कलेंडर मास में प्रतितुलन की अनुज्ञा दे सकता है।

- (2) (क) जिन मामलों में व्यौहारी या व्यक्ति ने मुख्य कार्यपालक अधिकारी की पूर्व अनुज्ञा के बिना प्रतिदाय के समायोजन के पश्चात् कर की संदाय की है, उस मामले पर नियमित अवधारण हेतु विचार किया जाएगा।
- (ख) उप-खण्ड (क) में निर्दिष्ट अवधारण के पश्चात् यदि यह पाया जाता है कि व्यौहारी या व्यक्ति ने प्रतिदाय के लिए अपनी पात्रता से अधिक दावा किया है तो अंतर राशि पर उससे पांच गुना अधिक उदग्रहीत लगाया जाएगा।
- (ग) जहां जिस मामले में व्यौहारी प्रतिदाय के लिए पात्र है और वह उसका दावा करता है तो मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्राथमिकता के आधार पर ऐसे आवेदन की प्राप्ति से एक मास के भीतर व्यौहारी का अवधारण कर दावे का निपटान करेंगे और निर्णय लेंगे।
- (घ) यदि मुख्य कार्यपालक अधिकारी ऐसे आवेदन किए जाने की तारीख से दो मास के भीतर प्रतिदाय के दावे का निपटान नहीं कर पाता है तो व्यौहारी या व्यक्ति लौटायी जाने वाली देय राशि की अदायगी की तिथि तक छह प्रतिशत की दर से ब्याज के लिए पात्र होगा।

31. स्थानीय निकाय कर का निर्धारण : (1) रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी द्वारा सम्यक देय स्थानीय निकाय-कर का अवधारण प्रत्येक अवधि के लिए अलग से किया जाएगा।

(2) यदि मुख्य कार्यपालक अधिकारी का इस बात से समाधान होता है कि रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी द्वारा किसी भी अवधि के संबंध प्रस्तुत विवरणियाँ सही और पूर्ण हैं, तो वह ऐसे विवरणियों के आधार पर उस व्यौहारी द्वारा देयकर की राशि का अवधारण करेगा।

(3) मुख्य कार्यपालक अधिकारी ऐसे रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी अवधारण कर सकता है, जो:-

- (i) किसी भी अवधि की विवरणियाँ प्रस्तुत करने में विफल रहा है, या, उस अवधि से संबंधित पिछली विवरणी प्रस्तुत करने के लिए विनिर्दिष्ट तारीख को या उसके पूर्व सभी अवधियों के संबंध में सभी विवरणियाँ प्रस्तुत कर दी हैं, यदि उसका समाधान नहीं हो कि रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी द्वारा प्रस्तुत उस अवधि की विवरणियाँ सही और पूर्ण हैं, और यदि वह उस व्यौहारी की मौजूदगी या उसके संबंध में और प्रमाण चाहता हो, या,
- (ii) उसने सभी अवधियों की सभी विवरणियाँ तथा उस अवधि की अंतिम विवरणी प्रस्तुत करने की निर्धारित तारीख से पूर्व जमा करा दी है, किंतु यदि मुख्य कार्यपालक अधिकारी इस बात से संतुष्ट नहीं है कि रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी द्वारा प्रस्तुत उस अवधि की विवरणियाँ सही और पूर्ण हैं, और यदि वह उस व्यौहारी की मौजूदगी या उसके संबंध में और सबूत चाहता हो, या,
- (iii) किसी भी अवधि के लिए विवरणी प्रस्तुत कर दी है और उसने उसके द्वारा प्रस्तुत विवरणियों के आधार पर प्रतिदाय का दावा प्रस्तुत किया है, या,
- (iv) उसके रजिस्ट्रीकरण सबूतपत्र रद्द करने के लिए आवेदन दिया है।

(4) मुख्य कार्यपालक अधिकारी किसी व्यौहारी या व्यक्ति का निर्धारण कर सकता है, जो,-

- (i) देने के लिए दायी है, किंतु रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करने में विफल रहा है या इस उपविधि के अधीन निर्धारित समय के भीतर रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करने विफल रहा है, या,
- (ii) प्ररूप-छ में आदेश जारी कर विवरणी प्रस्तुत करने के लिए निदेश दिया गया है।

(5) यदि रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी खण्ड (3) या खण्ड (4) के अधीन जारी किसी नोटिस की शर्तों का अनुपालन करने में विफल रहता है, तो मुख्य कार्यपालक अधिकारी अपने विवेक अनुसार उसके द्वारा शोध कर का अवधारण कर सकता है।

(6) इस खण्ड के पूर्ववर्ती उपबंधों के होते हुए भी, जहाँ मुख्य कार्यपालक अधिकारी किसी व्यौहारी के लेखों की सत्यता या पूर्णता से संतुष्ट नहीं है, या उस व्यक्ति द्वारा नियमित रूप से कोई लेखा पद्धति नहीं अपनायी गई है, तो मुख्य कार्यपालक अधिकारी उस व्यौहारी को सुनवाई का उपयुक्त अवसर तामील करने के पश्चात् अपने विवेक से उसके द्वारा देय कर स्थनीय निकाय-कर, यदि कोई हो, का निर्धारण कर सकता है।

(7) खण्ड (3), खण्ड (4), खण्ड (5) और खण्ड (6) के प्रयोजन के लिए मुख्य कार्यपालक अधिकारी जिस अवधि के अवधारण से संबंधित है, उस वर्ष के अंत से पाँच वर्ष के भीतर उस व्यौहारी को प्रारूप-ज में एक नोटिस जारी कर मूल्यांकन के लिए कार्रवाई प्रारम्भ कर सकता है और एक तारीख निश्चित करेगा जो कि नोटिस तामील करने की तारीख से पंद्रह दिन से कम नहीं होगी।

(8) इस उपविधि के अधीन किया कोई भी निर्धारण, अधिनियम के अधीन अपराध के लिए कोई भी जुर्माना या ब्याज या अभियोजन प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना होगा।

(9) अवधारण का आदेश प्रारूप- झ के अनुसार होगा।

(10) उपविधि 44 के अधीन किसी भी अवधि के लिए लगाए गए जुर्माने या ब्याज या दोनों के आदेश से या समपहत के आदेश से इस उपविधि के अधीन किसी भी अवधि के लिए निर्धारण के आदेश में समाविष्ट किया जा सकता है।

(11) प्रारूप-ज में मांग के नोटिस के साथ अवधारण की एक सत्यापित प्रति कर-निर्धारिती को निःशुल्क तामील की जाएगी।

(12) मुख्य कार्यपालक अधिकारी करदाता द्वारा आवेदन किए जाने पर एक प्रति के लिए रु. पच्चीस की अदायगी करने पर निर्धारण आदेश की अतिरिक्त प्रति या प्रतियां उपलब्ध कराएंगे।

(13) किसी व्यौहारी के संबंध में निर्धारण करने के लिए सभी संगत कागज-पत्र को इकट्ठा रखा जाएगा और अवधारण मामला अभिलेख तैयार किया जाएगा।

(14) निर्धारण मामला रिकार्डों को जिस अवधि से निर्धारण संबंधित है, से अगले 5 वर्ष तक या उपरोक्त अवधि से संबंधित अधिनियम के अधीन कार्रवाई पूर्ण होने से अगले तीन वर्ष तक, जो भी बाद में हो, सुरक्षित रखा जाएगा।

परंतु इस उपविधि 27 के खंड 1 के अधीन विवरणी भरने की अंतिम तारीख से एक वर्ष के अन्दर यदि किसी व्यौहारी निर्धारण नोटिस नहीं मिला है तो इस स्थिति में उस व्यौहारी का कोई भी निर्धारण मामला अभिलेख संरक्षित नहीं रखा जाएगा।

31. पुर्निनिर्धारण :- (1) यदि विधि 31 के अधीन किसी व्यौहारी का किसी भी अवधि या उसके किसी भाग के मूल्यांकन के पश्चात् यह पता चलता है कि छावनी में आयातित किन्हीं वस्तुओं पर देयकर का मूल्यांकन छूट गया है और मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पास उस संबंध में अभिलेख में दस्तावेजी सबूत या यदि मूल्यांकन कम दर से किया गया या गलती से कोई कटौती की गई या किसी दावे पर गलती से प्रतिदाय की मंजूरी तामील की गई, तो मुख्य कार्यकारी अधिकारी ऐसे मूल्यांकन आदेश के जारी करने से तीन वर्ष के भीतर कभी भी लिखित रूप में कारण अभिलेख करते हुए, प्रारूप-ठ में एक नोटिस जारी कर ऐसे व्यौहारी या व्यक्ति द्वारा देयकर की राशि का मूल्यांकन या पुनर्मूल्यांकन करने के लिए कार्यवाही प्रारम्भ कर सकता है।

परंतु, कर की राशि का उसी दर से अवधारण किया जाएगा जैसाकि उस समय किया जाता यदि उस समय कम मूल्यांकन या छूटने के समय किया जाता। किंतु कटौती, कोई हो, करने के पश्चात्, इन उपविधियों के द्वारा या अधीन समय-समय पर कर संदाय की अनुज्ञा तामील की जाएगी।

(2) खंड (1) में कुछ होते हुए भी इस उपविधि 46 के अधीन जारी किए गए किसी भी नोटिस सहित कोई भी कार्यवाही नहीं होगा।

(3) उपविधि 47 में कुछ होते हुए भी इस उपविधि के अधीन कार्यवाहियों पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं होगा।

33. **त्रुटियों का सुधार.-** (1) मुख्य कार्यपालक अधिकारी उसके द्वारा पारित किसी भी आदेश को दो वर्ष के भीतर किसी भी समय अपने ही प्रस्ताव पर यदि गलती प्रकट होती है, तो उसमें सुधार करेगा और उसी प्रकार ऐसे आदेश से प्रभावित किसी व्यक्ति द्वारा कोई गलती ध्यान में लाई जाती है तो उसी अवधि के भीतर उसमें सुधार करेगा।

परंतु, यदि इससे स्थानीय निकाय कर की राशि कभी प्रभावित हो तो ऐसे व्यक्ति को, उसके ऐसा करने के उद्देश्य से तथा ऐसे व्यक्ति को मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा प्रारूप-थ में नोटिस दिए बिना तथा सुनवाई के लिए उपयुक्त अवसर दिए बिना ऐसा कोई परिशोधन नहीं किया जाएगा।

(2) जहाँ ऐसा सुधार करने से यदि स्थानीय निकाय कर की राशि में कमी या जुर्माना या ब्याज या समपहत की राशि में कमी होती है तो मुख्य कार्यकारी अधिकारी उस व्यक्ति को शोध्य राशि प्रतिदाय करेगा।

(3) जहाँ ऐसा सुधार करने से यदि स्थानीय निकाय कर की राशि में कमी या जुर्माना /या ब्याज /या समपहत की राशि में वृद्धि होती है /या प्रतिदाय की जाने वाली राशि में कमी होती है, और यदि उपरोक्त कोई भी राशि नोटिस में विनिर्दिष्ट तारीख को या संदाय के लिए बढ़ाई गई तारीख को अदा नहीं की जाती है तो उसे सम्पत्ति कर के शोध्य के रूप में वसूल किया जाएगा।

34. **अपील.—** यदि कोई करदाता इन उप-विधियों के स्थानीय निकायों कर की राशि में कमी या जुर्माना द्वारा जारी मांग सूचना या मूल्यांकन या प्रतिदाय की अस्वीकृति के संबंध में दिए गए निर्णय से असंतुष्ट है तो वह अधिनियम की धारा 93 के अंतर्गत जिला न्यायालय अपील कर सकता है।

35. **स्थानीय निकाय-कर का पूर्णांकन.-** स्थानीय निकाय-कर, जुर्माना, ब्याज, समिश्रित राशि, समपहत राशि, दण्ड या अन्य कोई शोध्य राशि और इन उप-विधियों के उपबंधों के अधीन शोध्य प्रतिदाय योग्य राशि को निकटतम रूप में पूर्णांकित किया जाएगा, और इस प्रयोजन के लिए जहाँ ऐसी राशि में पैसे हैं तो यदि ऐसा भाग पचास पैसे या अधिक है, तो उसे आगे एक रु. तक बढ़ा दिया जाएगा और यदि ऐसा भाग पचास पैसे से कम है तो उसे उपेक्षा कर दिया जाएगा।

36. **स्थानीय निकाय-कर की संदाय.-** (1) प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी, गैर-रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी या व्यक्ति या व्यौहारी से अन्य कोई व्यक्ति संदाय के लिए दायी है, और यदि स्थानीय निकाय कर की राशि में कमी या जुर्माना द्वारा उपविधि के अधीन लगाया गया कर या जुर्माना या ब्याज या समपहत राशि या दण्ड की राशि, यदि कोई हो, तो मुख्य कार्यपालक अधिकारी को स्थानीय निकाय कर, दण्ड, ब्याज, समपहत राशि या जुर्माना-

(क) विवरणी के अनुसार बकाया और देय राशि की अदायगी जिस मास से वह संबंधित है, उससे अगले मास की 20 तारीख को या उससे पहले।

(ख) उस प्रकार, उस तारीखों तक और ऐसे अंतरालों पर या ऐसे अवसरों पर और ऐसे प्राधिकारियों को जैसा भी मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा निदेश दिया जाए और ऐसे विभिन्न तरीकों, तारीखों, अंतरालों, अवसरों और प्राधिकारियों को जैसा भी मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा आदेश पारित कर विभिन्न वर्गों के व्यावहारियों और व्यक्तियों के लिए विनिर्दिष्ट किया जा सकता है।

(2) खण्ड (1) के उप-खण्ड (क) में किसी भी बात के होते हुए भी, किंतु इन उपविधियों के उपबंधों की शर्त पर प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी को विवरणी और उपविधि 27 के उपबंधों के अधीन प्रारूप-ड में वार्षिक विवरणी प्रस्तुत की जानी अपेक्षित है, उसे देय की अदायगी, उस मास जिससे वह अदायगी संबंधित है, से अगले मास की 20 तारीख तक या उससे पहले, करनी होगी।

परंतु मुख्य कार्यपालक अधिकारी स्थानीय निकाय कर की देय तारीख को, उसकी उदग्रहण के पहले महीने की तारीख से एक महीने के लिए बढ़ा सकता है।

(3) मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा अदायगी के लिए पारित आदेश में उल्लिखित तारीख के पश्चात यदि कोई स्थानीय निकाय-कर, जुर्माना, ब्याज, समपहत राशि, दण्ड की अदायगी नहीं की जाती है तो उसकी वसूली प्रारूप-ड में नोटिस देकर, सम्पत्ति कर के बकाया के रूप में की जाएगी।

37. वसूली की कुछ कार्यवाहियों को जारी रखना.- जहाँ स्थानीय निकाय कर, जुर्माना, ब्याज, समपहत राशि या दण्ड (एतद्-जिसे इसमें इसके पश्चात उपविधि के रूप में "बोर्ड बकाया" कहा गया है) के संबंध में किसी व्यौहारी या दायी व्यक्ति को माँग नोटिस जारी किया गया है और कोई अपील या अन्य कार्यवाही दायर की गई है या छावनी बोर्ड के ऐसे बकाया के लिए स्वीकृत की गई है तो:-

- (क) जहाँ ऐसी अपील या कार्यवाही में बोर्ड के बकायों में वृद्धि की गई है, तो मुख्य कार्यपालक अधिकारी केवल उस राशि, जिसके द्वारा बोर्ड के शोध्य में वृद्धि की गई है, के संबंध में ऐसे व्यौहारी या व्यक्ति को पुनः एक नोटिस जारी करेगा;
- (ख) जहाँ ऐसी अपील या कार्यवाही में बोर्ड के बकायों में कटौती की गई है, तो मुख्य कार्यपालक अधिकारी ऐसी कटौती के संबंध में तथ्यों से उसे सूचित करेगा;
- (ग) जहाँ ऐसी अपील या कार्यवाही में बोर्ड के बकायों में कटौती की गई है, और व्यौहारी या व्यक्ति उसकी प्रतिदाय के लिए पात्र है तो ऐसी प्रतिदाय उप-विधि 40 के उपबंधों के अनुसार की जाएगी।

38. वसूली का विशेष ढंग. - (1) वर्तमान समय में प्रचलित कोई भी विधि या प्रतिकूल संविदा में किसी भी बात के होते हुए भी, मुख्य कार्यपालक अधिकारी किसी भी समय या, समय समय पर लिखित में आदेश जारी कर सकता है जिसकी एक प्रति व्यौहारी या कर की अदायगी के लिए दायी व्यक्ति को, मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पास उपलब्ध उसके अंतिम पते पर प्रेषित की जाएगी, इसके लिए यह अपेक्षित है कि:-

- (क) इन उपविधियों के अधीन किसी भी व्यक्ति से कोई भी राशि शोध्य है, या शोध्य हो सकती है, या शोध्य हो गया है और उसकी संदत्त नहीं की गई, या ;

- (ख) कोई भी ऐसा व्यक्ति, जो मुख्य कार्यपालक अधिकारी को संदाय हेतु ऐसे व्यौहारी या व्यक्ति के लिए या उसकी हैसियत से, राशि को धारण करता है या तदनंतर धारण कर सकता है, या एतद्पश्चात नोटिस में निर्धारित समय-सीमा के भीतर या उस समय, या पास होने पर या शोध्य होने के पश्चात् (किंतु जब तक राशि शोध्य नहीं हो जाती या पूर्वोक्त के अनुसार) ऐसे व्यौहारी या व्यक्ति द्वारा शोध्य स्थानीय निकाय कर, जुर्माना, ब्याज, समपहण राशि, दण्ड की राशि अदा करने के लिए पर्याप्त है, जब वह उस राशि से कम या बराबर हो जाती है।

स्पष्टीकरण:- इस उपविधि के प्रयोजन के लिए, किसी व्यक्ति या व्यौहारी की शोध्य राशि, या किसी भी व्यक्ति द्वारा उसकी राशिको धारण किया जा रहा है, की गणना उन दावों, यदि कोई हो, जो कि विधिपूर्ण उस व्यक्ति से अदायगी हेतु बकाया हो गए हैं, को काटकर की जाएगी।

(2) मुख्य कार्यपालक अधिकारी किसी भी समय या समय-समय पर ऐसे किसी भी नोटिस को संशोधित या खण्डित कर सकता है या नोटिस के अनुसरण में किसी भी संदाय की समय-अवधि बढ़ा सकता है।

(3) इस उप-विधि के अधीन नोटिस के अनुसरण में कोई भी व्यक्ति कोई भी संदाय करता है तो ऐसा माना जाएगा कि उसने उस व्यक्ति के प्राधिकार के अधीन संदाय कर दी है और मुख्य कार्यपालक अधिकारी की रसीद उपरोक्त निर्दिष्ट प्रथम व्यक्ति की शोध्यता, रसीद में निर्दिष्ट राशि की सीमा तक, अदा की गई मानी जाएगी।

(4) इस उप-विधि में निर्दिष्ट नोटिस प्राप्त होने के पश्चात् कोई भी व्यौहारी व्यक्ति या किसी व्यौहारी की देयता का कार्यभार निर्वहन कर रहा है तो वह देयता की सीमा तक या ऐसी राशि के संबंध में उस व्यक्ति या व्यौहारी की देयता की सीमा तक, जो भी कम हो, मुख्य कार्यपालक अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होगा।

(5) जहाँ, एक व्यक्ति, जिसे इस उप-विधि के अधीन नोटिस भेजा गया है, यदि मुख्य कार्यपालक अधिकारी समाधान करते हुए यह प्रमाणित कर देता है कि मांगी गई राशि या उसका कोई भाग, उस व्यक्ति पर बकाया नहीं है, तो इस उप-विधि के अधीन किसी भी बात के होते हुए भी वह व्यक्ति ऐसी किसी भी राशि या उसके के किसी भाग को मुख्य कार्यपालक अधिकारी को अदा करने के लिए दाय नहीं समझा जाएगा।

(6) यदि कोई धन की रकम किसी व्यक्ति द्वारा मुख्य कार्यपालक अधिकारी को दायी की जानी अपेक्षित है, या इस उप-विधि के अधीन वह व्यक्तिगत रूप से मुख्य कार्यपालक अधिकारी को संदाय करने के लिए दायी है और वह राशि संदत्त नहीं की जाती है तो उस राशि की वसूली सम्पत्ति कर के बकाया के रूप में की जाएगी।

39. **राजस्व बचाने के लिए अनंतिम कुर्की.-** (1) यदि किसी भी पुनरीक्षण की कार्यवाही या किसी स्थानीय निकाय कर की वसूली के परिशोधन या इन उप-विधियों के अधीन किसी भी व्यक्ति या व्यौहारी के व्यवसाय के संबंध में किसी भी निरीक्षण या जाँच के दौरान मुख्य कार्यपालक अधिकारी की राय है कि राजस्व को बचाने के लिए ऐसा करना आवश्यक है तो वह वर्तमान समय में लागू किसी भी विधि में किसी भी बात के होते हुए या किसी भी संविदा के विपरीत उस व्यक्ति को सुनवाई का उपयुक्त अवसर तामील करने के पश्चात् लिखित में नोटिस जारी कर उस व्यक्ति की किसी भी सम्पत्ति की अस्थायी तौर पर कुर्की कर सकता है जिसके संबंध में कोई कार्यवाही विचाराधीन है या जिसके व्यवसाय का निरीक्षण या छानबीन की गई है और उसी प्रकार लिखित में नोटिस जारी कर, किसी भी शोध्य धन या जो उस व्यक्ति से शोध्य हो सकता है या किसी अन्य व्यक्ति से उसे शोध्य हो सकता है या ऐसे व्यक्ति या व्यौहारी के लिए कोई अन्य व्यक्ति धन रखे हुए है या तदनंतर रख सकता है, की अस्थायी तौर पर कुर्की कर सकता है।

(2) प्रत्येक ऐसी अस्थायी कुर्की खण्ड (1) के अधीन जारी नोटिस की तारीख से छह मास की अवधि की समाप्ति के पश्चात् प्रभावी नहीं रहेगी:-

परंतु, मुख्य कार्यपालक अधिकारी उपरोक्त अवधि को, जैसा भी ठीक समझे, बढ़ा सकता है, जिसके कारण उसे लिखित में अभिलिखित करने होंगे, किंतु फिर भी यह बढ़ाई गई कुल अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होगी।

(3) मुख्य कार्यपालक अधिकारी किसी भी समय या समय-समय पर ऐसे किसी भी नोटिस को संशोधित या प्रतिसंहरण कर सकता है। किंतु खण्ड (2) में विनिर्दिष्ट निर्धारित अवधि के लिए, जैसा कि उपरोक्तनुसार, कोई भी संशोधित नोटिस, नया नोटिस नहीं माना जाएगा।

(4) इस उप-विधि के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा या किसी अन्य अधिकारी जो उप-मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पद से पंक्ति पद का न हो, द्वारा, मुख्य कार्यपालक अधिकारी की पूर्व मंजूरी से किया जाएगा।

40. **अधिक प्रतिदाय स्थानीय निकाय कर प्रतिदाय.-** उप-विधि 36 के उपबंधों के अधीन मुख्य कार्यपालक अधिकारी **प्रारूप-ड** में आदेश द्वारा किसी व्यौहारी या व्यक्ति द्वारा शोध्य कर की राशि, जुर्माना या ब्याज, यदि कोई हो, अधिक संदाय किए जाने पर, अधिक संदाय की गई राशि को नकद वापस करेगा। यदि वापसी नकद में या व्यौहारी या व्यक्ति द्वारा दिए गए विकल्प के अनुसार किसी भी अन्य अवधि के शोध्य स्थानीय निकाय कर, जुर्माना या ब्याज की कटौती करने के पश्चात् की जा सकती है।

परंतु, मुख्य कार्यपालक अधिकारी ऐसी अधिक राशि का उपयोग, ऐसे व्यौहारी या व्यक्ति से किसी भी शोध्य स्थानीय निकाय कर, जुर्माना या ब्याज, जिसकी उसके सम्यक द्वारा संदाय नहीं की गई हो, की वसूली करने के पश्चात् शेष राशि, यदि कोई हो, की प्रतिदाय करेगा।

41. **कतिपय मामलों में प्रतिदाय को रोक कर रखने की शक्ति.-** (1) जहाँ प्रतिदाय का कोई आदेश अपील का अध्यक्षीन हो या जहाँ इन उप-विधियों के अधीन कोई अन्य कार्यवाही विचाराधीन है और ऐसी प्रतिदाय की स्वीकृति देने वाला सक्षम प्राधिकारी की यह राय है कि

प्रतिदाय की स्वाकृति देने से राजस्व पर कोई प्रतिकूल प्रभाव है तो ऐसा प्राधिकारी मुख्य कार्यपालक अधिकारी की पूर्व अनुज्ञा लेकर, प्रतिदाय की जाने वाली राशि को उस समय तक रोककर रख सकता है, जैसाकि मुख्य कार्यपालक अधिकारी अवधारित करे।

परंतु, मुख्य कार्यपालक अधिकारी केवल प्रतिदाय को रोक कर रखने के लिए उनकी अनुज्ञा नहीं देंगे, यदि यह राय है कि ऐसे अपील पर निर्णय लेने पर, आगे की कार्यवाही या अन्य कार्यवाहियों में, यदि यह आवश्यक हो जाता है कि आंशिक रूप में या पूर्ण रूप में प्रतिदाय की राशि वसूल करनी है, तो यह अन्यथा साध्य नहीं हो सकता या युक्तियुक्त समय-अवधि में ऐसा करना संभव नहीं हो सकता।

परंतु, यह और कि उक्त प्रतिदाय के आदेश की तारीख से नब्बे दिनों की समाप्ति के पश्चात कोई आदेश विधायित नहीं होगा।

(2) जहाँ उप-खण्ड (1) के अधीन प्रतिदाय के विधायित के अधीन है, मुख्य कार्यपालक अधिकारी 12 प्रति शत की दर से सीधा ब्याज संदाय किया जाएगा प्रतिदाय की तारीख के उपखण्ड (1) में निर्दिष्ट आदेश के तामील से नब्बे दिन की समाप्ति की तुरंत वापसी की तारीख तक प्रतिदाय की तारीख व्यक्ति को अंततः वापसी की देय राशि पर 12 प्रतिशत की दर से ब्याज पर संदाय किया जाएगा।

42. स्थानीय निकाय कर का भुगतान न करने के बदले में सम्मिलित राशि की संदाय:- मुख्य कार्यपालक अधिकारी ऐसी परिस्थितियों और ऐसी शर्तों, जैसा कि उसके द्वारा अवधारित की जाए, पर किसी भी व्यौहारी या व्यक्ति को इन उप-विधियों के उपबंधों के अधीन उसके द्वारा किसी भी अवधि की शोध्य राशि के एवज में सम्मिश्रण द्वारा निधारित की गई राशि को, जो कि राशि से दस गुणा से अधिक नहीं, किंतु चार गुणा से कम न हो, एकमुश्त में अदा करने की अनुज्ञा तामील कर सकता है।

43. दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए नोटिस, आदि:- मुख्य कार्यपालक अधिकारी किसी भी व्यौहारी या व्यक्ति को प्ररूप-ण में नोटिस जारी कर सकता है:-

- (1) (क) आवश्यकता के अनुसार, माल के स्टॉक या आयात से संबंधित, खरीद, बिक्री तथा माल का वितरण या उसके व्यापार से संबंधित कोई अन्य सूचना की जानकारी देने के लिए उसके सामने कोई भी लेख या दस्तावेज या कोई सूचना प्रस्तुत करने पर,
- (ख) छावनी में आयातित माल के तथा उसे किसी व्यौहारी या व्यक्ति को बेचने संबंधित ऐसी सूचना और दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए।
- (ग) किसी भी व्यौहारी द्वारा वितरित माल, बिक्री, खरीद, आयात या माल के स्टॉक संबंधित सभी दस्तावेज, रजिस्टर तथा लेखों को प्रस्तुत करना तथा रोकड़ में खरीदा सभी माल, किसी भी व्यौहारी द्वारा किसी जगह रखा हो, वह मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा निरीक्षण के लिए कभी भी यथोचित समय पर खुलारखा जाएगा तथा मुख्य कार्यपालक अधिकारी उक्त लेखों, रजिस्ट्रों, या दस्तावेजों और ऐसे सामान एवं नकदी की सूची की प्रतियों या उद्धरण ले सकता है या लेने के लिए कारण हो सकता है, जैसा उन्हें आवश्यक लगे।

(2) अधिनियम की धारा 103 के उपबंधों की अधीन यदि मुख्य कार्यपालक अधिकारी को यह विश्वास हो जाता है कि कोई व्यौहारी या व्यक्ति, उससे शोध्य स्थानीय निकाय कर की संदाय से बच रहा है या बचने का प्रयास कर रहा है तो वह उसकी तगम संपत्तियों को ज़ब्त कर सकता है।

परंतु मुख्य कार्यपालक अधिकारी किसी भी व्यौहारी के किन्हीं भी रजिस्टर या कागजातों या वस्तुओं को प्रतिबंध करते हैं तो वे उन्हें ऐसा करने के लिए भी इसका कारण अभिलेख करते हुए इक्कीस दिन से अधिक समय तक अपने पास नहीं रखेंगे।

(3) खंड (1) के उप-खंड (ग) या खंड (2) के प्रयोजनों के लिए मुख्य कार्यपालक अधिकारी, या मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा सम्यक प्राधिकृत बोर्ड का कोई अन्य पदधारी को यह विश्वास हो जाता है कि कोई व्यौहारी या व्यक्ति कुछ समय के लिए उसके व्यवसाय या क्रियाकलाप के कागजात या उसके व्यवसाय से संबंधित यथास्थिति वस्तुओं के स्टॉक, में परिवर्तन कर सकता है।

(4) जब किसी छानबीन या निरीक्षण प्रक्रिया के दौरान किसी व्यक्ति के नियंत्रण या कब्जे में लेख-बहियां, अन्य दस्तावेज, धन या वस्तुएं मिली हों तो जब तक कि विपरीत साबित नहीं होता, यह माना जाएगा कि ऐसी लेखा-बहियां, अन्य दस्तावेज, धन या वस्तुएं उस व्यक्ति के ही होंगे।

44. कतिपय मामलों में जुर्माना और ब्याज अधिरोपित करना.- (1) यदि कोई व्यौहारी विफल हो जाता है तो:-

- (क) खरीददार को बिल, बीजक या रोकड़ मेमो, जो क्रमानुसार अंकित हो, उसके या उसके कर्मचारी, प्रबंधक, या अभिकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित एवम् तारीख सहित उसमें वर्णन के अनुसार ऐसे अन्य विवरण जैसे कि इन उप-विधियों के अंतर्गत अपेक्षित हैं।
- (ख) ऐसे बिल या रोकड़ मेमों की सम्यक अंकित, हस्ताक्षरित और तारीख सहित दूसरी प्रति या प्रतिपत्रक (काउन्टर फॉइल) रखे और उसे बिक्री तारीख से कम से कम पाँच वर्ष की अवधि के लिए सुरक्षित रखें, तो-

मुख्य कार्यपालक अधिकारी, विक्रेता व्यापारी को सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर प्रदान करने के पश्चात्, उस पर जुर्माने के रूप में उतनी राशि, जो कि विक्रेता द्वारा बेचने और छावनी में उपयोग, उपभोग या बेचने के लिए आयातित करने पर उसके द्वारा देय होती है, के समान राशि से ज्यादा अधिरोपित नहीं की जाएगी।

(2) यदि इन उप-विधियों के किन्हीं भी उपबंधों के अंतर्गत किसी व्यौहारी से स्थानीय निकाय कर की बकाया राशि का मूल्यांकन या पुनर्मूल्यांकन करते समय या किसी भी अपील या परिशोधन या सुधार कार्यवाहियों में आदेश पारित करते समय, मुख्य कार्यपालक अधिकारी को यह प्रतीत होता है कि वह व्यक्ति:-

- (क) आवश्यकतानुसार रजिस्ट्रीकरण का आवेदन करने में विफल रहा है और उप-विधियों के उपबंधों का उल्लंघन करते हुए बिना रजिस्ट्रीकरण के व्यवसाय किया; या
- (ख) मूल्यांकन, पुनर्मूल्यांकन, लेखों तथा दस्तावेजों को प्रस्तुत करने और जाँच करवाने और संशोधन के संबंध में किसी भी कार्यवाहियों के संबंध में, किसी भी नोटिस का पालन करने में विफल रहा; या
- (ग) छावनी में उपयोग या बिक्री के माल जिस पर स्थानीय निकाय कर लगाने योग्य होता है, की कोई प्रविष्टि को प्रकट नहीं कर सका, या अदायगी की उपयुक्त देयता को विवरणी में दिखाने के लिए विफल रहता है या गलत कटौती, वापसी का दावा किया या देय स्थानीय निकाय कर की ठीक और सही मात्रा की गणना करने के लिए आवश्यक सभी भौतिक तथ्यों को पूर्णतः और सत्य रूप से प्रकट करने में विफल रहा है, तो मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उस व्यौहारी को सुनवाई का उपयुक्त अवसर प्रदान करने के पश्चात्, मूल्यांकित या पुनर्मूल्यांकित या अपील या परिशोधन या सुधार कार्यवाहियों, जैसा भी मामला हो, में बकाया पाए जाने पर, बकाया राशि के अतिरिक्त उस डीलर पर जुर्माना लगा सकता है -

(i) उप-खण्ड (क) के अंतर्गत आने वाले मामले में, उपविधियों के उपबंधों का उल्लंघन करते हुए बिना रजिस्ट्रीकृत कराए, जिस अवधि के दौरान उस व्यक्ति द्वारा कारबार किया उसके लिए देय की राशि से पाँच गुना से अधिक नहीं होगा।

(ii) उप-खण्ड (ख) के अधीन आने वाले मामले में, राशि पाँच हजार रुपए से अधिक नहीं होगी।

(iii) उप-खण्ड (ग) के अंतर्गत आने वाले मामले में, उपरोक्त खण्ड के अंतर्गत पाए गए देय की राशि से दो गुना से अधिक नहीं होगी।

(3) (क) यदि एक व्यौहारी या व्यक्ति इन उपविधियों द्वारा या के अंतर्गत निर्धारित समय सीमा के भीतर संदाय नहीं करता है, तो देय की वसूली के लिए इन उपविधियों के उपबंधों के अंतर्गत किसी भी अन्य की गई कार्यवाही या प्रस्तावित कार्यवाही के पूर्वाग्रह के बिना स्थानीय निकाय कर की राशि के अतिरिक्त साधारण ब्याज की अदायगी के लिए जिम्मेदार होगा, जो राशि इस प्रकार बराबर होगी:-

- (i) ऐसे स्थानीय निकाय कर जिसकी अदायगी अंतिम तारीख तक कर दी जानी चाहिए थी, उसकी दो प्रतिशत प्रतिमासकी दर से,

(ख) यदि अधिनियम या इन उप-विधियों के उपबंधों के अंतर्गत पारित मूल्यांकन आदेश के परिणामस्वरूप यदि कोई भी स्थानीय निकाय कर, के अतिरिक्त खण्ड (क) के अंतर्गत किसी भी अवधि के लिए ब्याज लगाया जाने योग्य है, पर किसी डीलर या व्यक्ति से बकाया पाया जाता है तो, वह व्यौहारी या व्यक्ति, साधारण ब्याज की दर से – ऐसे कर की राशि के दो प्रतिशतकी राशि के बराबर की राशि प्रत्येक मास, उस तिथि से जब उस व्यक्ति का मूल्यांकन किया गया, से ऐसे मूल्यांकन आदेश की तारीख तक देने के लिए जिम्मेदायी होगा। यदि उप-विधियों के उपबंधों के अंतर्गत कोई आदेश पारित किए जाने के फलस्वरूप बकाया राशि बढ़ाई या घटाई गई है, जैसा भी मामला हो, तो ब्याज की राशि तदनुसार बढ़ाई या घटाई जाएगी -

बशर्ते कि इस खण्ड के अंतर्गत देय ब्याज की कुल राशि, जिस पर इस उप-खण्ड के अंतर्गत स्थानीय निकाय कर की कि कुल राशि पर लगाए गए ब्याज, से अधिक नहीं होगी।

स्पष्टीकरण.- इस खण्ड के प्रयोजन के लिए, मास के किसी भाग को एक पूर्ण मास गिना जाएगा।

(4) जहाँ कोई व्यक्ति जान-बूझकर एक बिल, रोकड़ मेमो, वाऊचर, घोषणा प्रमाणपत्र या अन्य कोई कागजात जारी करता है, या प्रस्तुत करता है जो कि सत्य नहीं है, जिस कारण से कोई माल छावनी में उपभोग, उपयोग बिक्री के लिए आयातित होता है, जिस पर स्थानीय निकाय कर देय नहीं होता या घटी दर से देय होता है, तो मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उस व्यक्ति को सुने जाने का युक्तियुक्त अवसर प्रदान करने के पश्चात्, लिखित में आदेश जारी कर उसके द्वारा देय के अतिरिक्त निम्नानुसार जुर्माना लगा सकता है:-

(क) ऐसे जारी या प्रस्तुत करने के प्रथम अवसर के मामले में लगाया जाने वाला शास्ति उन वस्तुओं पर देय कर की राशि की बराबर की राशि से अधिक नहीं होगा और

(ख) दूसरे तथा उसके बाद के अवसरों पर शास्ति की राशि उन वस्तुओं पर देय स्थानीय निकाय कर की राशि से दो गुना से अधिक नहीं होगी।

(5) जहाँ व्यौहारी या व्यक्ति इन उपविधियों के उपबंधों के अंतर्गत छावनी में उपभोग, प्रयोग या बिक्री के लिए आयातित किन्हीं वस्तुओं पर देय नहीं है या घटी दर से देय है के आशय की घोषणा या प्रमाणपत्र जारी करता है और जहाँ ऐसे व्यौहारी को यह पता है या मानने का कारण है कि ऐसी घोषणा प्रमाणपत्र मिथ्या था, और ऐसा व्यक्ति ऐसी घोषणा या प्रमाणपत्र के पठन या शर्तों का पालन करने में विफल रहता है या उनका उल्लंघन करता है, तो मुख्य कार्यपालक अधिकारी उस व्यक्ति को सुने जाने का उपयुक्त अवसर प्रदान करने के पश्चात् उसे शास्ति के रूप में राशि अदा करने के लिए निदेश दे सकता है और यह राशि स्थानीय निकाय कर, जोकि मुख्य कार्यपालक अधिकारी की राय में उन वस्तुओं पर देय होता मानो वह घोषणा या प्रमाणपत्र प्रस्तुत न किए गए होते, की राशि से दो गुना से अधिक नहीं होगी।

(6) यदि कोई व्यौहारी या व्यक्ति बिना पर्याप्त कारण के किसी भी अवधि की विवरणी निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रस्तुत करने में विफल रहता है तो, मुख्य कार्यपालक अधिकारी उस व्यौहारी या व्यक्ति को सुने जाने का उपयुक्त अवसर प्रदान करने के पश्चात् उस पर शास्ति कम से कम पांच हजार रुपए लगा सकता है और खण्ड (2) के उप-खण्ड (ग) के अंतर्गत लगाए जाने योग्य शास्तिपर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालेगा।

परंतु मुख्य कार्यपालक अधिकारी समय-समय पर या आदेश द्वारा यह विनिर्दिष्ट कर सकता है कि यह उप-खण्ड ऐसे व्यौहारी या व्यौहारियों के वर्ग पर लागू नहीं होगा।

(7) यदि कोई व्यौहारी खण्ड (1) के उपबंधों का उल्लंघन करता है तो, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उस व्यौहारी को सुने जाने का उपयुक्त अवसर प्रदान करने के पश्चात् उसे जुर्माना संदाय करने का निदेश दे सकता है और यह जुर्माना राशि जिस सौदे के लिए यह उल्लंघन हुआ है के संबंध में ऐसे बिल या नकद मेमो जारी किए जाने चाहिए थे, की राशि या सौ रूपए, दोनों में से जो अधिक हो, होगी।

(8) यदि कोई व्यौहारी, इस उपविधि के उपबंधों के अंतर्गत की संदाय करने के लिए जिम्मेदार है या जिसे मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा नोटिस तामील कर अदायगी करने के लिए कहा गया, निर्धारित ढंग से लेखे रखने में विफल रहता है या जो दिए गए निदेशानुसार कोई लेखे या अभिलेख रखने में विफल रहता है तो वह किसी भी स्थानीय निकाय कर, जिसे अदा करने के लिए वह दायी है, के अतिरिक्त जुर्माने की राशि पाँच हजार रुपये या स्थानीय निकाय कर, जो उल्लंघन न होने की स्थिति में देय होता, से दो गुनी राशि, जो भी अधिक हो, की अदायगी करने के जिम्मेदार होगा।

45. कतिपय उपबंधों का उल्लंघन करने पर लगने वाला शास्ति :- (1) यदि कोई व्यौहारी इन उपविधियों के उपबंधों के अंतर्गत देय कर राशि से अधिक स्थानीय निकाय कर वसूल करता है या अनुसूची-‘ख’ में विनिर्दिष्ट वस्तुओं के संबंध में वसूल करता है तो, उसके द्वारा देय कर की राशि, यदि कोई हो, तो दो हजार रुपये की राशि या स्थानीय निकाय कर के रूप में वसूल की गई राशि से दो गुनी राशि, जो भी कम हो, प्रतिसंहरण की जाएगी।

(2) जब प्रतिसंहरण के लिए आदेश जारी किया जाता है तो मुख्य कार्यपालक अधिकारी संबंधित व्यक्तियों की नोटिस के लिए उनका विवरण, जैसा भी मुख्य कार्यपालक अधिकारी उचित समझे, निर्णय प्रकाशित करेंगे।

(3) यदि मुख्य कार्यपालक अधिकारी इन उपविधियों के उपबंधों के अधीन या अन्यथा किसी भी कार्यवाही के दौरान उसे यह विश्वास हो जाता है कि कोई व्यौहारी खण्ड (1) के अंतर्गत किसी भी राशि के जुर्माने या प्रतिसंहरण या दोनों के लिए जिम्मेदार हो गया है, तो वह प्ररूप-त में उस व्यक्ति को नोटिस तामील कर, उसे नोटिस में विनिर्दिष्ट तारीख व स्थान पर उपस्थित होने तथा कारण बताओ कि खण्ड (1) में उपबंधित शास्ति उस पर क्यों न लगाया जाए, के लिए बुलाएगा।

(4) उसके बाद मुख्य कार्यपालक अधिकारी जाँच प्रारम्भ करेगा और ऐसा आदेश देगा जैसा भी वह ठीक समझे।

46. आँकड़े एकत्रित करने का अधिकार :- (1) यदि मुख्य कार्यपालक अधिकारी यह समझता है कि इन उपविधियों के बेहतर प्रयोजन के लिए ऐसा करना आवश्यक है तो वह इन उपविधियों के अधीन किसी भी मामले में की जा रही कार्यवाही के संबंध में आँकड़े एकत्रित करने का निदेश दे सकता है।

(2) मुख्य कार्यपालक अधिकारी संबंधित व्यक्तियों की नोटिस हेतु किसी भी समाचार पत्र या अन्य किसी तरीके से जो कि उनके मत में संबंधित व्यौहारियों के ध्यान में लाने के लिए अधिक उचित प्रतीत होता है, नोटिस जारी कर किसी भी मामले में आँकड़े एकत्रित करने के संबंध में सभी व्यौहारीयों या किसी भी डीलर श्रेणी को उसमें उल्लिखित जानकारी देने के लिए आह्वान कर सकता है, और विशिष्टियां तथा सूचना का अंतराल किस प्ररूप में जानकारी दी जानी चाहिए, इसका निर्धारण मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा किया जाएगा।

47. सूचना या विवरणी उपलब्ध कराने में विफलता : (1) यदि कोई व्यक्ति उपविधि 46 के अधीन कोई सूचना या विवरण देने के लिए अपेक्षित है:-

(क) उस खण्ड द्वारा अपेक्षित ऐसी सूचना या विवरण देने के लिए जान-बूझकर मना करता है या बिना विधिसम्मत बहाने के उपेक्षा करता है, या

(ख) कोई भी जानकारी या विवरणी, जिसे वह जानबूझ कर उपलब्ध कराता है और उसे मालूम है कि वह असत्य है, तो मुख्य कार्यपालक अधिकारी उसे सुने जाने का अवसर प्रदान करने के पश्चात लिखित में एक आदेश जारी कर उस पर जुर्माना लगा सकता है जो कि सौ रुपये तक बढ़ाया जा सकता है, और जब लगातार चूक की जाती है तो चूक की अवधि के लिए दस रुपये प्रतिदिन के हिसाब से अधिक जुर्माना नहीं होगा।

(2) यदि यह लिप्त है कि उपविधि 46 के अंतर्गत आँकड़े एकत्रित करने के कार्य में लगा व्यक्ति, उस खण्ड के अंतर्गत दी गई जानकारी या किसी भी दी गई या बनाई गई रिटर्न के कोई अंश को उप-विधि के अंतर्गत अपनी ड्यूटी के निर्वहन या इन उपविधियों के

अंतर्गत, के प्रयोजन को छोड़कर अन्यथा जान-बूझकर प्रकट कर रहा है जो इस उपविधि के तहत अपराध का मुकद्दमा चलाने के प्रयोजन से मुख्य कार्यपालक अधिकारी उसे सुने जाने का उपयुक्त अवसर प्रदान करने के पश्चात्, लिखित में आदेश जारी कर, उस पर जुर्माना लगा सकता है जो कि एक हजार रु. तक बढ़ाया जा सकता है।

48. **करों के भुगतान के संबंध में सार्वजनिक सूचना :-** मुख्य कार्यपालक अधिकारी अधिनियम की धारा 98 और धारा 99 के उपबंधों के अनुसार सार्वजनिक सूचना, या स्थानीय समाचार पत्र में प्रकाशन के द्वारा स्थानीय निकाय कर की संदाय के समय और पद्धति का निर्धारण कर सकता है।

49. **कार्यवाही में किसी प्राधिकारी के समक्ष उपस्थिति :-** (1) कोई भी व्यक्ति जो इन उप-विधियों के अंतर्गत कार्यवाही के संबंध में किसी प्राधिकारी के समक्ष उपस्थित होने के लिए पात्र है या अपेक्षित है, उपस्थित हो सकता है -

(क) किसी नातेदार या उसके द्वारा नियमित रूप से नियोजित व्यक्ति; या

(ख) उस व्यक्ति द्वारा प्ररूप-द में प्राधिकृत अधिवक्ता या चार्टर्ड अकाउंटेंट या लागत अकाउंटेंट।

परंतु अधिवक्ता या चार्टर्ड अकाउंटेंट या लागत अकाउंटेंट जिसे उसके वृत्तिक के नियमों के अनुसार अर्हित घोषित किया गया है वह किसी भी व्यक्ति की ओर से किसी भी कार्यवाही में किसी भी प्राधिकारी के समक्ष उपस्थित होने के लिए पात्र नहीं होगा।

50. **व्यावृत्ति :-** (1) इन उप-विधियों के अंतर्गत बोर्ड को स्थानीय निकाय कर की अदायगी को, बोर्ड द्वारा या केंद्रीय सरकार द्वारा या अधिनियम के अंतर्गत नियमों या उप-नियमों के अधीन विनिर्दिष्ट अन्य प्राधिकारी किसी भी निम्नलिखित कार्यवाही को विनियमित नहीं करेगी, अर्थात्

(i) अनाधिकृत संनिर्माण

(ii) सरकारी भूमि पर अतिक्रमण

(iii) सम्पत्तियां इसके उप-खंड के प्रयोग में परिवर्तन

(iv) अधिनियम की धारा 277 के अंतर्गत विधिमान्य अनुज्ञप्ति के बिना किया जा रहा व्यवसाय

(v) सरकारी भूमि पर कब्जा /अधिमांग अधिकार

(2) इन उप-विधियों के अधीन स्थानीय निकाय कर की संदाय को अन्य किसी भी वर्तमान में लागू विधिके अंतर्गत देय अन्य कर की देयता से छूट प्रदान नहीं की जाएगी।

51. **पुणे महानगरपालिका के साथ संयुक्त कार्रवाई :-**

(1) छावनी अधिनियम, 2006 की धारा 49 के उपबंधों की शर्त पर, छावनी बोर्ड अलग से स्थानीय निकाय कर लगाने के स्थान पर अपने पड़ोसी पुणे महानगरपालिका के साथ मिलकर औसतन क्षेत्रीय सीमाओं के भीतर स्थानीय निकाय कर लगाने के लिए आपसी सहमति की शर्तों के आधार पर करार कर सकता है।

(2) खंड 1 में सन्दर्भित करार के कार्यावित होने की स्थिति में पुणे महानगरपालिका की सीमाओं के भीतर स्थानीय निकाय कर की अधिसूचित दरों और वस्तुओं पर स्थानीय निकाय कर लगाना और वसूल करना बोर्ड की सीमाओं के भीतर भी लागू होगा।

अनुसूची -क

छावनी परिषद, पुणे

स्थानीय निकाय कर भुगतान योग्य वस्तुओं का वर्णन

[उपनियम 2(प) एवं 6(1) देखें]

समूह - I

क्र. सं. (1)	माल का वर्णन (2)	स्थानीय निकाय कर (एलबीटी) की दर (3)
1	पचास प्रतिशत से अधिक शुद्धता वाले मूल्यवान धातुओं से बनी वस्तुएं जिसमें मूल्यवान रत्न हो या न हो, अल्पमूल्य रत्न, हीरा या मोती असली या संवर्धित और अनुसूची-‘अ’ वर्ग- II में प्रविष्टि संख्या 105 पर लागू नहीं।	0.50%
2	मूल्यवान धातु जैसे कि सोना, चांदी, प्लैटिनम, ओस्मियम, पल्लेडियम, रोडियम, रूथेनियम तथा इनमें से कोई भी मिश्रधातु स्पष्टीकरण:- इस प्रविष्टि के लिए मूल्यवान मिश्रधातु का मतलब है 50 प्रतिशत से अधिक शुद्धता वाली मूल्यवान धातु।	(i) सोना, प्लैटिनम, ओस्मियम, पल्लेडियम, रोडियम, रूथेनियम - 0.10% (ii) चांदी - 0.50%
3	हीरे सहित मूल्यवान रत्न, अल्पमूल्य रत्न तथा मोती असली या संवर्धित	0.10%
4	हेयर-पिन्स, नक्कली जेवर, कांच, प्लास्टिक या मूल्यवान धातुओं के अलावा अन्य धातुओं की माला तथा उसके अन्य पूर्ण एवं घटक	2.00%
5	हेलिकॉप्टर सहित सभी प्रकार के हवाई जहाज तथा उसके पूर्ण, घटक एवं उपकरण	0.50%
6	साड़ियां	2.00%

7	(अ) आयुर्वेदिक, सिद्धा, यूनानी, मादक औषधियों सहित चिकित्सा तथा होम्योपैथिक औषधियां लेकिन परिवार नियोजन, कैंसर के उपचार, एचआईवी एवं एड्स के लिए प्रयोग किए जाने वाली औषधियों को छोड़कर निम्नलिखित विवरणों के प्रतिपाद अथवा तैयारियों की पुष्टि के लिए :- कोई प्रतिपाद अथवा तैयार नुस्खा जिसको रोग की पहचान, उपचार, लघुकरण अथवा निवारण के लिए मानव, जानवरों और पक्षियों के शरीर पर या आंतरिक रूप से प्रयोग के लिए जिनको भारत में आयात किया गया अथवा निर्माण किया गया, अनुज्ञप्ति के तहत संचित, वितरित या विक्रय किया गया, औषधि और प्रसाधन अधिनियम, 1940 के अधीन मंजूर अनुज्ञप्ति के तहत संचित, वितरित या विक्रय किया गया है लेकिन किसी भी प्रकार के मच्छर निवारक शामिल नहीं है।	1.00%
	(ब) औषधि और प्रसाधन अधिनियम, 1940 (1940 का 28) के अधीन प्रदत्त अनुज्ञप्ति के तहत निर्मित की गई औषधीय ऑक्सीजन तथा नाइट्रस ऑक्साइड।	1.00%
8	औद्योगिक प्रयोजन के लिए उपयोग किया जाने वाला काठकोयला तथा बादामी काठकोयला	1.00%
9.	(i) 14.5 कि.ग्रा. तक क्षमता के सिलेंडरों में आपूर्ति की गई एलपीजी और पाइपलाइन द्वारा घरेलू उपयोग के लिए आपूर्ति किया गया एलपीजी, पीएनजी।	0.00%
	(ii) 14.5 कि.ग्रा. से अधिक क्षमता के सिलेंडरों में आपूर्ति की गई एलपीजी और पाइपलाइन द्वारा व्यापारिक तथा औद्योगिक उपयोग के लिए आपूर्ति की गई एलपीजी, पीएनजी और सीएनजी।	2.50%
10	विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) में उत्पाद शुल्क के अतिरिक्त कार्यों के प्रथम अनुसूची के स्तंभ-3 में समय-समय पर यथावर्णित चीनी, वस्त्र तथा तम्बाकू। स्पष्टीकरण : संदेह को दूर करने के लिए यहां एतद् द्वारा घोषित किया जाता है कि तम्बाकू में पान-मसाला शामिल नहीं होगा अर्थात् सुपारी एवं तम्बाकू को शामिल कर तैयार करने के लिए निम्नलिखित एक या अधिक पदार्थों के सम्मिश्रण अर्थात् (i) चुना (ii) कत्था चाहे उसमें इलायची, नारियल एवं मेथल शामिल है या नहीं।	चीनी 0.00%, वस्त्र 2.00% तथा तम्बाकू 0.20%
11	हाथकरघा द्वारा बुना हुआ गमचा	0.00%
12	ताड़ी	2.00%
13	पापड़	2.00%,
14	सभी प्रकार के कैपेसिटर्स (संधारित्र)	3.50%,

समूह - II

क्र. सं. (1)	माल का वर्णन (2)	स्थानीय निकाय कर (एलबीटी) की दर (3)
1	सभी प्रकार के ट्रेक्टर, ट्रेलर्स, अल्प-ट्रेलर्स, तेल इंजनों, विद्युत मोटरों, पंप, विद्युत पंपिंग सेट्स, कैप्सिटर्स तथा सभी प्रकार के पाइप के अलावा कृषि संबंधी मशीनरी, उपकरण और उनके पूर्ण।	0.50%
2	बेतार द्वारा विद्युतीय (इलेक्ट्रॉनिक) संचार के लिए अथवा तार सहित निजी शाखा विनिमय (पीबीएक्स) और विद्युतीय (इलेक्ट्रॉनिक) निजी स्वचालित शाखा विनिमय (ईपीबीएक्स)।	3.50%
3	फ्लाई ईंश ईंटें तथा रिक्रैटरी ब्रिक्स सहित सभी प्रकार की ईंटें और मोनोलिथिस, अस्फाल्टिक छत बनाने की टाइल्स, मिट्टी की टाइल्स।	3.50%
4	(अ) सूती धागे लेकिन अपशेष सूती धागे सम्मिलित नहीं।	2.50%
	(ब) उपरोक्त (क) में यथाप्रबंधित के सिवाय कोई धागे चाहे वह किसी पदार्थ से आच्छादित हो या न हो; अनुसूची 'ख' की प्रविष्टि-17 के तहत यथासुरक्षित कपास तथा लच्छियों में रेशमी धागों के अतिरिक्त सिलाई धागा, उनमें से कोई अपशेष।	2.50%
5	इस्पात प्रबलित एल्युमिनियम चालक	2.50%
6	(अ) महाराष्ट्र सरकार की अधिसूचना सं: वी.ए.टी.-1505/सी.आर.-113/कर-1 तारीख 01 जून, 2005 द्वारा अधिसूचित एल्युमिनियम, उसके मिश्रधातु और उत्पाद। (ब) एल्युमिनियम के अपशेष	2.50% 0.40%

7	(अ) सुपाडी पाउडर, पान काष्ठफल	0.50%
	(ब) कच्चा काजू काष्ठफल	3.00%
8	जूट के गद्दे	3.50%
9	खोई	2.00%
10	बांस	0.50%
11	बियरिंग्स	3.00%
12	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1985 के (1986 का 5) प्रशुल्क मद संख्या 24031031, 24031039, 24031090 तहत सम्मिलित बिरिस ।	1.00%
13	बेल्टिंगज	3.00%
14	सनग्लासेस, गॉगल्स, इम्प्लान्ट लेन्सेस	4.00%
15	बायोमास ब्रिकेट्स (इष्टिका)	3.50%
16	अस्थिचूर्ण (बोन मील)	1.00%
17	धोकादायक दवाइयां चाहे वे औषधि तथा सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम, 1940 (1940 का 23) के तहत अनुज्ञप्ति के अनुसार आयातित की हों या निर्मित की गई हों ।	1.00%
18	अलोहा धातुओं की ढली वस्तुएं	2.50%
19	अपकेन्द्री, मोनोब्लॉक, अवगाहन-क्षम(सबमर्सिबल) पंप और पंप सेट्स एवं उनके पुर्जे ।	3.00%
20	उद्यान तथा समुद्रतट छतरियां और उनके पुर्जे, घटक एवं उपसाधन	3.00%
21	फायर क्ले, फाइन चाइना क्ले तथा बेल क्ले सहित चिकनी मिट्टी	3.50%
22	घरेलू उद्देश्य के लिए प्रयोग किए जाने वाले काठकोयला तथा बादामी काठकोयला के अतिरिक्त सभी प्रकार के काँक सहित कोयला	2.00%
23	काँफी सेम और बीज, नारियल फली, हरी पत्ती चाय तथा कासनी (चिकरी)	2.00%
24	जूट तथा जूट के उत्पाद – जूट गद्दों को छोड़कर	3.50%
25	कपास अर्थात् सभी किस्म के कपास (देशी अथवा आयातित) उनके अनिर्मित स्थिति में चाहे उलीचित, प्रेस, ओटाई किया हुआ या नहीं किया हुआ या अन्यथा अपशेष कपास सहित	2.00%
26	कूसिबल्स (घरिया)	3.50%
27	कच्चे तेल अर्थात् अपरिपक्व पेट्रोलियम तेलों, और रालमिश्रित खनिजों से प्राप्त किए तेलों (जैसे स्लेटी, चुनेदार पत्थर, बालू) उनका कुछ भी संचोजन, चाहे वे सामान्य अथवा सघनन तेल जमा से अथवा रालमिश्रित खनिजों के विनाशक आसवन द्वारा प्राप्त किया हो और चाहे वे सभी या निम्नलिखित किसी भी प्रक्रिया के अधीन हो या नहीं हो :- (1) निथारण (2) डिसाल्टेशन (3) निर्जलीकरण (4) भाप दबाव प्रसामान्यीकरण की दृष्टि से स्थिरीकरण (5) दबाव को बनाए रखने तथा जल निकास के सुधार हेतु बहुत ही हल्के भागों का तेल जमा में वापसी की दृष्टि से निष्कासन । (6) उपरोक्तलिखित प्रक्रियाओं के दौरान भौतिक पद्धतियों द्वारा केवल पहले ही पुनःप्राप्त हाइड्रोकार्बन का संकलन करना । (7) कोई अन्य लघु प्रक्रिया (बहाव सुधार के बहाव बिंदु शमक के संचोजन सहित) जो पदार्थ के आवश्यक लक्षण में परिवर्तन न करती हो ।	3.50%
28	निर्जलित अथवा संसाधित सृब्जियां और मशरूम	3.00%
29	सभी प्रकार की फ्लोरोसेंट ट्यूब्स और उनके उपसाधन, शेडस, चोकस्, स्टार्टर्स और अन्य भाग, पूर्जों तथा उपसाधनों सहित ।	3.50%

29क	(अ) औषधि और औषधिऔर प्रसाधन अधिनियम, 1940 (1940 का 23) की धारा 3 के खण्ड (क) का उप-खण्ड (iv) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित उपकरण ।	3.00%
	(ब) भारत में आयातित अथवा तैयार किए ब्रैण्डेज और मरहम-पट्टियां, औषधि और औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 (1940 का 23) के अधीन मंजूर अनुज्ञप्ति के तहत संचयित, वितरित अथवा विक्रयित ।	1.00%
	(स) सिरिंजिस (सूईयां)	1.00%
30	खाद्यतेल, अपरिमार्जित स्थिति में खाद्यतेल और तेल केक्स	0.06%
31	इलैक्ट्रोडस् (विद्युदग्र)	3.50%
32	अभ्यास पुस्तिका, ग्राफ पुस्तिका, प्रयोगशाला नोटबुक तथा ड्रॉइंग बुक	2.00%
33	(अ) किसी अन्य मूल्यवान धातुओं के सिवाय लोहयुक्त और अलोह से बने घरेलू बर्तन, चाहे किसी सामग्री से लेपित हो या न हों	2.50%
	(ब) घरेलू प्रेशर कूकर और पैन्स	2.00%
	(स) लोहा, इस्पात, एल्युमिनियम, प्लास्टिक अथवा किसी अन्य सामग्री से बनी बालटियां	2.00%
34	जैव-उर्वरकों, कीटकनाशक, पीड़कनाशी, कवकनाशी, अपतृणनाशी, कृन्तकनाशी, शाकनाशी, बीजाणुनाशक उत्पाद, वनस्पति संवर्धक तथा नियंत्रक, सूक्ष्म पोषक सहित उर्वरकों लेकिन रोगाणुनाशी समाविष्ट नहीं ।	2.00%
34क	जैविक खाद सहित उर्वरक	0.00%
35	सभी प्रकार के फाइबर तथा फाइबर अपशेष	3.00%
36	फायरक्ले, कोयला भस्म, कोयला बॉयलर राख, कोयला चूर्ण, खंगर	2.00%
37	(क) अन्य दलहनों का आटा मिश्रित बेसन सहित दलहन आटा	0.50%
	(ख) मक्के सहित अनाज का आटा मिश्रित बेसन सहित दलहन आटा	0.50%
	(ग) अन्य अनाज तथा दलहनों के आटा से मिश्रित बेसन सहित दलहन आटा	0.50%
38	ग्लूकोज-डी	2.00%
39	महाराष्ट्र सरकार की अधिसूचना संख्या: वी.ए.टी.-1505/सी.आर.-114/कर-1 तारीख 01 जून, 2005 द्वारा अधिसूचित अतिसूक्ष्म अथवा अभौतिक प्रकार की वस्तुएं ।	3.50%
40	सुटकेसेस, अटैची, त्रिफकेसेस, प्रेषणकेसेस, वैनिटीकेसेस, एक्जिक्युटेड केसेस	4.00%
41	जिप्सम बोर्डों के अलावा सभी प्रकार के जिप्सम और विवरण	3.00%
42	हैण्डपम्पस, पूर्जे और उपस्कार	3.00%
43	एल्युमिनियम अथवा इस्पात से बनी सन्दूक और स्कूल बॉक्स	2.00%
44	वनस्पति, गॉम्बिअर, वृक्ष की छाल, सूखे पौधे, सूखी जड़ें जिसे आमतौर पर ज़ड़ी-बूटी के नाम से जानते, हैं और सूखे फूल	2.00%
45	खाल तथा चमड़ी, चाहे कच्चे या तैयार स्थिति में	2.00%
46	होज पाइप और उसके पुरजे	3.00%
47	होजरी वस्तुएं (बुने हुए कपड़े)	2.00%
48	ठंडे या गर्म पेय या खाद्यान्न रखने हेतु सभी प्रकार की घरेलू, व्यापारिक तथा औद्योगिक सभी प्रकार की धानियां जैसे निर्वात फ्लास्क, थर्मोसिस, थर्मिक जग, बर्फ की बकेट या पेटियां, कलश, हांडियां और उसके पुरजे, उपस्कार, तथा उपसाधनों सहित ।	3.00%
49	चावल भूसी (ब्रैन)	0.50%
50	सूखे हिमसहित हिम	3.50%
51	किसी भी प्रकार के इंक पैडस	2.00%
52	पाक्य परिमल और सुगंधित परिमल	3.00%
53	औद्योगिक केबल (उच्च वोल्टता केबल, प्लास्टिक आवरणित केबल, जेली भरी केबल, प्रकाशीय फायबर केबल)	3.50%
54	महाराष्ट्र सरकार की अधिसूचना संख्या: वी.ए.टी.-1505/सी.आर.-234/कर-1 तारीख 01 सितम्बर, 2005 द्वारा अधिसूचित औद्योगिक निवेश और पैकिंग सामग्री । इसे अधिसूचना संख्या: वी.ए.टी.-1505/सी.आर.-348/कर-अ	3.00%

	तारीख 25 अगस्त, 2006; संख्या: वी.ए.टी.जी.-1505/सी.आर.-83/कर-1 तारीख 30 सितम्बर, 2006 और संख्या: वी.ए.टी.-1505/सी.आर.-60/कर-अ तारीख 19 सितम्बर, 2007 {क्र. सं. 54(अ) की प्रविष्टि को छोड़कर} के साथ पढ़ा जाए।	
54क	खोवा, लोणी और घी	0.05%
55	लोह और इस्पात, अर्थात:- (i) शिलिका, मोलडस, बॉटम प्लेटस, लोह कबाड़, ढ़लवां लोह कबाड़, रत्तर कबाड़ और आयरन स्कल स्क्रेप सहित कच्चा लोहा, लोई लोहा और ढ़लवा लोहा। (ii) इस्पात सेमिस (शिलिका, स्लैब, ब्लूमस् और सभी प्रकार के छड़, आकार तथा परिमाण)। (iii) स्केल्प बार, टिन बार, शीटबार, फावड़ा बार और स्लीपर बार। (iv) स्टील बार (गोलाकार, छड़ी, वर्गाकार सपाट, अष्टकोणीय, षट्कोणीय, सपाट तथा पट्टीदार अथवा कुण्डलीय और सीधे लम्बे प्रकार में व्यावर्तित) (v) संरचनात्मक इस्पात (एंगल्स, जॉइंटस्, चैनेल्स, टी, शीट पिलिंग सेक्शन, जेड सेक्शन्स अथवा अन्य वेल्लित सेक्शनों) (vi) शीटस, हूपस, स्ट्रिप्स, और स्केल्प दोनों काला और कलाईदार, गरम और ठंडा वेल्लित, सपाट और जालीदार, सभी प्रकार में सीधे लम्बे और कुण्डलीय प्रकार में वेल्लित और पलस्तरित स्थिति में। (vii) सपाट और चरखेदार दोनों प्रकार की सभी चद्दरें। (viii) डिस्क, रिंग, फोर्जिंग तथा इस्पात ढ़लवा। (ix) औजार, मिश्रधातु तथा उपरोक्त श्रेणी के किसी भी प्रकार के विशेष इस्पात (x) इस्पात स्कल, टर्निंग और बोरिंग सहित सभी प्रकार में इस्पात पिघलन कबाड़ (xi) ट्यूब उपकरणों सहित सभी व्यास और लम्बाई के दोनों सीवनहीन और वेल्डेड इस्पात ट्यूब (xii) टिन प्लेट दोनों गरम द्राव में डुबायी और विद्युत अपघटनी तथा टीन फ्री प्लेटस् (xiii) फिश प्लेट बार, बियरिंग प्लेट बार, क्रॉसिंग स्लीपर बार, फिश प्लेटस्, बियरिंग प्लेटस, क्रॉसिंग स्लीपर्स तथा दबावयुक्त इस्पात स्लीपर्स, भारी रेलस और हल्के क्रेन रेलस (xiv) पहिये, टायर्स, एक्सल और पहिये सेटस (xv) वायर रॉडस और वेल्लित वायर, ड्रॉन, जस्तदार, एल्युमनाइज्ड, कलाईदार अथवा जैसे तांबा द्वारा लेपित। (xvi) खराब, अस्वीकृत, टंकड़ों या उपरोक्त में से किसी भी संवर्ग के टुकड़े।	2.50%
56	महाराष्ट्र सरकार की अधिसूचना संख्या: वी.ए.टी.-1505/सी.आर.-237/कर-1 तारीख 17 अक्तूबर, 2005 द्वारा अधिसूचित प्रौद्योगिकी उत्पाद।	3.50%
57	जूट अर्थात् नरचा सम्पुटी और नरचा ऑइलटरियस जाति के पौधों से प्राप्त फायबर और बिमली अथवा मेस्टा से ज्ञात फायबर हिबिस्कस कैनेबिन्स तथा हिबिस्कस सबदारिफा-वराल्टिसिमा से ज्ञात फायबर क्रोटालारिआ जुन्सी जाति के पौधों से प्राप्त, चाहे उलीचित हो या अन्यथा।	3.00%
58	सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से विक्रय किया गया मिट्टी का तेल	1.00%
59	बुनने वाला ऊन	2.50%
60	सभी प्रकार की शुष्क बैटरीज व शैल	3.50%
61	भूरा कोयला	1.00%
62	चूना, चुना के पत्थर, चुना के उत्पाद, डोलोमाइट	1.00%
63	मक्का लासा औरी मक्का रोगाणु तेल	0.06%

64	मिश्रित पीवीसी स्टैबिलाइजर्स	3.50%
65	नापा (कच्चे फ्लोअरिंग पत्थर) और शाहाबादी पत्थर	3.50%
66	नेवार्स / निवार्स	3.00%
67	महाराष्ट्र सरकार की अधिसूचना संख्या: बी.ए.टी.-1505/सी.आर.-117/कर-1 तारीख 01 जून, 2005 द्वारा अधिसूचित प्राथमिक रूप और स्क्रेप की स्थिति में अलोह धातु और मिश्र धातु प्रविष्टि सं. 67क को छोड़कर।	2.50%
67अ	ताम्बा, कांसा और जिक के अपशेष और कबाड़	0.40%
68	तेल बीज, अर्थात् :- (i) मूँगफली अथवा चीनिया बदाम। (ii) तिल (iii) कपास बीज (iv) सोयाबीन (v) तोरिया और सरसों - (1) टोर्ता (2) राई (3) जांबा (4) सरसों (5) बनारसी राई और असली सरसों (vi) अलसी (लिनसीड) (vii) एरण्ड (कास्टर) (viii) नारियर (खोपरा, टेंडर नारियल के अलावा) (ix) सूरजमुखी (x) निगर बीज (xi) नीमवेपा (xii) महुआ, इल्लुपाई, इप्पे (मधुचंदिका, एम लतिफालियां, बासिया, लेटिफोलिया और मडुका लोंगीफोलिया, साईन एम) (xiii) करंजा, पोंगम, होंगा (पोंगामिया पिनाटा साईन पी गलैब्रा) (xiv) कुसुम (xv) पुन्नाउन्डी (xvi) कोकुम (xvii) साल (xviii) दुन्ग (xix) लाल करतल (xx) कुसुम	0.06%
69	कच्चे धातु और खनिज	3.50%
70	(क) कागज़, कागज़ के बोर्ड, रद्दी कागज़ (ख) कंप्यूटर के लिए सभी प्रकार की कागज़ समग्रि, कार्बन कागज़ और अपोनिया कागज़ (ग) अखबार प्रिंट	2.00% 2.00% 0.00%
71	खाद्य श्रेणी स्तर का पराफिन मोम और खाद्य श्रेणी स्तर के अतिरिक्त दर्जेदार मोम तथा दियासलाई मोम, मन्द मोम	3.00%
72	जस्तेदार लोह पाइप, ढलवां लोह पाइप, डक्टाइल पाइप और पी.वी.सी. पाइप सहित सभी प्रकार के पाइप तथा उनके पुर्जे	2.50%
73	पिज़्जा ब्रेड	4.00%
74	(अ) प्लास्टिक पादत्राण (मोल्डेड), हवाई चप्पलस तथा उनके स्ट्रैप्स (ब) प्लास्टिक चटाइयां	2.00% 3.00%

75	प्लास्टिक कणिकाएं, मास्टर बैचेस, प्लास्टिक चूर्ण एवं टुकड़े	3.00%
76	व्यावसायिक एवं वाणिज्यिक पुस्तकों सहित मुद्रित सामग्री, वार्षिक प्रतिवेदन, आवेदन प्रपत्रों, लेखा बहियां, तुलन पत्र, कैलेण्डरों, डायरियां, सूचीपत्रों, रेसा कार्डों और प्रकाशनों जो मुख्यतः प्रकाशन और वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए लेखों, सामानों तथा सेवाओं के प्रकाशन के लिए जिसमें लिखने के लिए 8 पन्नों से अधिक जगह होती है लेकिन अनुसूची ख की प्रविष्टि 6 के अधीन समाविष्ट सामग्री को छोड़कर।	2.00%
77	टोनर तथा कारतूसों को छोड़कर मुद्रण तथा लिखने के प्रयोग में आने वाली स्याही	2.00%
78	सभी प्रकार की टॉर्च और उनके पुरजे, उपसाधन तथा साजो-सामान	2.50%
79	लकड़ी, बांस का गूदा और कागज़	2.00%
80	रेल डिब्बे, इंजन और माल गाड़ी के डिब्बे और उनके पुर्जे	2.00%
81	(अ) सिले-सिलाए कपड़े	3.00%
	(ब) महाराष्ट्र सरकार की अधिसूचना संख्या: वी.ए.टी.-1505/सी.आर.-118/कर-1 तारीख 01 जून, 2005 द्वारा अधिसूचित अन्य निजी पहनावे के वस्त्र, वस्त्रों के उपसहायक, तैयार कपड़े और सेटस	3.00%
82	महाराष्ट्र सरकार की अधिसूचना संख्या: वी.ए.टी.-1505/सी.आर.-119/कर-1 तारीख 01 अप्रैल, 2005 द्वारा अधिसूचित वीनीकरणीय ऊर्जा उपकरण और अतिरिक्त उपसाधन। अनुसूची ख के प्रविष्टि 56 के अन्तर्गत समाविष्ट वस्तुओं को छोड़कर।	2.00%
82क	रिबन, बो और काजल	2.00%
83	चना सहित रोस्टेड अथवा फ्राइड दलहन	2.00%
83क	खनिज नमक	0.00%
84	रबड़ जैसे - (अ) कच्चा रबड़ (ब) वनस्पति-दूध (स) सभी श्रेणियों के सूखे रिब्ड पत्र	3.00%
85	दियासलाइयों	1.00%
85क	सुरक्षा हेल्मेट्स	3.50%
86	सभी प्रकार के विद्युतीय बल्ब और ट्यूब्स	3.50%
87	सिलाई मशीन और उसके पुर्जे, उपसाधनव उपस्कार और सभी प्रकार की सिलाई सुइयां एवं बुनने वाली सुइयां	3.00%
88	जहाज और अन्य जलयान	2.00%
89	(अ) स्किम्मड दूध पाउडर सहित दूध पाउडर	2.00%
	(ब) यूएचटी दूध	2.00%
	(स) संघनित दूध चाहे वह मीठा किया गया हो या नहीं	2.00%
	(द) अन्य घटक सम्मिलित किया हुआ और किसी ब्रैंड के अधीन विक्रय किया गया दूध	2.00%
	(इ) बटरमिल्क, सेपरेटेड मिल्क, लस्सी और दही (चाहे वे मीठा या सुगंधित किया गया हो या नहीं) जब किसी ब्रैंड के अधीन बिक्री किया गया हो।	2.00%
90	जैविक विलायक तेलों के अतिरिक्त विलायक तेल	3.50%
91	जीरा बीज, हिंग, सौंफ, केशर, काली मिर्च और खसखस सहित सभी मसाले	2.00%
91क	पोस्ट के बीज	0.00%
92	पादत्राणों और वेश-भूषाओं को छोड़कर खेलकूद सामग्री	3.50%
93	स्टार्च और कसावा	2.00%
93क	साबूदाना	0.00%
94	(क) आईस्क्रीम, अन्य खाद्य बर्फ, कोकोआ, कुल्फी, गैर-मादक पेय जिसमें आईस्क्रीम अथवा कुल्फी के मीठे बूँद, टॉफी, चॉकलेट्स, अन्य मिष्टान्न और सभी प्रकार के बेकरी उत्पाद समाविष्ट हों, को छोड़कर श्रीखंड, बासुंदी, दूधपाक सहित मिठाई और मिष्टान्न	3.00%
	(ख) महाराष्ट्र सरकार की अधिसूचना संख्या: वी.ए.टी.-1505/सी.आर.-165/कर-1 तारीख 01 जून, 2005 द्वारा अधिसूचित सभी प्रकार के फरसान	3.00%
95	कुक्कुट पालन मशीनरी और उसके उपकरण	3.00%

96	(क) ट्रैक्टर, ट्रेलर्स, ट्रॉलीज (कृषकीय ट्रैक्टर, ट्रेलर्स, ट्रॉलीज) फसल काटने की मशीनें, संलग्न, भाग, पुर्जे, उपसाधन, उनके टायर और ट्यूब्स	2.00%
	(ख) श्रेथर और उनके संलग्न, भाग, पुर्जे, उपसाधन तथा उनके टायर और ट्यूब्स	2.00%
97	परिणामित्र (ट्रान्सप्रूपर) व उपसाधन और उनके पुर्जे	3.50%
98	प्रसारण मीनार	3.50%
99	(अ) बगीचे छातों के अलावा बरसाती कोट और छाता	3.00%
	(ब) बगीचे छातों के अलावा बरसाती कोट और छातों के संलग्न, भाग, और उपसाधन	3.00%
100	वनस्पति (हायड्रोजेनेटेड वनस्पति तेल)	0.06%
101	महाराष्ट्र सरकार की अधिसूचना संख्या: वी.ए.टी.-1505/सी.आर.-120/कर-1 तारीख 01 जून, 2005 और वी.ए.टी.-1510/सी.आर.-47अ/कर-1 तारीख 17मार्च, 2010 द्वारा अधिसूचित विविध प्रकार के वस्त्र और वस्त्रों के पदार्थ	3.00%
102	गिन्गिली तेल, एरण्ड तेल और भूसी तेल सहित वनस्पति तेल	2.00%
103	पानी पंपिंग हेतु और विद्युत निर्माण हेतु पवनचक्की और उसके घटक, पुर्जे और उपकरण	2.00%
104	(क) लेखन सामग्री, बॉल पेन, नमदा नोक वाली और अन्य पोरस्टिड पेन और मार्कर, फाउन्टन पेन, स्टाइलोग्राफ पेन, और अन्य पेन, डुप्लिकेटिंग स्टाइलोस, प्रापेलिंग अथवा स्लायडिंग पेन्सिल, पेन धारक, पेन्सिल धारक, और इसी प्रकार के होल्डर, पुर्जे (क्लिप्स और कैपसहित)	2.00%
	(ख) उपकरणों सहित गणितीय उपकरण, बक्से, विद्यार्थियों के रंग बक्से, क्रेयन्स तथा पेन्सिल शार्पनर्स।	0.00%
	(ग) लेख पट्ट तथा पैड्स, ड्राइंग पट्ट, श्यामपट्ट, हरित पट्ट, श्वेत पट्ट, परीक्षा पैड्स, फूट पट्टियां, रबड़, ग्लिटर, स्केच पेन, स्टैप्लर्स, पेन्सिल लीड्स, तेल रंगीन खडियां, ड्राइंग चारकोल तथा लिफाफे।	2.00%
105	कसीदाकारी अथवा ज़री सामग्री, अर्थात्- (i) इमी (ii) ज़री (iii) कसब (iv) सईमा (v) डबका (vi) चुमकी (vii) गोटा (viii) सितारा (ix) नक्रासी (x) कोरा (xi) बदला (xii) गिज़ल (xiii) कसीदाकारी मशीनों (xiv) कसीदाकारी सुइयां	3.00%
106	खोपरा	2.00%
107	(1) कच्चे ऊन के अतिरिक्त प्राणियों के बाल	2.00%
	(2) कोलतार	3.50%
	(3) कंधियां	3.50%
	(4) कागज़ अथवा प्लास्टिक के कप और प्याले	2.00%
	(5) फीडिंग बोतलें और निप्पल्स	2.00%
	(6) महाराष्ट्र सरकार की अधिसूचना संख्या: वी.ए.टी.-1505/सी.आर.-233/कर-1 तारीख 23 नवम्बर, 2005 द्वारा अधिसूचित चिकित्सकीय उपकरण और रोपन सामग्री	2.00%
	(7) चीनी मिट्टी के रोधक	3.50%
	(8) पेंच, नट्स, बोल्ट्स, फास्टनर्स, कोस्ट स्कूज, स्कू हुक्स, रिबेट्स, कॉटर्स, कॉटर पिन्स, वॉशर्स स्प्रिंग वॉशरसहित	2.50%
	(9) (क) बंद बक्सों में अथवा जमा हुआ स्थिति में मच्छी, प्रॉन्स, लॉब्सर्स, क्रैब्स और झींगी सहित कच्चा मीट, पोल्ट्री का कच्चा मांस और कच्चा समुद्री खाद्यान्न	3.50%
	(ख) बंद बक्सों में अथवा जमा हुआ स्थिति में फल और सब्जियां	3.00%
	(ग) पुट्टा, सूकर-मांस, लंगोचे, मसालेदार लंगोचे अथवा कबाब चाहे जमे हुए स्थिति में अथवा बंद बक्सों में हो या नहीं सहित किसी भी प्राणी के मीट या पक्षियों के मांस संसाधित, अल्प-संसाधित अथवा अधपके खाद्यान्न पदार्थ	3.50%
	(घ) मच्छी, प्रॉन्स, लॉब्सर्स, क्रैब्स और झींगी चाहे बंद बक्सों में अथवा जमा हुआ स्थिति में हो या नहीं सहित संसाधित, अल्प-संसाधित अथवा अधपका पोल्ट्री का कच्चा मांस और कच्चा समुद्री खाद्यान्न	3.50%

	(ड) फल जैम, जेली, आचार, सॉस, मुरब्बा, पनीर, शहद, परिरक्षित फल, स्क्वाश, पेस्ट, पेय, फल रस, सब्जी रस, स्क्वाश, सिरप, शक्तिवर्धक चाहे रस जमे हुए स्थिति या में बंद बक्सों में हो या नहीं सहित संसाधित, अल्प-संसाधित अथवा अधपके फल और सब्जियां।	3.50%
	(च) इस अनुसूची में उपरोक्त खण्ड (क) से खण्ड (इ) में समाविष्ट पदार्थों और तैयार खाद्यान्न को छोड़कर बंद बक्सों में कच्चे, अधपके, अल्प-संसाधित, तैयार मिश्रण और पकाने के लिए तैयार खाद्यपदार्थ।	3.50%
	(छ) चूर्ण, टैब्लेट्स, क्यूब्स, क्रीस्टल्स और अन्य घन अथवा द्रव्य जिनसे अल्कोहल रहित पेय और सूप बनाए जाते हैं।	3.50%
	(10) सिलिका सैंड	3.50%
	(11) मिर्च के बीज, ईमली के बीज और उसका चूर्ण	2.00%
	(12) खेल और खिलौने, विद्युतीय खिलौने और खेलों को छोड़कर	3.00%
	(13) मोम-बत्तियां	2.00%
108	(1)(अ) किशमिश, काजू और खजूर सहित सूखे मेवे	3.00%
	(ब) तैयार चाय सहित पत्तों अथवा चूर्ण के रूप में चाय	2.00%
	(स) छुहारा / नमीदार खजूर	0.02%
	(2) इमारती लकड़ी	2.00%
	(3) भारतीय मानक ब्यूरो से प्राप्त "इकोमार्क" लोगो का आईएस-3087 अथवा आईएस-12823 विशेष विवरणित और केन्द्रीय सीमा शुल्क दर अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की दर सूची मद-4410.90.10 और 4410.90.10 में समाविष्ट लकड़ी रहित प्लेन तथा लैमिनेटेड कणिका पट्ट।	4.00%
109	कैमरा, प्रोजेक्टर, साउंड रिकार्डिंग उपकरणों सहित चलचित्रदर्शी उपकरण और पुनरुत्पादक उपकरण, लेन्सेस, फिल्म और फिल्म पट्टियां, सिनेमा कार्बन जो प्रयोग के लिए आवश्यक है और उनमें से किसी के भी पुर्जे, भाग व उपसाधन और सिनेमा स्लाइडस तथा कच्चे फिल्म।	4.00%
110	शिकेकाई और रिठा साबूत अथवा चूर्ण रूप में	0.50%
111	सी.एफ.एल. (कॉम्पैक्ट फ्लूरोसेट लैम्पस)	3.50%
112	घरेलू उपयोग हेतु एलपीजी स्टोव, उसके पुर्जे, घटक तथा उपसाधन	2.00%
113	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क दर अधिनियम, 1985 (1986 का 5) के उप-शीर्षक 84451910 द्वारा सम्मिलित कपास ओटाई और प्रेसिंग मशीनरी।	3.00%
114	संयोजन/ एकीकृत मशीनरी	3.00%
115	बैटरी अथवा सौर ऊर्जा से परिचलित वाहन	2.00%
116	एडल्ट कायपर्स और स्वास्थ्यकर नैपकिन	2.00%
117	सभी प्रकार की विद्युत वस्तुओं और पुर्जे	3.50%
118	सभी प्रकार के आयातित साबुन	5.00%
119	आयातित रसोई का सामान, छुरी-कांटा, दीवार-घड़ियां, कलाई-घड़ी	8.00%
120	सभी प्रकार का फर्निचर और पेटिका	3.50%
121	आयातित फर्निचर और पेटिका	8.00%
122	आयातित सुगन्धित रसायन और संबंधित सामग्री, सुगंधी तेल, सुगंधी द्रव्य, अत्तार और कांतिवर्धक (कॉस्मेटिक्स)	5.00%
123	सभी किस्मों के आयातित टाइल्स	5.00%
124	सभी किस्मों के आयातित तेलविक्रेता भंडार और खाद्यान्न	5.00%
125	***** हटा दिया गया *****	*****
126	दस लाख से कम कीमत वाली मोटर कार, मोटर बसें, मोटरसाइकिल, मोटर चेसिस।	2.00%
127	सभी प्रकार की मशीनरी, मशीन्स और उनके पुर्जे	3.00%
128	धातु पॉलिश तथा बूट पॉलिश	3.00%
129	पोटाश, रीठा, अलम सोडा (सलाइन तत्व) कपड़े धोने का सोडा, फिनाइल, व ओटगर तत्व तथा फ्लोर और बर्तन	2.00%
130	सभी प्रकार के प्लास्टिक के थैले, कपड़े के थैले, रेक्सिन थैले तथा पोलिथीन बैग्स	3.00%

131	सभी प्रकार के प्लास्टिक का माल और सामान, रेक्सिन, साज-सजावट का सामान, रेशा, रेशे का सामान, कांच, कांच के रेशे, थर्मोकॉल, थर्मोकॉल का माल, चक्रीय और चक्रीय माल आदि	3.00%
132	सभी तरह के फ़ोम, फ़ोम शीट्स, फ़ोम लेदर / चमड़ा	3.00%
133	सभी तरह के हार्डवेयर, एम.एस. वेल्डिंग, छड़ और वेल्डिंग का सामान	2.50%
134	वाशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर, ओवन, माइक्रो-ओवन, मिक्सर, ग्राइंडर, पानी का गीज़र, पानी शोधक और पानी कूलर, एयर कंडीशनर, तथा सभी घरेलू वैद्युत और एलेक्ट्रॉनिक उपकरण और उनके सहायक सामान, पुर्जे और उपसाधन	3.50%
135	सभी प्रकार के भारतीय साबुन तथा धुलाई चूर्ण / पाउडर	2.00%
136	विद्युतीय खिलौने तथा विद्युतीय खेल (गेमस)	3.00%
137	सभी प्रकार के मोटरवाहन, उनके पुर्जे तथा उपसाधन	3.00%
138	सभी प्रकार की सांश्लेषित भूमि-रेत, नदी रेती, पत्थर, रोड़ी तथा बजरी	2.00%

समूह-III

क्र. सं. (1)	माल का वर्णन (2)	स्थानीय निकाय कर (एलबीटी) का दर (3)
1	मुम्बई विदेशी मद्य नियम, 1953 के नियम 5 के उपनियम (6) के खण्ड (1) में समय-समय पर परिभाषित विदेशी मद्य सिवाय वाइन के।	8.00%
2	महाराष्ट्र देशी मद्य नियम, 1973 में परिभाषित देशी मद्य।	8.00%
3	मुम्बई विदेशी मद्य (आयात और निर्यात) नियम, 1963 के नियम 3 के उपनियम (4) में समय-समय पर परिभाषित, के अनुसार भारत संघ के किसी बाहर की जगह से आयातित मद्य।	8.00%
3अ	मुम्बई विदेशी मद्य नियम, 1953 के नियम 3(6)(1) में और मुम्बई विदेशी मद्य (आयात और निर्यात) नियम, 1963 के नियम 3(4) में समय-समय पर परिभाषित वाइन।	8.00%
4	चाशनी, संशोधित स्पिरिट, शुद्ध अल्कोहोल और अति निष्प्रभावी मदिरा।	7.00%
5	उच्च गति डीजल तेल	2.00%
6	विमानन टरबाइन इन्धन (शुल्क अदा किया हुआ)	3.50%
7	विमानन टरबाइन इन्धन (अनुबद्ध) बॉन्डेड	3.50%
8	विमानन गैसोलिन (शुल्क अदा किया हुआ)	3.50%
9	विमानन गैसोलिन (अनुबद्ध) बॉन्डेड	3.50%
10	किसी अन्य प्रकार का मोटर स्पिरिट	2.00%
11	इस अनुसूची-क के समूह 1 प्रविष्टि 10 में उल्लेखित उत्पादों को छोड़कर तम्बाकू, निर्मित तम्बाकू और उनके उत्पाद - सिगार, सिगरेट सहित।	8.00%
12	वातयुक्त और कार्बनीकृत अमादक पेय चाहे चीनी या अन्य मीठा पदार्थ अथवा स्वाद या कोई अन्य योजक सम्मिलित हो या नहीं।	4.00%

समूह-IV

क्र. सं. (1)	माल का वर्णन (2)	स्थानीय निकाय कर (एलबीटी) की दर (3)
1	इस अनुसूची में और अनुसूची 'ख' में समाविष्ट न की गई सभी वस्तुएं।	4.00%

टिप्पण : महाराष्ट्र सरकार के आदेश द्वारा चुंगी की उगाही में ऊपर दी गई किसी भी दर में कोई रियायत या कटौती के होते हुए भी इसी आदेश/अधिसूचना में उल्लेखित नियम एवं शर्तें अधिसूचित होंगी।

अनुसूची- ख

स्थानीय निकाय कर भुगतान से छूट प्राप्त वस्तुओं का वर्णन

[उपविधि 2 (क) एवं 6 (1) देखें]

क्र. सं. (1)	माल का नाम (2)
1	महाराष्ट्र सरकार की अधिसूचना संख्या: वी.ए.टी.-1505/1505/सी.आर.-109/कर-1 तारीख 01 अप्रैल, 2005 द्वारा अधिसूचित हस्तपरिचालित अथवा पशुओं द्वारा चलाए जाने वाले कृषि संबंधी औजार, ऐसे औजारों के उपकरण तथा पुर्जे।
2	महाराष्ट्र सरकार की अधिसूचना सं. वीईटी/1508/सीआर-96/टेक्सेशन-1 तारीख 05 नवम्बर, 2008 द्वारा अधिसूचित व विकलांगों द्वारा प्रयोग किए जाने वाले सहायक उपकरणों, उनके उपसाधन तथा पुर्जे।
3	बैलगाड़ी सहित जानवरों द्वारा चलाई जाने वाली गाड़ियां और उनके उपकरण, पुर्जे और साजो-सामान (बियरिंग, स्क्रू और टायरों के सिवाय)।
4	(अ) जलचर खाद्य, पशुखाद्य, कुक्कुट खाद्य और उनका मिश्रण संपूरक, परिवर्धक। (ब) घास, सूखी घास, गन्ना आदि। (स) अनाज और दलहनों के छिलके तथा भूसी, सरकी पेंड और डि-ऑइलड केकस लेकिन अन्य तेलों के केकस तथा चावल भूसी को छोड़कर।
5	खाने का पान और बिड़ी के पत्ते
6	किताबें, अर्थात् - महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्रद्विष्टित स्कूल पाठ्यपुस्तको, पंचांग सहित प्रत्येक खण्ड अथवा भाग या खण्ड का प्रभाग, पंचांग, यात्री परिवहन सेवा की समय सारणी, पत्रिकाएं, मानचित्र, नक्शे, कृत्रिम सौरमंडलों और ग्लोब, लेकिन व्यावसायिक और वाणिज्यिक किताबें, वार्षिक रिपोर्ट, आवेदन प्रपत्र, लेखा बहियाँ, तुलन-पत्र, कैलेण्डर, डायरियां, सूचिपत्रों, रेस कार्डों, प्रकाशनों जो मुख्यतः वस्तुओं, सेवाओं और लेखों को वाणिज्यिक उद्देश्य से प्रकाशित करते हैं और प्रकाशन, जो आठ पन्नों से अधिक की जगह लिखने के लिए होता है, को छोड़कर।
7	(पिज़्जा, ब्रेड को छोड़कर) लोफ, रोलस अथवा कतले में ब्रेड, टोस्टेड व दूसरे।
8	डंडे का झाड़ू और शौचालय फर्श सहित अन्य फर्श साफ करने के प्रयोग में आने वाले व्रथ।
9	(क) अनाज (धान, चावल और गेहूं के अरिक्त) साबूत, विखंडित अथवा टूटे हुए स्थिति में और इस में से एक या मिश्रण आटा के रूप में। (ख) अकेले बेसन के आटे सहित दलहनों का आटा और अन्य दलहन और अनाज के आटे के साथ अमिश्रित।
10	खडिया
11	लकड़ी का कोयला और बादामी लकड़ी का कोयला(औद्योगिक प्रयोग में आने वाले कोयले को छोड़कर)।
12	(अ) चरखा, आम्बर चरखा और हाथ से काते हुए धागे के उत्पाद में प्रयोग किए जाने वाले औजार और उनके घटक, पुर्जे तथा उपकरण। (ब) खादी वस्त्र (स) हाथ से काते हुए धागे से तैयार की गई वस्तुएं और अन्य सामान।
13	महाराष्ट्र सरकार की अधिसूचना सं. वीईटी/1505/सीआर-109/टेक्सेशन-1 तारीख 01 अप्रैल, 2005 द्वारा अधिसूचित हथकरघा, उपकरण, पुर्जे, उसके संलग्न और सहायक मशीनरी।
14	गांधी टोपी
15	चिकनी मिट्टी की बतियां
16	सभी प्रकार गर्भ-निरोधक, परिवार नियोजन और कैंसर, एचआईवी-एडस के उपचार में प्रयोग की जाने वाली दवा, औषधि, औषधीय संरूपण और उपकरण।
17	लच्छे में सूती और रेशमी धागा।
18	बटरमिल्क, सेपरेटेड मिल्क, लस्सी और दही (किसी ब्रैंड के अधीन बेचा जाने वाला बटरमिल्क, सेपरेटेड मिल्क, लस्सी और दही चाहे मीठा या सुगंधित बनाया गया हो या नहीं।)
19	मिट्टी के बरतन और लाल मिट्टी
20	बिजली / विद्युत
21	(क) केसुआरीना खम्बे और गंधसफेदा के लट्टे और उनके कटे टुकड़ों के छोड़कर जलाऊ लकड़ी। (ख) किसी स्थानीय निकाय से अथवा उनकी ओर से प्राप्त घन कचरे से तैयार किया गया इन्धन। (ग) बायोमास गोलियां।
22	मछली पकड़ने के जाल, मछली-जाल का ढाँचा, मछली पौध, प्रॉन सीड और झींगी बीज।
23	महुआ के फूलों को छोड़कर नये पौधे, वालवृक्ष, और नैसर्गिक फूल।
24	खजूर को छोड़कर ताज़ी सब्जियां, आलू, मीठे आलू, रतालु(हाथी का पांव), प्याज, ताज़ा फल सिवाय फ्रोजन रूप अथवा सीलबंद कंटेनर।
25	लहसुन और अदरक
26	मूल्यवान धातु के अलावा किसी अन्य पदार्थ से बनायी गई चूडियां।
27	महाराष्ट्र सरकार की अधिसूचना सं. वीईटी/1505/सीआर-114/टेक्सेशन-1 तारीख 01 जून, 2005 द्वारा अधिसूचित अनुसूची ए में प्रविष्टि 39 के अधीन उल्लेखित वस्तुओं के सिवाय अभौतिक अथवा अतिसूक्ष्म प्रकार की वस्तुएं।
28	मानव रक्त, उसके घटक तथा उसके उत्पाद।
29	प्लास्टर आफ पैरिस(पी.ओ.पी.) या चिकनी मिट्टी से बनी देवताओं की मूर्तियां।

30	(क) महाराष्ट्र सरकार की अधिसूचना सं. वीईटी/1505/सीआर-109/टेक्सेशन-1 तारीख 01 अप्रैल, 2005 द्वारा अधिसूचित देश में हाथ से बनाए गए संगीत वाद्ययंत्र और कलपुर्जे, और उनके उपकरण।
	(ख) साईकिल, ट्राइसाईकिल्स, साईकल रिक्शा, और उनके पुर्जे, उपकरण साजो-सामान, टायर्स, ट्यूब्स।
31	किसी भी रूप में कुमकुम जिसमें बिंदी, अल्टा और सिंदूर।
32	पत्तों की प्लेटें और कप।
33	(1)(क) कच्चा मीट- फ्रोजन रूप में या सीलबन्द कंटेनर को छोड़कर।
	(ख) पोल्ट्री का कच्चा मांस - फ्रोजन रूप में या सीलबन्द कंटेनर को छोड़कर।
	(ग) समुद्री भोजन जिसमें मछली, प्रॉन्स, लाव्स्टर्स्, कैंकड़ों और झींगी शामिल है, - फ्रोजन रूप में या सीलबन्द कंटेनर को छोड़कर।
	(2) कवचसहित अंडे
	(3) घोड़े को छोड़कर भेड़, बकरियां, सुअर, सुर्गियां और पशु।
34	दूध अर्थात्- उपभोग हेतु परोसा गया द्रव रूप में पशु दूध और निम्न को छोड़कर:-
	(अ) सघनित दूध चाहे मीठा हो या नहीं, और
	(ब) किसी घटक से समाविष्ट दूध और ब्रैण्ड नाम के अधीन बिकने वाला दूध।
35	राष्ट्रीय ध्वज
36	सरकारी कोषागार द्वारा बेचा जाने वाला न्यायिक और गैर-न्यायिक स्टैम्प पेपर, सरकार द्वारा बेची जाने वाली डाक संबंधित वस्तुएं जैसे लिफाफे, पोस्ट कार्ड, आदि।
37	सेन्द्रिय खत (तेल केक और डि-ऑईल्ड केकस्)
38	(क) केले के पत्ते
	(ख) राखी
39	पोहा, लाह्या और चिरमुरा
40	कच्ची ऊन
41	इस अनुसूची अथवा अनुसूची 'क' की किसी अन्य प्रविष्टि जिन वीजों पर लागू है, को छोड़कर सभी प्रकार के वीज।
42	फ्रोजन वीर्य सहित वीर्य
43	रेशम कीड़ा, कृमिकोष और कच्ची रेशम
44	लेख-फलकों/पट्टों को छोड़कर स्लेट और स्लेट पेन्सिल
45	कत्था
46	कोमल हरा नारियल
47	लॉटरी के टिकट
48	नमक, अर्थात्- आयोडिनयुक्त नमक सहित साधारण नमक
49	जल, निम्न के सिवाय:-
	(अ) वातित, खनिजयुक्त, आसवित, औषधीय, आयनिक, बैटरी, गैर-खनिजीय पानी।
	(ब) सीलबंद कंटेनर में बेचा जाने वाला पानी।
	(स) इंजेक्शन के लिए पानी।
50	केरोसिन के अलावा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से वितरित माल/सामान।
51	(i) गुड़
	(ii) मिर्ची, हल्दी, और साबूत इमली - चूर्ण या अलग की हुई।
	(iii) धनिया वीज, मेथी और अजमोद (सुवा) साबूत या चूर्ण।
	(iv) छिलके में नारियल और खोपरा के सिवाय अलग की हुई नारियल की गिरी।
52	मुद्रा के नोट और सिक्के
53	लालटेन और केरोसिन बत्ती, केरोसिन लालटेन, पेट्रोमैक्स लालटेन, केरोसिन स्टोव्स, पेट्रोमैक्स प्रेशर लैम्पस, प्रेशर लैम्पस, कांच चिमनियां और लालटेन, पेट्रोमैक्स गैस मैन्टल्स और उनके सभी के उपसाधन, कलपुर्जे और उपकरण।
54	लाख, शेलांख और उनके उत्पाद।
55	(क) सुगंधी बत्तियां, आमतौर पर अगरबत्ती, धूप, धूपकड़ी अथवा धूप बत्ती।
	(ख) कर्पूर
	(ग) लोवन और राल
56	महाराष्ट्र सरकार की अधिसूचना सं. वीईटी/1509/सीआर-81-बी(1)/टेक्सेशन-1 तारीख 29 जून, 2009 द्वारा अधिसूचित सौर ऊर्जा के उपकरण और उनके अतिरिक्त पुर्जे।
56ए	पूर्वनिर्मित घरेलू वायोगैस इकाईयां।
57	समाचार पत्र
58	सुम्बई खादी और ग्रामीण उद्योग अधिनियम, 1960 (1960 का (XIX) के अधीन सृजित महाराष्ट्र राज्य खादी एवं ग्रामीण उद्योग बोर्ड द्वारा प्रमाणित हाथ से बना हुआ लॉन्ड्री साबून लेकिन इसमें डिटर्जेंट शामिल नहीं होगा।
59	नीरा और ताड़ी।

प्ररूप-‘क’

[उपविधि 3(4) और 3(6) देखें]

रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन

सेवा में,
मुख्य कार्यपालक अधिकारी,
छावनी परिषद पुणे
गोलीबार मैदान, पुणे 411 001

फोटो

1. आवेदक का नाम (स्पष्ट अक्षरों में) _____
2. आवेदक की स्थिति _____ (मालिक / साझेदार / हिंदू अविभाजित कुटुंब का कर्ता/प्रबंधक/निदेशक/सचिव/प्रधान अधिकारी, व्यक्तियों का समूह/ कृत्रिम विधिक व्यक्ति, आदि)
3. व्यवसाय का नाम (स्पष्ट अक्षरों में) _____
4. व्यवसाय के प्रारंभ होने के तारीख _____
5. व्यवसाय के मुख्य स्थल का पूरा पता _____
_____ पिन कोड _____
6. व्यवसाय कागठन _____ (स्वामित्व / भागीदारी / हिंदू अविभाजित परिवार / प्राइवेट लिमिटेड कंपनी / लिमिटेड कंपनी / सहकारिता समिति आदि)
7. व्यवसाय की प्रकृति (निर्माता / पुनर्विक्रेता / अन्य) उल्लेख करें _____
8. कारबार की सामग्री (सामान्य विवरण) _____
9. कारबार के अतिरिक्त स्थल / स्थलों का पता, यदि कोई हो, _____

10. दूरभाष सं. (एसटीडी कोड सहित) _____
11. फैक्स नं. _____
12. ई-मेल पता _____
13. बैंक खाते का विवरण:-

क्र. सं.	बैंक का नाम	शाखा का नाम	खाता सं.

14. महाराष्ट्र मूल्य परिवर्धन कर अधिनियम, 2002 (महाराष्ट्र अधिनियम, 2005 का IX) के तहत रजिस्ट्रीकरण सं. _____ तारीख _____
15. दुकान और प्रतिष्ठान अधिनियम के तहत प्रमाणपत्र सं. _____ तारीख _____
16. आयकर पैन सं. _____
17. स्वत्वधारी / सभी भागीदारों / कंपनी के सभी निदेशकों / कारबार के / समिति की प्रबंधक समिति, क्लब या अन्य संघों के सभी सदस्यों / कारबार में रुचि रखने वाले सभी व्यक्तियों के नाम और स्थायी आवासीय पते ((हिंदू अविभाजित कुटुंब के सदस्यों सहित) उनकी आयु और पिता का नाम, इस प्रकार है:-

क्र. सं.	पूरा नाम	आयु	स्थायी आवासीय पते

(यदि नाम पाँच से अधिक हों, तो आवेदक द्वारा तारीख और विधिवत हस्ताक्षर कर उपरोक्त विवरण के साथ एक अलग शीट इसके साथ लगानी चाहिए।)

18. पुणे छावनी बोर्ड (स्थानीय निकाय कर) उपविधि, 2015 के तहत रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया जा रहा है।

(1) (क) व्यापारी जो एक 'आयातक' है जिसका सभी बिक्री / खरीद का आवर्त (जो लागू न हो उसे काट दे) प्रथम निर्धारित सीमा उपविधि 4 के खण्ड (1) के उप-खण्ड (क) के तहत वर्ष के दौरान, जो 01 अप्रैल, _____ (यहां वर्ष का उल्लेख करें) को _____ (यहां उस तारीख का उल्लेख करें जिससे आवर्त निर्धारित सीमा से अधिक हुआ)। आवर्त का विवरण है:-

- (i) _____ से _____ तक छावनी में आयातित माल का मूल्य रु. _____ ।
(ii) _____ से _____ तक अनुसूची-'क' के खरीदे/बेचे गए माल का मूल्य रु. _____ ।
(iii) _____ से _____ तक खरीदे/बेचे गए माल (कर योग्य और कर-मुक्त) का मूल्य रु. _____ ।

(ख) जैसा अन्य, सभी बिक्री / खरीद का आवर्त निर्धारित सीमा से अधिक, उपविधि 4 के खंड (1) के उप-खंड (ख) में जो वर्ष 01 अप्रैल _____ (यहां वर्ष का उल्लेख करें) को _____ (यहां उस तारीख का उल्लेख करें जिससे आवर्त निर्धारित सीमा से अधिक हुआ)।

आवर्त का विवरण है:-

- (i) _____ से _____ तक अनुसूची-क में से खरीदे/बेचे गए माल का मूल्य रु. _____ ।
(ii) _____ से _____ तक खरीदे/बेचे गए माल (कर योग्य और कर-मुक्त) का मूल्य रु. _____

(2) के कारण :-

(क) _____ * मालिकाना कारबार से साझेदारी कारबार / साझेदारी कारबार से मालिकाना कारबार / मालिकाना साझेदारी कारबार से प्राइवेट लिमिटेड कंपनी / लिमिटेड कंपनी व्यवस्था में परिवर्तन (*जो कुछ भी लागू नहीं है, काट दें) _____ से प्रभावी

(ख) _____ से प्रभावी स्थानीय निकाय कर रजिस्ट्रीकरण सं. _____ के तहत व्यवसाय का आंशिक स्थानांतरण / पूरे व्यवसाय का स्थानांतरण।

(3) व्यवसाय में उत्तराधिकारी के रूप में उपविधि 6 के खंड (7) / * खंड (3) के उप-खंड (i) के तहत स्थानीय निकाय कर रजिस्ट्रीकरण _____ / _____ से प्रभावी। (*जो कुछ भी लागू नहीं है, काट दें)

ऊपर के कथन मेरे ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही हैं।

स्थान :

हस्ताक्षर

तारीख :

पदनाम

19. साझीदारों / फर्म / कंपनी के निदेशकों द्वारा घोषणा: -

हम, एतद् द्वारा घोषित करते हैं कि हम _____ के रूप में जाना जाने वाला व्यवसाय
 _____ (स्थान) तथा छावनी में अन्य स्थानों पर करते हैं और उक्त भागीदारी फर्म/कंपनी के
 रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन में निहित बयान हमारे ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही हैं।

क्र. सं.	प्रत्येक भागीदार का पूरा नाम, उसके पिता का नाम और कुलनाम सहित)	स्थायी आवासीय पते	भागीदारी के हिस्से की मात्रा	अन्य सभी स्थानीय कारबारों के पते जिसमें भागीदार का कोई हिस्सा या हित है	हस्ताक्षर

स्थान :

तारीख :

हस्ताक्षर

पदनाम

[केवल कार्यालय प्रयोग हेतु]

भुगतान की गई फीस का विवरण : रु. _____/- 4-बी रसीद सं. _____ तारीख _____
 द्वारा अदा की।

प्राप्त करने वाले अधिकारी के हस्ताक्षर

पावती

_____ से स्थानीय निकाय कर उपनियम के खंड 3 के तहत प्ररूप-क में रजिस्ट्रीकरण लिए आवेदन प्राप्त किया।

क्र. सं. _____

अधिकारी जिसके समक्ष आवेदक को खातों के सत्यापन के लिए बुलाया गया _____

तारीख :

प्राप्त करने वाला अधिकारी

प्ररूप-‘ब’

[उपविधि 9 (1) देखें]

रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र

क्र. सं. _____

सं. _____

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री/मेसर्स _____ जो कारबार कर रहे हैं
 _____ (पता) छावनी में स्थित कारबार के केवल /
 मुख्य जगह पर _____ कारबार कर रहे हैं को पुणे छावनी बोर्ड, पुणे(स्थानीय निकाय कर) उपविधि, 2015 के
 उपविधि 3 के अधीन व्यौहारी के रूप में _____ से रजिस्ट्रीकृत किया गया है।

इस व्यौहारी का यह व्यवसाय पूर्णतया/मुख्यतः/आंशिक रूप से माल की _____ वर्ग (सामान्य विवरण) से संबंधित है।

यह व्यौहारी अन्य जगहों पर भी व्यवसाय करता है। अतिरिक्त व्यवसाय के स्थान:-

(क) गोदामों के सिवाय _____

(ख) गोदाम _____

यह व्यौहारी निम्नलिखित वर्णित प्रसंस्करण की गतिविधि कार्य के आधार पर करता है :-

मुहर

स्थान :

तारीख :

जारी करने वाले प्राधिकारी के हस्ताक्षर

पदनाम

प्ररूप-‘ग’

[उपविधि 15 (2) देखें]

रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को रद्द करने के लिए आवेदन

सेवा में,
 मुख्य कार्यपालक अधिकारी
 पुणे छावनी परिषद, गोलीबार मैदान,
 पुणे – 411 001

मैं, _____ (यहाँ आवेदन पर हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति की हैसियत का उल्लेख करें)
 _____ की ओर से (यहाँ पर फर्म, कंपनी का नाम आदि लिखें) जो व्यवसाय कर रहा हूँ _____ (यहाँ पर
 व्यवसाय की प्रकृति का उल्लेख करें) जिसका स्थानीय निकाय कर उपविधि के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र सं. _____ है,

जिसका छावनी में केवल / मुख्य कारबार स्थान - _____ (व्यवसाय का पूर्ण पता) है। एतद् द्वारा निम्नलिखित कारण से स्थानीय निकाय कर उपविधि 15 के अधीन उपरोक्त प्रमाणपत्र या रजिस्ट्रीकरण को रद्द किए जाने के लिए आवेदन करता हूँ :-

* (क) उपरोक्त व्यवसाय तारीख _____ से बंद कर दिया गया है।

* (ख) वर्ष के दौरान व्यवसाय की कुल बिक्री और खरीद स्थानीय निकाय कर उपविधि 4 में विनिर्दिष्ट सीमा से कम हुई जिसका विवरण नीचे दिया गया है :-

अवधि	आयातित वस्तुओं का मूल्य (रु. में)	छावनी में सभी व्यवसाय स्थानों पर कुल बिक्री का आवर्त		छावनी में सभी व्यवसाय स्थानों का आवर्त	
		कर योग्य वस्तुएँ (रु. में)	गैर-कर योग्य वस्तुएँ (रु. में)	कर योग्य वस्तुएँ (रु. में)	गैर-कर योग्य वस्तुएँ (रु. में)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)

* (ग) निम्नलिखित परिवर्तन प्रभावी होने से कारबार के स्वामित्व हक में _____

* (घ) उक्त कारबार से पूर्णतः समाप्त करने पर _____

* (ङ) कारबारके अतिरिक्त स्थान समाप्त होने पर _____ से प्रभावी

* (च) कारबार का स्थान निम्नलिखित पते पर बदलने पर _____

* (छ) निम्नलिखित अन्य कारण :- _____
रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की मूल प्रति संलग्न है।

यदि रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की मूल प्रति संलग्न नहीं की गई हो तो उसका कारण बताएं

मैं, _____ एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ कि उपरोक्त कथन मेरे ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य हैं।

स्थान :

तारीख :

**हस्ताक्षर

पदनाम

*जो भी लागू न हो, उसे काट दें।

**व्यौहारी या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किया जाए।

पावती

रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र रद्द करने के लिए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की मूल प्रति के साथ / मूल प्रति के बिना प्ररूप 'ग' में श्री _____ द्वारा हस्ताक्षरित तारीख _____ का आवेदन प्राप्त हुआ।

स्थान :

तारीख :

प्राप्त करने वाला अधिकारी

प्ररूप- 'घ'

[उपविधि 17 देखें]

माल की खरीद और पावती के लिए रजिस्टर

क्र. सं.	बिल नं. एवं तारीख	विक्रेता का नाम और पता	एलबीटी रजिस्ट्रीकरण संख्या	माल	कुल बिल राशि	स्थानीय निकाय कर से छूट प्राप्त माल का खरीद मूल्य	माल का खरीद मूल्य / संसाधन प्रभार, स्थानीय निकाय कर प्रभार्य	स्थानीय निकाय कर की दर	देय स्थानीय निकाय कर
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

व्यौहारी को निम्नलिखित के अनुसार खरीद के रजिस्टर बनाये चाहिए:-

1. यह कालक्रम के अनुसार (तारीख वार) होना चाहिए।
2. माल की प्रविष्टि उसके छावनी में प्राप्त होने की तारीख के अनुसार की जानी है।
3. खरीद / आयात का विवरण शामिल किया जाए अर्थात्
 - (क) बीजक संख्या और तारीख
 - (ख) विक्रेता / प्रेषिति का नाम और पता
 - (ग) यदि स्थानीय आर.डी. है तो आर.सी. सं.
 - (घ) यदि स्थानीय नहीं है तो, विक्रेता द्वारा माल कहीं से भेजा गया
 - (ङ) शाखा स्थानांतरण के मामले में खरीद मूल्य अर्थात् माल की कीमत

प्ररूप: 'ड'

[उपविधि 27 देखें]

वार्षिक विवरणी प्ररूप

विवरणी-सह-चालान

अवधि :- _____ से _____ तक

स्थानीय निकाय कर रजिस्ट्रीकरण संख्या _____

व्यक्ति का नाम और पता _____

मोबाईल/टेलीफोन नम्बर _____

भाग-I

1. सभी बिक्री का आवर्त (छावनी बोर्ड बाहर परेषण आधार पर भेजे गए माल के मूल्य सहित) रु. _____
2. माल विवरण (खरीद द्वारा, अंतरण द्वारा और माल की वापसी/रद्दकरण द्वारा) रु. _____

भाग-II

3. उपभोग, या बिक्री के लिए प्राप्त माल का मूल्य (रुपयों में) : -
 - (क) आयात द्वारा _____
 - (ख) अंतरण द्वारा _____
 - (ग) माल की वापसी/रद्दकरण द्वारा _____
4. कुल रुपये _____
5. घटाएं (माल का मूल्य रुपयों में) : -
 - (क) स्थानीय रजिस्ट्रीकृत व्यापारी से खरीद _____
 - (ख) छावनी के भीतर अंतरण द्वारा प्राप्त _____
 - (ग) छह महीने में वापस/रद्द किए जाने के कारण प्राप्त _____
 - (घ) अनुसूची-ख में वर्णित माल के लिए छूट _____
 - (ङ) उपविधि 26 के तहत छूट _____
6. कुल (क) से (ङ) का रु. _____
7. उस माल का मूल्य जिस पर स्थानीय निकाय कर देय हो (4-6) रु. _____
8. भाग-2 में उल्लिखित माल पर देय स्थानीय निकाय कर की गणना:

आयातित माल	अनुसूची प्रविष्टि द्वारा समावेशित माल	लागू स्थानीय निकाय कर की दर	उस माल की कीमत जिस पर स्थानीय निकाय कर दिया जाना है	देय स्थानीय निकाय कर की राशि
1	2	3	4	5

भाग-III

9. उपनियम 30 के अधीन निर्यात के लिए आयात किए गए माल का विवरण:-
 - (क) 01 अप्रैल, _____ को निर्यात माल का प्रारंभिक स्टॉक रु. _____
 - (ख) वर्ष के दौरान उपविधि 30 के अधीन निर्यात के लिए आयातित माल की कीमत रु. _____
10. (क) और (ख) का कुल योग रु. _____

11. छः माह के भीतर निर्यात किए गए माल की कीमत रु. _____
12. छः माह के भीतर निर्यात नहीं किए गए माल का मूल्य
और जिस पर स्थानीय निकाय कर देय है रु. _____
13. निर्यात न की गई शेष वस्तुओं का मूल्य और जिसके संबंध में छः माह की अवधि पूरी नहीं हुई है रु. _____
14. छः माह के भीतर निर्यात किए गए माल की स्वीकार्य वापसी (स्तंभ 11) रु. _____
15. स्तंभ 12 में उल्लिखित माल के मूल्य पर लगाए जाने वाले स्थानीय निकाय कर की गणना:-

आयातित माल	अनुसूची प्रविष्टि द्वारा समावेशित माल	लागू स्थानीय निकाय कर की दर	उस माल की कीमत जिस पर स्थानीय निकाय कर दिया जाना है	देय स्थानीय निकाय कर की राशि
1	2	3	4	5

भाग-IV

उपविधि 26 के खण्ड (4) के अधीन ठेके पर संसाधन हेतु आयातित माल का विवरण

16. (क) 01 अप्रैल, _____ को आयातित किया गया माल, जो संसाधित नहीं पाया गया, के प्रारंभिक स्टॉक का मूल्य रु. _____
- (ख) वर्ष के दौरान ठेके के आधार पर संसाधन हेतु आयातित माल का मूल्य रु. _____
17. (क) और (ख) का कुल योग रु. _____
18. छः माह के भीतर संसाधित और निर्यात किए गए माल का मूल्य रु. _____
19. (क) छः माह के भीतर संसाधित और निर्यात नहीं किए गए माल का मूल्य रु. _____
- (ख) छः माह के भीतर संसाधित किए गए परंतु निर्यात नहीं किए गए माल का मूल्य रु. _____
20. 19 (क) और (ख) का कुल योग जिस पर स्थानीय निकाय कर देय है रु. _____
21. उस माल का मूल्य जो संसाधित नहीं किया गया / संसाधित नहीं किया गया और निर्यात नहीं किया गया और जिसके संबंध में छः माह की अवधि पूरी नहीं हुई है रु. _____
22. स्तंभ 20 में दिखाए गए ऐसे माल पर देय स्थानीय निकाय कर की गणना, जो आयात तो किया गया परंतु छः मास के भीतर निर्यात नहीं किया जा सका। रु. _____

आयातित माल	अनुसूची प्रविष्टि द्वारा समावेशित माल	लागू स्थानीय निकाय कर की दर	उस माल की कीमत जिस पर स्थानीय निकाय कर दिया जाना है	देय स्थानीय निकाय कर की राशि
1	2	3	4	5

भाग-V

संसाधन हेतु छावनी के बाहर निर्यात किए गए एवम् संसाधन के पश्चात आयात किए गए माल की कीमत
[उपविधि 26 खण्ड (3) देखें]

23. (क) संसाधन हेतु छावनी के बाहर निर्यात किए गए माल के प्रारंभिक स्टॉक की कीमत जिसको 01 अप्रैल, _____ आयात नहीं किया गया रु. _____
(ख) वर्ष के दौरान संसाधन के लिए छावनी के बाहर निर्यात किए गए माल की कीमत रु. _____
24. 23 (क) और (ख) का कुल योग रु. _____
25. (क) छः मास के दौरान संसाधन के लिए निर्यात किए गए एवम् संसाधन के पश्चात पुनः आयात किए गए माल की कीमत (संसाधन एवम् अन्य प्रभार आदि को छोड़कर) रु. _____
(ख) छः माह के भीतर पुणे छावनी के बाहर संसाधन के पश्चात पुनः आयात किए गए माल के संबंध में मूल्य वर्द्धन अर्थात्, संसाधन प्रभार, वाहन एवम् अन्य प्रासंगिक प्रभार आदि रु. _____
26. स्तंभ 24 में से संसाधन के लिए निर्यात किया गया माल जो छः माह के भीतर वापस नहीं मिला, की कीमत रु. _____
27. संसाधन के लिए निर्यात किए गए माल की कीमत और जहाँ छः माह की अवधि पूरी नहीं हुई है। रु. _____
28. स्तंभ 25 (ख) के संबंध में स्थानीय निकाय कर की गणना

राशि रु. में

अनुसूची प्रविष्टि द्वारा आयातित माल	लागू स्थानीय निकाय कर की दर	संसाधित एवम् आयातित माल की कीमत	देय स्थानीय निकाय कर	संसाधन के लिए भेजे गए माल की समरूपी कीमत	कीमत पर अदा किया गया स्थानीय निकाय कर	अदायगी के लिए शेष
1	2	3	4	5	6	7

भाग-VI

उपविधि 30 (निर्यातित) के अधीन स्थानीय निकाय कर की प्रतिदाय का दावा

29. छः मास के भीतर उपविधि 30 (निर्यातित) के अधीन निर्यातित किए गए माल की कीमत रु. _____
30. स्तंभ 29 के संबंध में वापसी की गणना

माल	अनुसूची प्रविष्टि द्वारा समावेशित माल	स्थानीय निकाय कर की दर	निर्यात किए गए माल की कीमत रु. में	समरूपी खरीद मूल्य जिस पर स्थानीय निकाय कर अदा किया गया रु.	संदत किया गया स्थानीय निकाय कर रु.	पहले संदत की गई राशि की 75% वापसी रु. में
1	2	3	4	5	6	7

भाग-VII

कुल संदेय स्थानीय निकाय कर की गणना

31. देय स्थानीय निकाय कर के अनुसार :-

(क)	मद 08	रु. _____
(ख)	मद 15	रु. _____
(ग)	मद 22	रु. _____
(घ)	मद 28	रु. _____

32. कुल योग रु. _____

33. घटाएं

(क) मद 30 के अनुसार वापसी की राशि रु. _____

(ख) तारीख _____ के चालान द्वारा अदा की गई राशि रु. _____

34. कुल योग रु. _____

35. देय कर / वापसी की निवल राशि (जो लागू न हो, उसे काट दें):-

(क) कर रु. _____

(ख) ब्याज रु. _____

(ग) दण्ड रु. _____

(घ) जमा प्रतिभूति रु. _____

(ङ) शुल्क रु. _____

36. कुल योग रु. _____

37. विवरणी व चालान के साथ अदा की गई राशि

(शब्दों में) रु. _____

(आंकड़ों में) रु. _____

38. राशि नकद / चैक नं. _____ तारीख _____ बैंक _____ शाखा _____

बैंक खाता सं _____ अदा की।

उपरोक्त विवरण मेरे ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य है।

तारीख :

स्थान :

हस्ताक्षर

कार्यालय प्रयोग के लिए

रु. _____ (शब्दों में) रु. _____ राशि प्राप्त की।

तारीख :

स्थान :

खजांची / लेखाकार

कर वसूली – बैंक के लिए चालान	कर वसूली – बैंक के लिए चालान छावनी बोर्ड, पुणे को भेजें	करदाता के लिए चालान
नाम और पता	नाम और पता	नाम और पता
आर.सी. नं.	आर.सी. नं.	आर.सी. नं.
अवधि _____ से _____ तक	अवधि _____ से _____ तक	अवधि _____ से _____ तक
रु. स्थानीय निकाय कर व्याज दंड प्रतिभूति राशि फीस कुल राशि	रु. स्थानीय निकाय कर व्याज दंड प्रतिभूति राशि फीस कुल राशि	रु. स्थानीय निकाय कर व्याज दंड प्रतिभूति राशि फीस कुल राशि
विवरणी-व-चालान के साथ अदा की गई राशि (शब्दों में) _____ _____ (अंकों में) अदा की गई राशि नकद / चैक सं. _____ तारीख _____ बैंक _____ शाखा तारीख _____ स्थान _____ पदनाम _____ हस्ताक्षर _____	विवरणी-व-चालान के साथ अदा की गई राशि (शब्दों में) _____ _____ (अंकों में) अदा की गई राशि नकद / चैक सं. _____ तारीख _____ बैंक _____ शाखा तारीख _____ स्थान _____ पदनाम _____ हस्ताक्षर _____	विवरणी-व-चालान के साथ अदा की गई राशि (शब्दों में) _____ _____ (अंकों में) अदा की गई राशि नकद / चैक सं. _____ तारीख _____ बैंक _____ शाखा तारीख _____ स्थान _____ पदनाम _____ हस्ताक्षर _____
केवल कार्यालय प्रयोग के लिए रु. _____ /- (अंकों में) _____ (शब्दों में) प्राप्त की। प्रविष्टि की तारीख _____ चालान सं. _____	केवल कार्यालय प्रयोग के लिए रु. _____ /- (अंकों में) _____ (शब्दों में) प्राप्त की। प्रविष्टि की तारीख _____ चालान सं. _____	केवल कार्यालय प्रयोग के लिए रु. _____ /- (अंकों में) _____ (शब्दों में) प्राप्त की। प्रविष्टि की तारीख _____ चालान सं. _____

प्ररूप- "च"

[उपविधि 16 एवं 27 (1) देखें]

कारबार के प्रबंधक के नाम की घोषणा

सेवा में,

में _____ एक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति हूँ/

में, _____ (फर्म, कंपनी आदि) का भागीदार

/ निदेशक / प्रबंधक / न्यासी / प्रभारी अधिकारी, जो रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी है, कारबार _____

नाम से चला रहा है, स्थान _____ का उसके पास रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र सं.

_____ तारीख _____ है। एतद् द्वारा सूचित करता हूँ कि _____ से मैंने उपरोक्त _____

(फर्म, कंपनी आदि मैं श्री / श्रीमती / कुमारी _____ को नामित किया है, (जिसका पता) _____ है और उसके तीन नमूना हस्ताक्षर नीचे दिए गए हैं जिनका उपयोग छावनी बोर्ड, पुणे (स्थानीय निकाय कर) उपविधि, 2015 के प्रयोजन से, मेरी ओर से / उपरोक्त कंपनी की ओर से उपयोग करेंगे। मैंने / उपरोक्त _____ (फर्म, कंपनी आदि) ने स्थानीय निकाय कर उपविधियों के प्रयोजन से श्री / श्रीमती / कुमारी _____ (पता) _____ को उपरोक्त _____ (फर्म, कंपनी आदि) में व्यवसाय का प्रबंधक घोषित किया है। नामित व्यक्ति के हस्ताक्षर के नमूने _____

मैं एतद् द्वारा घोषित करता हूँ कि यह नामांकन मेरे द्वारा / उपरोक्त _____ (फर्म, कंपनी आदि) संबंध में सभी नामांकनों का अधिक्रमण करता है।

मैं _____ / उपरोक्त _____ (फर्म, कंपनी आदि) एवं उपरोक्त हस्ताक्षरित नामित छावनी बोर्ड, पुणे (स्थानीय निकाय कर) उपविधि-2105 के प्रयोजन से सभी वचनबद्धताओं और उपरोक्त जारी एवम् हस्ताक्षरित प्रमाणपत्रों के विवरण विहित सभी शर्तों का निर्वहन करने के लिए उत्तरदायी होऊंगा।

स्थान :

हस्ताक्षर

तारीख :

पदनाम

* (जो भी लागू न हो, उसे काट दें)

प्ररूप "छ"

[उपविधि 27 (3) और 31 (4) देखें]

सेवा में,

संदर्भ सं. _____

आपको एतद् द्वारा मेरे कार्यालय _____ में _____ को या उससे पूर्व _____ से _____ तक अवधि के लिए सभी माल की कुल बिक्री एवम् खरीद की विवरणी (प्ररूप ड-1/ड-11) (प्रति संलग्न) मेरे समक्ष प्रस्तुत की जानी अपेक्षित है और तदनंतर वैसी ही प्रत्येक वर्ष प्रासंगिक अवधि की समाप्ति के पंद्रह दिन के भीतर की जाए।

मुहर

स्थान:

हस्ताक्षर

तारीख :

पदनाम

प्ररूप "ज"
[उपविधि 31 (7) देखें]
नोटिस

मेसर्स,

रजि. सं. _____

जबकि, मैं अपने आपको समाधान करना चाहता हूँ कि _____ से _____ तक की अवधि की आपके द्वारा जमा की गई विवरणियाँ सही और पूर्ण हैं ;

जबकि, रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी होने के नाते आपने _____ से _____ तक की अवधि की विवरणियाँ निर्धारित तारीख तक जमा नहीं की।

जबकि, _____ से _____ तक की अवधि के लिए स्थानीय निकाय कर उपविधियों के अधीन कर अदा करने के लिए जिम्मेदार होने के बावजूद आप छावनी बोर्ड, पुणे (स्थानीय निकाय कर) उपविधि, 2015 की उपविधि 3 के अधीन रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करने में विफल रहे हैं।

अतः आपको एतद् द्वारा निदेश दिया जाता है कि आप _____ को _____ बजे _____ (स्थान) उपस्थित हों और

* (1) विवरणियों के समर्थन में कोई भी प्रमाण प्रस्तुत करें या प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए जिम्मेदार लें और उसी प्रकार निम्नलिखित कागजात और लेखे प्रस्तुत करें या प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी लें।

बिक्री एवं खरीद रजिस्टर, खाता लेखा-बही, स्टॉक रजिस्टर, व्यापार लेखा, लाभ एवं हानि खाता, तुलना-पत्र, बिक्री एवं खरीद की माहवार सारांश विवरणियाँ, वापसी के दावे आदि और निम्नलिखित सूचना प्रस्तुत करें या करने की जिम्मेदारी लें।

* (2) कारण बताएं कि आपका मूल्यांकन उपरोक्त छावनी बोर्ड (स्थानीय निकाय कर) उपविधि, 2015 की उपविधि 31 के खंड 3 के उपखण्ड (i), (ii), (iii), (iv) / खंड 4 का (i), (ii) / खंड (5) / खंड (6) के अधीन किया जाए।

* (3) कारण बताएं कि आप पर छावनी बोर्ड, पुणे (स्थानीय निकाय कर) उपविधि, 2015 की उपविधि 44 के खण्ड (1) के अधीन दण्ड क्यों न लगाया जाए;

* आप इस बात का भी कारण बताएं कि अधिनियम की धारा 333 के अधीन आप पर दण्ड क्यों नहीं लगाया जाना चाहिए।

* आप इस बात का भी कारण बताएं कि _____ से _____ तक की अवधि के लिए आपके विरुद्ध उपरोक्त उपविधि के उपविधि 44 के खण्ड (6) के अधीन दण्ड क्यों नहीं लगाया जाना चाहिए।

मुहर

स्थान:

तारीख :

हस्ताक्षर

पदनाम

* (जो भी लागू न हो, उसे काट दें)

प्ररूप-‘झ’
[उपविधि सं. 31 (9) देखें]

निर्धारण आदेश

_____ से _____ तक की अवधि

व्यौहारी का नाम और पता _____

टेलीफोन नम्बर _____

रजिस्ट्रीकरण संख्या _____

भाग-I

मद

व्यौहारी द्वारा वापस

मूल्यांकित

1. छावनी के बाहर भेजा गया कुल माल की
और सकल आवर्त का बिक्री मूल्य रु. _____ रु. _____

2. स्थानांतरण आधार पर बाहर से प्राप्त
माल का कुल मूल्य और कुल खरीद मूल्य
(जैसाकि नीचे मद 3 में दर्शाया गया है) रु. _____ रु. _____

भाग-II

3. प्राप्त माल का व्यौरा

उपभोग/उपयोग या बिक्री के लिए प्राप्तमाल का मूल्य रुपयों में

(क) खरीद द्वारा _____

(ख) स्थानांतरण द्वारा _____

(ग) माल की वापसी द्वारा/रद्द होने के कारण _____

4. कुल _____

5. घटाएं

माल का मूल्य रुपयों में

(क) स्थानीय रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी से खरीद _____

(ख) छावनी के भीतर स्थानांतरण द्वारा प्राप्त _____

(ग) छः मास के भीतर वापस/रद्द किए जाने
के कारणप्राप्त _____

(घ) अनुसूची ख के अधीन माल पर छूट _____

(ङ) उपविधि 26 (2) के तहत छूट,
सरकार से संबंधित _____

6. कुल _____

7. उस माल का मूल्य जिस पर स्थानीय
निकाय कर लागू हो(4-6) _____

8. भाग- I। में उल्लिखित माल पर देय स्थानीय निकाय कर की गणना

व्यौहारी द्वारा वापस किया गया

माल	अनुसूची प्रविष्टि	स्थानीय निकाय कर की दर	उस माल की कीमत जिस पर स्थानीय निकाय कर देय है, रु.	देय स्थानीय निकाय कर की राशि
क	ख	ग	घ	ङ
			कुल	

मूल्यांकित किया गया

माल	अनुसूची प्रविष्टि	स्थानीय निकाय कर की दर	उस माल की कीमत जिस पर स्थानीय निकाय कर देय है, रु.	देय स्थानीय निकाय कर की राशि
क	ख	ग	घ	ङ
			कुल	

भाग-III

9. उपविधि 26 के अधीन निर्यात के लिए आयात किए गए माल का विवरण:-

मद	व्यौहारी द्वारा वापस	निर्धारित
(क) निर्यात के लिए प्राप्त वस्तुओं का मूल्य जिन्हें वर्ष के अन्त तक निर्यात नहीं किया गया	रु. _____	रु. _____
(ख) वर्ष के दौरान निर्यात के लिए आयात की गई वस्तुओं की कीमत	रु. _____	रु. _____
10. उपविधि 25 के तहत निर्यात किए माल की कुल कीमत	रु. _____	रु. _____
11. कटौती -		
उपविधि 26 के अधीन निर्यात किए माल की कीमत और अनुसूची ख के तहत माल पर छूट	रु. _____	रु. _____
12. उस माल की कीमत जिस पर स्थानीय निकाय कर देय है	रु. _____	रु. _____
13. देय स्थानीय निकाय कर की गणना	रु. _____	रु. _____

वापस किया गया

माल	अनुसूची प्रविष्टि	स्थानीय निकाय कर की दर	उस माल की कीमत जिस पर स्थानीय निकाय कर देय है रु.	देय स्थानीय निकाय कर की राशि
क	ख	ग	घ	ङ
			कुल	

निर्धारितानुसार

माल	अनुसूची प्रविष्टि	स्थानीय निकाय कर की दर	उस माल की कीमत जिस पर स्थानीय निकाय कर देय है रु.	देय स्थानीय निकाय कर की राशि
क	ख	ग	घ	ङ
			कुल	

भाग-IV

उपविधि 26 के खण्ड (4) अधीन कार्य पर संसाधन हेतु आयातित माल का विवरण

- मद** **व्योहारी द्वारा वापस** **मूल्यांकित**
- 14.(क) आयात किया गया माल, जो वर्ष के अंत तक संसाधित नहीं हो सका, का मूल्य रु. _____ रु. _____
- (ख) वर्ष के दौरान कार्य के आधार पर आयात किए गए माल का मूल्य रु. _____ रु. _____
15. कुल मूल्य रु. _____ रु. _____
16. उपरोक्त में से वर्ष के दौरान छः मास के भीतर संसाधित और निर्यात किए गए माल का मूल्य रु. _____ रु. _____
17. निर्यात न किए गए शेष माल का मूल्य रु. _____ रु. _____
18. छः माह के भीतर निर्यात न किए गए माल का मूल्य जिस पर स्थानीय निकाय कर देय होता है रु. _____ रु. _____
19. उस माल का मूल्य जिस पर अगले वर्ष के लिए अग्रेषित स्थानीय निकाय कर लागू नहीं होता रु. _____ रु. _____
20. स्तंभ 18 के अधीन आयात किया गया माल जिसे छः माह के भीतर निर्यात नहीं किया गया, पर देय स्थानीय निकाय करकी गणना

वापस किया

अनुसूची प्रविष्टि द्वारा समावेशित माल	लागू स्थानीय निकाय कर की दर	उस माल की कीमत जिस पर स्थानीय निकाय दिया जाना है रु.	देय स्थानीय निकाय कर की राशि रु.
क	ख	ग	घ
		कुल	

मूल्यांकित

अनुसूची प्रविष्टि द्वारा समावेशित माल	लागू स्थानीय निकाय कर की दर	उस माल की कीमत जिस पर स्थानीय निकाय दिया जाना है रु.	देय स्थानीय निकाय कर की राशि रु.
क	ख	ग	घ
		कुल	

भाग-V**संसाधन हेतु छावनी से बाहर निर्यात किए गए एवम् संसाधन के पश्चात् आयात किए गए माल का विवरण**

[उपविधि 26 के खण्ड (3) देखें]

मद	व्यौहारी द्वारा वापस	मूल्यांकित
21. (क) संसाधन के लिए निर्यात किए गए माल का मूल्य, और जिसे वर्ष के अंत तक आयात नहीं किया गया	रु. _____	रु. _____
(ख) वर्ष के दौरान संसाधन के लिए निर्यात किए गए माल का मूल्य	रु. _____	रु. _____
22. कुल	रु. _____	रु. _____
23. उपरोक्त में से छः मास के भीतर संसाधन के पश्चात् आयात किए गए माल का मूल्य (संसाधन, पुर्जे, वाहन एवं प्रासंगिक प्रभार शामिल हैं)	रु. _____	रु. _____
24. संसाधन के लिए छावनी के बाहर भेजा गया माल जो वर्ष के अंत तक वापस नहीं आया, का कुल मूल्य	रु. _____	रु. _____
25. मद सं. 24 में से संसाधन के लिए भेजा गया माल जो छः महीने के भीतर वापस नहीं हुआ का कुल मूल्य	रु. _____	रु. _____
26. संसाधन के लिए भेजा गया माल कुल मूल्य और जहाँ छः महीने की अवधि पूर्ण नहीं हुई और जो वर्ष के अंत तक आयात के लिए बकाया है (24-25)	रु. _____	रु. _____
27. स्थानीय निकाय कर की गणना वापस किया गया		राशि रु. में

अनुसूची प्रविष्टि द्वारा समावेशित आयातित माल	लागू स्थानीय निकाय कर की दर	संसाधित एवम् आयातित माल की कीमत	देय स्थानीय निकाय कर	संसाधन के लिए भेजे गए माल की समरूपी कीमत	कीमत पर अदा किया गया स्थानीय निकाय कर	अदायगी के लिए शेष (4-6)
1	2	3	4	5	6	7
					कुल	

मूल्यांकित

राशि रु. में

अनुसूची प्रविष्टि द्वारा समावेशित आयातित माल	लागू स्थानीय निकाय कर की दर	संसाधित एवम् आयातित माल की कीमत	देय स्थानीय निकाय कर	संसाधन के लिए भेजे गए माल की समरूपी कीमत	कीमत पर अदा किया गया स्थानीय निकाय कर	अदायगी के लिए शेष (4-6)
1	2	3	4	5	6	7
					कुल	

भाग-VI

उपविधि 26 (निर्यातित) के अधीन प्रतिदाय का दावा

28. उपविधि 26 के अधीन वर्ष के दौरान (छः माह के भीतर) निर्यात किए गए माल का मूल्य

- (क) जैसा व्यौहारी द्वारा वापस किया गया रु. _____
- (ख) जैसा मूल्यांकन किया गया रु. _____

29. वापसी की गणना

माल	अनुसूची प्रविष्टि द्वारा समावेशित माल	स्थानीय निकाय कर की दर	निर्यात किए गए माल की कीमत रु. में	समरूप खरीद मूल्य जिस पर स्थानीय निकाय कर अदा किया गया। यदि उपलब्ध न हो तो अनुमानित मूल्य (रुपयों में)	अदा किया गया स्थानीय निकाय कर रु. में	पहले अदा की गई राशि की 90% वापसी रु. में
1	2	3	4	5	6	7

जैसा मूल्यांकित किया गया

माल	अनुसूची प्रविष्टि द्वारा समावेशित माल	स्थानीय निकाय कर की दर	निर्यात किए गए माल की कीमत रु. में	समरूप खरीद मूल्य जिस पर स्थानीय निकाय कर अदा किया गया। यदि उपलब्ध न हो तो अनुमानित मूल्य (रुपयों में)	अदा किया गया स्थानीय निकाय कर रु. में	पहले अदा की गई राशि की 90% वापसी रु. में
1	2	3	4	5	6	7

भाग-VII

कुल देय स्थानीय निकाय कर की गणना

- मद**
30. देय स्थानीय निकाय कर के अनुसार :-
- (क) मद 08 रु. _____ रु. _____
- (ख) मद 13 रु. _____ रु. _____
- (ग) मद 20 रु. _____ रु. _____
- (घ) मद 27 रु. _____ रु. _____
31. कुल रु. _____ रु. _____
32. घटाएं
- (क) दावा / स्वीकृति वापसी रु. _____
- (ख) अलग चालान नं. _____ तारीख _____ द्वारा अदा की गई राशि रु. _____
33. कुल रु. _____
34. स्थानीय निकाय कर की देय निवल राशि
- विवरण:-
- (1)
- (2)
- (3)
- (4)
- (5)
- (6)

35. व्यौहारी द्वारा अदायगी का विवरणी सहित विवरण अवधि _____
 चालान सं. _____ तारीख _____ राशि रु. _____
 कुल _____

36. कुल स्थानीय निकाय कर और बकाया दण्ड / वापसी, यदि कोई हो, रु. _____

37. मूल्यांकन आदेश :

मुहर

तारीख :

हस्ताक्षर

स्थान :

पदनाम

प्ररूप "त्र"

[उपविधि 31 (11) देखें]

मांग का नोटिस

सेवा में,

आर.सी. नं. _____

ध्यान दें कि _____ से _____ तक की अवधि के लिए आपके द्वारा देय स्थानीय निकाय कर, मेरे (अधोहस्ताक्षरी) द्वारा आदेश सं. _____ तारीख _____ के तहत रु. _____ निर्धारित किया गया है।
 छावनी बोर्ड, पुणे (स्थानीय निकाय कर) उपविधि 45 के अधीन रु. _____ का जुर्माना / ब्याज भी लगाया गया है।

2. रुपये _____ की कुल राशि छावनी बोर्ड को तारीख _____ को या उससे पहले अदा की जानी चाहिए।

3. आप ऊपर निर्धारित तारीख द्वारा राशि का भुगतान नहीं करते हैं, तो राशि स्थानीय निकाय कर उपविधियों के उपविधि 38 के तहत संपत्ति कर के बकाया के रूप में वसूली जाएगी।

4. राशि निर्धारित तारीख के अनुसार उचित कारण के बिना भुगतान नहीं किया गया है, तो आप भी स्थानीय निकाय कर उपविधियों की उपविधि 44 के तहत दंड के दायी होंगे।

5. आदेश के खिलाफ कोई अपील तीस दिनों के भीतर और छावनी बोर्ड के (स्थानीय निकाय कर) उपविधि में निर्धारित तरीके से विहित प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत की जानी चाहिए।

मुहर

स्थान :

हस्ताक्षर

तारीख :

पदनाम

प्ररूप 'ट'

[उपविधि 32 (1) देखें]

स्थानीय निकाय कर मूल्यांकन / पुनः मूल्यांकन के संबंध में नोटिस

सेवा में,

रजिस्ट्रीकरण नं. _____

जबकि, मुझे विश्वास करने का कारण है कि निम्न बिक्री और खरीद के संबंध में आपका आवर्त , अर्थात् _____

_____ से

_____ तक अवधि के संबंध में *मूल्यांकन से बच निकले / मूल्यांकनाधीन/ कम दर पर मूल्यांकन किया गया है।

और

निम्न बिक्री तथा खरीद की कटौती, अर्थात् _____

_____ से _____ तक अवधि के संबंध में आपके आवर्त से गलत तरीके से कटौती की गई है।

अब, एतद् द्वारा आपको तारीख _____ को _____ (समय) _____ (जगह) उपस्थित रहने और कारण बताने के लिए, निर्देशित किया जाता है और आपके द्वारा उपरोक्त अवधि के लिए, उक्त खरीद एवम् बिक्री के संबंध में देय स्थानीय निकाय कर की राशि का * मूल्यांकन / पुनर्मूल्यांकन क्यों न किया जाए तथा निम्नलिखित दस्तावेजों तथा लेखों को प्रस्तुत करें: -

और निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करें :-

उक्त अवधि के लिए आप द्वारा देय स्थानीय निकाय कर की राशि सही है, यह निश्चित करने के लिए अन्य कोई भी सबूत आप प्रस्तुत कर सकते हैं।

मुहर

स्थान:

तारीख :

हस्ताक्षर

पदनाम

* (जो भी लागू न हो, उसे काट दें)

प्ररूप 'ठ'

[उपविधि 36 (3) देखें]

स्थानीय निकाय कर, दंड, ब्याज, जब्त राशि या जुमानेके भुगतान के लिए नोटिस

सेवा में,

रजिस्ट्रीकरण सं. _____

जबकि, _____ से _____ तक की अवधि के लिए छावनी बोर्ड, पुणे (स्थानीय निकाय कर) उपविधि के उपविधि सं. 27 के खंड (1) के तहत आपके द्वारा विवरणी प्रस्तुत की गयी है।

* लेकिन स्थानीय निकाय कर उपविधियों की उपविधि 36 के तहत यथा आवश्यक विवरणी के अनुसार देय स्थानीय निकाय कर की राशि अर्थात् रु. _____ (तथा दंड की राशि अर्थात् रु. _____) अदा नहीं की गई है।

* लेकिन स्थानीय निकाय कर उपविधियों की उपविधि 37 के तहत आवश्यक रूप से अदा की जाने वाली तथा विवरणी के साथ चालान की प्रति में केवल रु. _____ के भुगतान का उल्लेख है, जबकि विवरणी के अनुसार स्थानीय निकाय कर की राशि रु. _____ (और दंड की राशि रु. _____) देय है।

इसलिए आपको रु. _____ (शब्दों में रु. _____) की राशि छावनी बोर्ड को तारीख _____ को या पर देय है और चालान की प्राप्ति प्रति भुगतान के प्रमाणन हेतु मेरे समक्ष तारीख _____ के पश्चात नहीं, प्रस्तुत करें, असफल होने पर रु. _____ वसूली सम्पत्ति के बकाया के रूप में वसूली जाएगी।

2. आपको एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि आप स्थानीय निकाय कर (एल.बी.टी.) की उक्त राशि किसी भी उचित कारण के बिना अदा करनेमें विफल होते हैं तो, छावनी अधिनियम, 2006 की धारा 349 के अधीन उचित कार्रवाई के पात्र होंगे।

मुहर

स्थान :

तारीख :

हस्ताक्षर

पदनाम

प्ररूप 'ड'

[उपविधि 30 व 40 देखें]

वापसी भुगतान आदेश

बुक सं. _____ वाउचर सं. _____ प्रतिदाय स्थानीय निकाय कर नियमों के तहत स्थानीय निकाय कर की वापसी के लिए आदेश _____ को देय वापसी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र सं. _____ वापसी निर्देशन आदेश की तारीख _____ वापसी की राशि रु. _____ वसूली रजिस्टर में वसूली की राशि दर्शाते हुए, जिसके संबंध में राशि तैयार की _____ हस्ताक्षरित _____ पदनाम _____ तारीख _____ वाउचर प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर नकदीकरण की तारीख _____	बुक सं. _____ वाउचर सं. _____ प्रतिदाय स्थानीय निकाय कर नियमों के तहत स्थानीय निकाय कर की वापसी के लिए आदेश सेवा में, अधिकारी _____ 1. प्रमाणित है कि _____ के मूल्यांकन रिकार्ड के संदर्भ में, _____ रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र सं. से रु. _____ की वापसी राशि _____ से _____ की अवधि के लिए देय है। 2. प्रमाणित किया जाता है कि कर की राशि जिसके संबंध में यह वापसी की अनुमति दी है, वह विधिवत छावनी बोर्ड के खाते में जमा कर दिया गया है। 3. प्रमाणित किया जाता है कि सम्बन्धित राशि के बारे में कोई धन वापसी का आदेश इससे पहले नहीं दिया था था और इस वापसी आदेश की प्रविष्टि मूल्यांकन के मूल रजिस्टर में मेरे हस्ताक्षर से की गयी है। कृपया रुपये _____ (शब्दों में) _____ (अंकों में) का भुगतान करें। तारीख _____ हस्ताक्षरित _____ पदनाम _____ नकदीकरण की तारीख _____ तारीख _____ स्थान _____ रुपये _____ अदा करें, _____ के दिन अधिकारी भुगतान प्राप्त किया दावेदार के हस्ताक्षर
---	--

प्ररूप 'ढ'
[उपविधि 43 देखें]

नोटिस

सेवा में,

रजिस्ट्रीकरण सं. _____

स्थानीय निकाय कर के उपविधि 43 के अधीन निम्नलिखित कागजात / लेखों को जानकारी हेतु प्रस्तुत करना आपसे अपेक्षित है:-

और * मुझे निम्न सूचना उपलब्ध करवाएं _____

कृपया नोट करें कि यदि आप नोटिस में उल्लिखित अपेक्षाओं को पूरा नहीं करते तो, पुणे छावनी (स्थानीय निकाय कर) उपविधि, 2015 के प्रावधानों के अधीन कार्रवाई के पात्र होंगे, जिसके लिए आप स्वयं जिम्मेदार होंगे।

मोहर

स्थान :

हस्ताक्षर

तारीख :

पदनाम

* (जो भी लागू न हो, उसे काट दें)

प्ररूप 'ण'

[उपविधि 45(3) देखें]

जब्ती के लिए एवंशास्ति अधिरोपित करने के लिए नोटिस

सेवा में,

रजिस्ट्रीकरण सं. _____

जबकि मुझे विश्वास होने का कारण है कि _____ से _____ अवधि के दौरान :-

- * (क) * (i) छावनी परिषद, पुणे (स्थानीय निकाय कर) उपविधि, 2015 के साथ संलग्न अनुसूची 'ख' के अधीन उल्लिखित माल की बिक्री के संबंध में, जिस पर स्थानीय निकाय कर देय नहीं है, आपने स्थानीय निकाय कर के रूप में राशि रु. _____ की वसूली की है।
- * (ii) आपने आपके माल की बिक्री राशि पर स्थानीय निकाय कर की राशि के रूप में रु. _____ आपके द्वारा देय राशि से अधिक राशि अन्य व्यक्तियों से वसूल की है।

या

- * (iii) आपने छावनी परिषद, पुणे (स्थानीय निकाय कर) उपविधि, 2015 के तहत अनुसूची 'ख' में उल्लिखित माल पर स्थानीय निकाय कर वसूल किया है, जो स्थानीय निकाय कर के तहत देय नहीं है।
- * (ख) (i) इस उपविधि के अधीन स्थानीय निकाय कर अदायगी के लिए देय व्यक्ति होने से
- (ii) मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा जारी किए नोटिस द्वारा स्थानीय निकाय कर अदायगी के लिए पात्र व्यक्ति होकर, आप आपके द्वारा खरीदे तथा बिक्री किए माल की कीमत का सही लेखा-जोखा रखने में विफल रहे।
- * (ग) आपको निदेश दिए जाने के बावजूद भी, आप उपविधि 17 के अनुसार किसी भी लेखों और रिकार्ड को तैयार करने में विफल रहे।

इसलिए आपको निदेशित किया जाता है कि आप _____ स्थान _____ समय पर _____ तारीख को उपस्थित रहें और कारण बताएं कि क्यों न :-

- * (i) आपसे गलती से स्थानीय निकाय कर के रूप में राशि रु. _____ या अन्य एकमुश्त राशि जो भी अंततः निर्धारित हो, क्यों न जब्त की जाए, और/या,
- * (ii) स्थानीय निकाय कर उपविधियों के उपबंधों के अन्तर्गत आप पर दण्ड क्यों न लगाया जाए।

मोहर

स्थान :

तारीख :

हस्ताक्षर

पदनाम

प्ररूप 'त'
[उपविधि 33 (1) देखें]

गलती परिशोधन हेतु नोटिस

सेवा में,

रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र सं. _____

जबकि आपके मामले में _____ से _____ अवधि के लिए _____ द्वारा पारित यह जारी आदेश / निर्णय सं. _____ तारीख _____ से यह प्रतीत होता है कि उसमें निम्नलिखित गलती है, अर्थात्:-

और जबकि यह प्रस्ताव किया जाता है कि निम्नलिखित गलतियों को सुधारें, जिससे स्थानीय निकाय कर बढ़ाने का / धन वापसी की राशि को कम करने में प्रभाव पड़ेगा।

अतः आपको छावनी परिषद, पुणे (स्थानीय निकाय कर) उपविधि 2015 की उपविधि 33 के खंड (1) के साथ पठित खण्ड (2) के उपबन्धों के अन्तर्गत आपको एतद् द्वारा नोटिस दिया जाता है कि यदि आप प्रस्तावित परिशोधन के विरुद्ध यदि कोई आपत्ति करना चाहते हैं तो आपको अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में तारीख _____ बजे _____ उपस्थित होना चाहिए।

प्रस्तावित परिशोधन की सूची :-

मुहर

स्थान :

हस्ताक्षर

तारीख :

पदनाम

प्ररूप 'थ'

[उपविधि 49 (1) देखें]

कार्यवाही में प्राधिकारी के समक्ष उपस्थिति के लिए प्राधिकरण

मैं _____ रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी हूँ / मैं, _____ भागीदार/
निदेशक/ प्रबंधक / न्यासी / प्रभारी _____ (फर्म / कंपनी
आदि) जो एक रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी है और रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र संख्या _____ तारीख _____ का धारक हूँ।

एतद् द्वारा श्री _____ को,

*जो मेरा नातेदार है,

*मेरे द्वारा नियमित रूप से नियुक्त / _____ (फर्म / कंपनी आदि)

*विधि व्यवसायी

*चार्टर अकाउन्टेन्ट

जो मेरी ओर से / _____ (फर्म, कंपनी आदि) की ओर से
_____ (प्राधिकारी का उल्लेख करें) के समक्ष

_____ (कार्यवाही का उल्लेख करें) की कार्यवाही में तथा दस्तावेजों एवम् लेखबहियों
को प्रस्तुत करने और मेरी ओर से / _____ (फर्म/ कंपनी आदि) की ओर से उक्त कार्यवाही के संबंध में जारी
किसी नोटिस या दस्तावेजों को प्राप्त करने तथा उक्त कार्यवाही में कोई भी आवश्यक कदम उठाने के लिए नियुक्त करता हूँ। उक्त
नियुक्त श्री _____ उक्त कार्यवाही के अनुसार मेरी ओर से / _____ (फर्म/ कंपनी आदि) की
ओर से कार्रवाई के लिए भी एतद् द्वारा प्राधिकृत है।

मैं / _____ (फर्म / कंपनी आदि) उक्त कार्यवाही के अनुसरण में श्री
_____ द्वारा की गई कार्रवाई परीक्षण करने के लिए सहमत हूँ।

स्थान :

हस्ताक्षर

तारीख :

पदनाम

* (जो भी लागू न हो, उसे काट दें)

स्वीकृति

मैं _____ घोषित करता हूँ कि मैं, _____ का * रिश्तेदार/
_____ * द्वारा नियमित रूप से नियुक्त व्यक्ति/ *कानूनी व्यवसायी/ *चार्टर एकाउन्टेन्ट हूँ और यह कि
मैं उपरोक्त नियुक्ति को स्वीकार करता हूँ।

स्थान :

तारीख :

हस्ताक्षर

* (जो भी लागू न हो, उसे काट दें)

प्ररूप 'द'
[उपविधि 24 और 25देखें]

छावनी परिषद, पुणे (स्थानीय निकाय कर) उपविधि, 2015 की उपविधि 24/25 के अधीन स्थानीय निकाय कर की राशि की एकमुश्त अदायगी हेतु अनुमति के लिए घोषणा

सेवा में,

मुख्यकार्यपालक अधिकारी,
छावनी परिषद पुणे
गोलीबार मैदान, पुणे - 411001

1. जबकि मैं _____ (यहां आवेदन पर हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति के नाम का उल्लेख करें)
_____ (यहां आवेदन पर हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति की स्थिति का उल्लेख करें)
_____ (व्यवसाय के प्रकार का उल्लेख करें) का व्यवसाय
_____ (यहां फर्म, कंपनी आदि के नाम का उल्लेख करें) के नाम तथा प्रकार से
_____ (यहां फर्म, कंपनी आदि के पते का उल्लेख करें) पर कर रहा हूं और
स्थानीय निकाय कर रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र सं. _____ का धारक हूँ; एतद्वारा घोषित करता हूँ कि पिछले वित्त वर्ष
के दौरान हमारी सभी बिक्री का आवर्त या सभी खरीद का आवर्त नीचे दी गई सारणी के स्लैब नं. _____ की सीमा के
अन्दर था और _____ चालू वित्त वर्ष के दौरान उक्त स्लैब की सीमा को पार करने की संभावना नहीं है।

इसलिए मैं एतद्वारा _____ से _____ तक की अवधि के लिए रु. _____ की स्थानीय निकाय कर की
एकमुश्त राशि का भुगतान करने की अनुमति के लिए अनुरोध करता हूँ।

सारणी

स्लैब नं.	वर्ष के दौरान सभी खरीद का आवर्त	प्रतिवर्ष देय स्थानीय निकाय कर
1	रु. 100000/- तक	शून्य
2	रु. 100001/- से रु. 200000/- तक तक	रु. 4000/-
3	रु. 200001/- से रु. 300000/- तक तक	रु. 6000/-
4	रु. 300001/- से रु. 400000/- तक तक	रु. 8000/-
5	रु. 400001/- से रु. 500000/- तक तक	रु. 10000/-
6	रु. 500001/- से रु. 600000/- तक तक	रु. 12000/-
7	रु. 600001/- से रु. 700000/- तक तक	रु. 14000/-
8	रु. 700001/- से रु. 800000/- तक तक	रु. 16000/-
9	रु. 800001/- से रु. 900000/- तक तक	रु. 18000/-
10	रु. 900001/- से रु. 1000000/- तक तक	रु. 20000/-

सिविल निर्माण के लिए सौ रुपए प्रति वर्गमीटर

2. इसके अलावा, यदि मेरी सभी खरीद का आवर्त घोषित स्लैब की सीमा से अधिक हो जाता है, जिसके लिए मुझे इस आवेदन के
अनुसरण में स्थानीय निकाय कर की एकमुश्त राशि अदा करने की अनुमति दी जाएगी, मैं एतद्वारा वचन देता हूँ कि ऐसे उक्त सीमा से

अधिक हुए आवर्त की सूचना मुख्य कार्यपालक अधिकारी को तीस दिनों के भीतर दूँगा। इसके अलावा, मैं यह भी वचनबद्ध हूँ कि उपविधि 24 के खण्ड (3) के अनुसार देय स्थानीय निकाय कर की राशि संदाय करूँगा।

3. मैं इस तथ्य से अवगत हूँ कि छावनी परिषद पुणे (स्थानीय निकाय कर) उपविधि, 2015 की उपविधि 44 के खण्ड (5) के उपबंधों के अन्तर्गत मिथ्या घोषणा प्रस्तुत करने के लिए, दण्ड के रूप में भुगतान करना अनिवार्य होगा, मुख्य कार्यपालक अधिकारी की राय में जो स्थानीय निकाय कर की राशि से पाँच गुणा राशि से अधिक देय नहीं होगा।

4. उपरोक्त घोषणा में निहित कथन मेरे ज्ञान और विश्वास से सत्य हैं।

दिनांक:

हस्ताक्षर

स्थान:

[फा. सं. 53/10/एलबीटी/पुणे/सी/डीई/13 खण्ड-1]

एस. के. झा, अवर सचिव

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 4th June, 2015

S.R.O. 22.—Whereas, in exercise of powers conferred by sub-section (2) of section 66 read with section 348 of the Cantonments Act, 2006 (41 of 2006), the Central Government proposes to impose local body tax within the local limits of Pune Cantonment;

And whereas the draft local body tax bye-laws were published, vide the notification of the Government of India, Ministry of Defence number S.R.O. 58, dated the 5th September, 2014, as required by section 69 read with section 319 of the Cantonments Act, 2006, (41 of 2006) inviting objections or suggestions for imposition of local body tax on the entry of goods into the limits of Pune Cantonment for consumption, use or sale at the rates specified in Schedule 'A' of these bye-laws;

And Whereas the objections and suggestions received have been considered by the Pune Cantonment Board vide Special Resolution No. 01 dated the 29th October, 2014, as required by sub-section (1) of section 70 of the Cantonments Act, 2006, (41 of 2006);

And Whereas in view of section 71 of the Cantonments Act, 2006 (41 of 2006) the Central Government has authorised the Pune Cantonment Board to impose local body tax within its limits;

And Whereas the following bye-laws, for imposition local body tax within limits of Pune Cantonment, were approved and confirmed by the Central Government as required by sub-section (1) of section 350 of the Cantonments Act 2006 (41 of 2006);

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 348 of the said Act, the Pune Cantonment Board hereby makes the following bye-laws namely :-

1. Short title, extent and commencement.—(1) These bye laws may be called the Pune Cantonment Board (Local Body Tax) Bye-laws, 2015.

(2) They extend to the whole Pune Cantonment.

(3) They shall come in to force on date of its publication in the Official Gazette

2. Definitions.—(1) In these bye-laws, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Cantonments Act, 2006 (41 of 2006);

(b) “Assessing Officer” means an officer appointed by the Chief Executive Officer for the purpose of assessment of local body tax;

(c) ‘Board’ means the Pune Cantonment Board;

(d) “builder” includes a dealer whether registered or unregistered or a person who undertakes the work of civil construction within the limits of Cantonment;

(e) “business” includes –

(i) any trade, commerce, consumption or manufacture or any adventure or concern in the nature of trade, commerce, consumption or manufacture, whether or not such trade, commerce, consumption, manufacture, adventure or concern is carried on with a motive to make gain or profit and whether or not any gain or profit accrues from such trade, commerce, consumption, manufacture, adventure or concern and whether or not there is any volume, frequency, continuity or regularity in such trade, commerce, consumption, manufacture, adventure or concern;

(ii) any transaction in connection with, or incidental or ancillary to, such trade, commerce, consumption, manufacture, adventure or concern, whether or not such transaction is in respect of capital assets and whether or not it is effected with a motive to make gain or profit and whether or not any gain or profit accrues from such transaction and whether or not there is any volume, frequency, continuity or regularity in such transaction;

(iii) any occasional transaction in the nature of such trade, commerce, consumption, manufacture, adventure or concern, involving import, purchase or sale of goods in the Cantonment, whether or not there is any volume, frequency, continuity or regularity to such transaction and whether or not such transaction is effected with a motive to make gain or profit and whether or not any gain or profit accrues from such transaction;

(iv) any transaction in connection with, incidental or ancillary to, the commencement or closure of such trade, commerce, consumption, manufacture, adventure or concern, whether or not such transaction is effected with a motive to make gain or profit and whether or not any gain or profit accrues from such transaction;

(f) “Cantonment” means the Pune Cantonment;

(g) “contractor” includes a dealer whether registered or unregistered who undertakes the work of civil construction within Cantonment for and on behalf of the principal;

(h) “dealer” means any person who whether for commission, remuneration or otherwise, imports, buys or sells any goods in the Cantonment, for the purpose of his business, or in connection with or incidental to his business, and includes –

(i) a factor, broker, commission agent, del credere agent or any mercantile agent, by whatever name called, and whether or not of the same description as herein above specified who buys, sells, supplies, distributes or imports any goods in the Cantonment, belonging to any principal or principals whether disclosed or not;

(ii) an auctioneer, who sells or auctions goods in the Cantonment belonging to any principal whether declared or not and whether the offer of intending purchaser is accepted by him or by the principal or a nominee of principal;

(iii) a society, club or other association of persons which, imports, buys, sells, supplies, distributes goods, for cash or for deferred payment or, for commission, remuneration or otherwise;

(iv) every artificial juridical person, not falling under any category of this clause.

Explanation –For the purposes of this clause –

[I] a manager or agent of a non-resident dealer residing in the Cantonment who imports, buys, sells, supplies or distributes goods in the Cantonment or acts on behalf of such dealer as a mercantile agent as defined in the Sale of Goods Act, 1930(3 of 1930) shall be deemed to be dealer;

[II] each of the following persons and bodies who disposes of any goods including goods as unclaimed or confiscated or unserviceable or as a scrap, surplus, old obsolete or discarded material or waste products whether by auction or otherwise directly or through an agent for cash, or for deferred payment, or for any other valuable consideration, shall be deemed to be a dealer, namely :–

- (i) transporters, holding permit for transport vehicles granted under the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988) which are used or adapted to be used for hire or reward;
- (ii) insurance and financial corporations, or companies and banking companies;
- (iii) advertising agencies;
- (iv) any other corporation, company, body or authority, but does not include –

- (i) any individual who imports goods for his exclusive consumption or use; or
- (ii) an individual whose only source of income is from agricultural produce grown on the land cultivated by him;

(i) "designated bank " means the bank authorised by the Board, to accept the payment of local body tax on its behalf;

(j) " Form" means a form appended to these bye laws;

(k) "importer" means a person who brings or causes to be brought any goods into the limits of the Cantonment from any place outside the area of the Cantonment for consumption, use or sale therein;

(l) "non-residential dealer" means a dealer who is not conducting his business within the limits of Cantonment but having his establishment, branch or office within the limits of Cantonment and include his agent, auctioneer;

(m) "production or processing entrepreneur" means a dealer having manufacturing or processing units in the Cantonment;

(n) "registered dealer" means a dealer registered with the Board under these bye-laws;

(o) " section" means a section of the Act;

(p) "Schedule A", means the Schedule appended to these bye-laws enumerating the goods on which local body tax is leviable;

(q) "Schedule B", means the Schedule appended to these bye laws enumerating the goods on which no local body tax is leviable;

(r) "transporter" means a person or a dealer who is doing business of transportation of goods enumerated in Schedule 'A' or Schedule 'B' appended to these bye laws;

(s) "year" means a financial year.

(2) The words and expressions used in these bye-laws but not defined herein shall have the same meanings respectively assigned to them in the Act.

3. Registration. —(1) No dealer shall, while being liable for registration, carry on business as a dealer, unless he possesses a valid certificate of registration as provided by these bye-laws:

Provided that, the provisions of this clause shall be deemed to have been complied with, if the dealer having applied in the specified manner and time, carries on such business pending disposal of his application for grant of registration.

(2) Every dealer required by clause (1), to possess a certificate of registration, shall apply for registration,—

(a) within thirty days from the date of publication of these bye-laws in the Official Gazette, if he is already carrying on the business in the cantonment and having turnover of sales or purchases exceeding the limit specified; or

(b) within thirty days from the date on which the turnover of all his sales or the turnover of all his purchases first exceeds the relevant limit specified in these bye-laws, whichever is later;

(c) fifteen days prior to the commencement of temporary business.

(3) Every dealer who is registered under the provisions of the Maharashtra Value Added Tax Act, 2002 (Mah. Act IX of 2005) on the date of commencement of these bye-laws, shall be deemed to be a registered dealer under these bye-laws, from such day.

(4) The application for registration shall be made in Form A, to the Chief Executive Officer along with the registration fee of one hundred rupees.

(5) Every application for registration shall be made, signed and verified in the case of business carried on by—

- (a) an individual, by the proprietor or by a person having due authority to act on behalf of such proprietor;
- (b) a firm, by a partner thereof;
- (c) a Hindu undivided family, by a Karta or an adult member thereof;
- (d) a body corporate, including a company, a co-operative society or a corporation or a local authority, by a director, manager, secretary or the principal officer thereof, or by a person duly authorised to act on its behalf.

(6) In the case of a firm, every partner thereof shall furnish a declaration as provided in Form A and the declaration, if not furnished with the application for registration, shall be furnished not later than three months from the date of making such application in Form A.

(7) Every person signing and verifying an application for registration in the capacity specified in sub-clauses (a), (b) or (c) of clause (5), shall also furnish with the application his recent two passport size photographs.

(8) If, after such inquiry as he may deem fit, the Chief Executive Officer is satisfied that an application for registration is in order, he shall register the applicant and shall issue to him a certificate of registration in the form specified for this purpose, under these bye-laws.

(9) The Chief Executive Officer may, after considering any information furnished under any of the provisions of the bye-laws, amend from time to time, any certificate of registration, if so requested by the applicant.

4. The limits of turnover for registration.—(1) The limits for registration shall be—

(a) in the case of a dealer, who is an importer and value of all the goods imported by him during the year is not less than rupees one lakh.

(b) in any other case, including the case where a dealer has not become liable to pay local body tax under sub-clause (a), and the turnover of his sales or purchases during such year, is not less than rupees five lakhs.

(2) Notwithstanding anything contained in clause (1), if a dealer or a person carrying on a particular business in the Cantonment on a temporary basis, then also he is liable for registration under the provisions of these bye-laws, whether or not he is liable under clause (1).

(3) A builder or a contractor, who undertakes the work of civil construction, costing more than rupees three lakhs, within the limits of Cantonment shall get himself registered with the Board under these bye-laws.

5. Calculating the limit of turnover for liability for registration.—(1) For the purposes of calculating the limits of turnover for liability for registration—

(a) except as otherwise expressly provided, the turnover of all sales or, as the case may be, the turnover of all purchases, shall be taken into account whether such sales or purchases are of goods taxable under the provisions of any other Act and the bye-laws or not;

(b) the turnover shall include all sales and all purchases made by a dealer on his own account, and also on behalf of the principals mentioned in his accounts;

(c) in the case of an auctioneer, in addition to the turnover, if any, referred to in sub-clauses (a) and (b), the turnover shall also include the price of the goods auctioned by him for his principal, whether the offer of the intending purchaser is accepted by him or by the principal or a nominee of the principal if the price of such goods is received by him on behalf of the principal.

(2) A manager or agent of a non-residential dealer residing in the Cantonment or, as the case may be, non-residential dealers, shall be liable for registration under these bye-laws whether or not the non-residential dealer or, as the case may be, non-residential dealers, are liable for registration under these bye-laws, and a commission agent or any other agent by whatever name called, and an auctioneer shall be liable for registration under these bye-laws, whether or not the principal is a dealer, and whether or not the principal is liable for registration under these bye-laws.

6. Liability for payment of local body tax—(1) The Board shall levy and collect the local body tax from a dealer at such a rate and on the goods as specified in Schedule 'A' :

Provided that, no local body tax shall be levied or collected on the goods, specified in Schedule 'B'.

(2) A dealer whose turnover of all sales or of all purchases or of all imports made during a year exceeds relevant limit specified in these bye-laws shall be liable to pay the local body tax to the Board.

(3) Where a dealer is liable to pay local body tax under these bye-law dies, then,—

(i) if the business carried on by the dealer is continued after his death, by his legal representative or any other person, such legal representative, or other person shall be liable to pay local body tax, including any interest, penalty and sum forfeited due from such dealer under these bye-laws, in the like manner and to the same extent as the deceased dealer would have been liable to pay if he had not died; and

(ii) if the business carried on by the dealer is discontinued, whether before or after his death, his legal representative shall be liable to pay, out of the estate of the deceased, in the like manner and to the same extent, as the deceased dealer would have been liable to pay if he had not died, the local body tax, including any interest, penalty and sum forfeited due from such dealer, under these bye-laws, whether such local body tax, including any penalty and interest has been assessed or quantified before his death but has remained unpaid, or is assessed or quantified after his death.

(4) Where a person, liable to pay local body tax under these bye-laws dies, then his legal representatives shall be liable to pay, out of estate of the deceased, in the like manner and to the same extent, as the deceased person would have been liable to pay, if he had not died, the local body tax, including any interest, penalty and sum forfeited due from such person under these bye-laws, whether such local body tax, including any penalty and interest, has been assessed or quantified before his death but has remained unpaid, or is assessed or quantified after his death.

(5) Where a dealer, liable to pay local body tax under these bye-laws is a Hindu undivided family, and the joint family property is partitioned amongst the various members or groups of members, then each member or group of members, shall be jointly and severally liable to pay the local body tax, including any interest, penalty and sum forfeited due from the dealer under these bye-laws, upto the time of the partition, whether such local body tax, including any penalty or interest has been assessed or quantified before partition but has remained unpaid, or is assessed or quantified after partition.

(6) Where a dealer, liable to pay local body tax under these bye-laws, is a firm, and the firm is dissolved, then, every person who was a partner therein, shall be jointly and severally liable to pay, to the extent to which he is liable under bye-law 7, the local body tax including any interest, penalty and sum forfeited, due from the firm under these bye-laws, upto the time of dissolution, whether such local body tax, including any penalty or interest, has been assessed or quantified before such dissolution but has remained unpaid, or is assessed or quantified after such dissolution .

(7) Where a dealer, liable to pay local body tax under these bye-laws, transfers or otherwise disposes of his business in whole or in part, by sale, lease, leave or licence, hire or in any other manner whatsoever, or effects any change in ownership thereof, in consequence of which he is succeeded in the business or part thereof, by any other person, the dealer and the person to whom the business is transferred, or the person succeeding, as the case may be, shall jointly and severally be liable to pay local body tax, including any interest, penalty and sum forfeited, due from the dealer under these bye-laws, upto the time of such transfer, disposal or change, whether such local body tax, including any penalty and interest has been assessed or quantified before such transfer, disposal or change but has remained unpaid or is assessed or quantified thereafter.

(8) Where the dealer or, as the case may be, dealers, liable to pay local body tax under these bye-laws—

(a) is the guardian of a ward on whose behalf the business is carried on by the guardian; or

(b) are trustees who carry on the business under a trust for a beneficiary, then,

if the guardianship or trust is terminated, the ward or, as the case may be, the beneficiary, shall be liable to pay local body tax, including any interest, penalty or sum forfeited due from such dealer, upto the time of the termination of the guardianship or trust, whether such local body tax, including any penalty or interest has been assessed or quantified before the termination of the guardianship or trust but has remained unpaid, or is assessed or quantified thereafter.

(9) Where a dealer, liable to pay local body tax under these bye-laws, is succeeded in the business by any person, in the manner described in sub-clause (i) of clause (3) or in clause (7), then, such person shall, notwithstanding anything contained in bye-laws 4 and 5, be liable to pay local body tax on and after the date of such succession or transfer and shall, unless he already holds a certificate of registration, within thirty days thereof, apply for registration.

7. General Liability of firm.—Notwithstanding any contract to the contrary, where any firm is liable to pay local body tax under these bye-laws, the firm and each of the partners of the firm, shall be jointly and severally liable for such payment:

Provided that, where any such partner retires from the firm, he shall intimate the date of his retirement within sixty days thereof, to the Chief Executive Officer, by a notice in that behalf, in writing and he shall be liable to pay the local body tax, including any interest, penalty and sum forfeited, if any, remaining unpaid at the time of his retirement, and also any local body tax due or interest or penalty payable or leviable in respect of any period prior to the date of retirement, though the assessment or quantification thereof is made after the date of his retirement:

Provided further that, if no such intimation is given within sixty days from the date of retirement, the retiring partner shall continue to be jointly and severally liable to pay local body tax, including any interest, penalty and sum forfeited, in respect of the period after the date of retirement, till the day such intimation is received by the Chief Executive Officer, as if the retiring partner had not retired till such day.

8. Commission agent etc., liable to pay local body tax on account of principal.—(1) Where a commission agent or any other agent, by whatever name called, or an auctioneer imports any goods on behalf of his principal, into the limits of the Cantonment for consumption, use or sale therein, such commission agent, other agent, or, as the case may be, the auctioneer and the principal shall, both jointly and severally, be liable to pay local body tax in respect of such goods.

(2) If the principal, on whose behalf the commission agents, any other agent or auctioneer has imported any goods into the limits of the Cantonment for consumption, use or sale therein, shows to the satisfaction of the Chief Executive Officer that the local body tax has been paid by his commission agent, other agent or auctioneer, on such goods, under clause (1), the principal shall not be liable to pay local body tax again in respect of same goods.

(3) Where a manager or agent of a non-resident dealer imports any goods into the limits of the Cantonment for consumption, use or sale therein, then the non-resident dealer, and the manager of such agent residing in the Cantonment, shall be jointly and severally liable to pay local body tax in respect of such goods.

(4) If the non-resident dealer shows to the Chief Executive Officer, that the local body tax has been paid by the manager or agent residing in the Cantonment, then the non-resident dealer shall not be liable to pay local body tax again in respect of the same goods.

9. Grant of certificate of registration.—(1) A certificate of registration shall be issued in Form 'B'.

(2) Where a certificate of registration is issued to a dealer on an application made therefor, then—

(a) if it was made within the period specified in sub-clause (a) of clause (2) of bye-law 3, then it shall take effect from the date of commencement of these bye-laws;

(b) if it was made within the period specified in sub-clause (b) of clause (2) of bye-law 3, it shall take effect from the time on which the dealer's turnover first exceeded the relevant limit specified in these bye-laws;

(c) if it was made within the time specified in clause (8) of bye-law 6, it shall take effect from the date on which the dealer becomes liable to pay the local body tax under the said sub-clause;

(d) if such application is made under sub-clause (c) of clause (2) of bye law 3 or after the expiry of the aforesaid period, it shall take effect from the date on which the application is made;

(e) the certificate issued on an application submitted by a dealer or a person under sub-clause (c) of clause (2) of bye-law 3, shall be in force till such date as the Chief Executive Officer may specify in the Certificate of Registration issued under these bye-laws:

Provided that, the Chief Executive Officer may require a dealer or a person who is liable for registration under clause (2) of bye-law 4, to deposit with him, such sum, by such date as he may determine for this purpose and the said deposit shall be adjustable against the amount of local body tax, interest or, as the case may be, penalty payable by such dealer or person, under the bye-laws.

(3) Where a dealer is deemed to be registered under clause (3) of bye-law 3, the Chief Executive Officer shall issue to him a certificate of registration which shall take effect from the date of commencement of these bye-laws, notwithstanding the fact that he has not applied for registration under the bye-laws.

(4) Where, the dealer has two or more places of business, not being merely a warehouse, within the Cantonment, the Chief Executive Officer shall issue to the dealer, one copy of the certificate of registration for each additional place of business specified in the application for registration.

10. Additional copies of certificate of registration, etc. —(1) When a registered dealer opens a new place of business in addition to the place or places which was or were in existence at the time of his registration, the Chief Executive Officer shall issue additional original copy of the certificate of registration to the dealer on his applying for the same and, a fee of rupees twenty-five shall be charged for every additional copy.

(2) A registered dealer may obtain from the Chief Executive Officer, a duplicate copy of certificate of registration, by making an application in this behalf, in case a certificate of registration or of an additional copy thereof, issued to him, is lost, destroyed or defaced.

(3) For a duplicate copy of a certificate of registration or of an additional copy thereof, the applicant shall pay a fee of rupees twenty five .

11. Non-transferability of certificate of registration.—Save as otherwise provided in bye-law 14, a certificate of registration shall not be transferable.

12. Display of certificate of registration.—Every registered dealer shall display conspicuously, at each place of his business, not being merely a warehouse, the original certificate of registration.

13. Information to be furnished regarding changes in business, etc. —(1) If any dealer, liable to pay local body tax under these bye-laws—

(a) transfers his business, in whole or in part, by sale, lease, license, hire or in any other manner whatsoever, or otherwise disposes of his business or any part thereof, or effects or knows of any other change in the ownership of business; or

(b) discontinues his business, or changes the place thereof, or opens a new place of business; or

(c) changes the name or nature of his business; or

(d) effects any change in the classes of goods imported by him into the limits of the Cantonment for consumption, use or sale therein; or

(e) enters into a partnership or other association in regard to his business,

he or his successor shall, within sixty days from the date of occurrence of any of the events mentioned above, inform the Chief Executive Officer, in writing accordingly.

(2) While giving any information under sub-clause (1), the original certificate of registration held by the dealer and all copies thereof, shall be delivered to the Chief Executive Officer.

(3) Where, after the issue of certificate of registration and copies thereof, if any, obtained by him from the Chief Executive Officer, there have been any changes, either by way of an amendment in the relevant Form or substitution thereof by a new Form, then, within sixty days from such change, the dealer shall deliver the certificate of registration and all copies thereof, to the Chief Executive Officer.

(4) Till the certificate of registration is issued in new Form as referred to in clause (3), the dealer shall be deemed to have been a registered dealer.

(5) The Chief Executive Officer shall, unless the certificate of registration so delivered is not cancelled by him, return the certificate of registration, to the dealer after making therein such amendments, as may be necessary in view of the information, or the changes in the relevant Form, or issue a new certificate of registration.

14. Certificate of registration to continue in certain circumstances.—Where a registered dealer—

(a) effects change in the name of his business; or

(b) is a firm, and there is a change in the constitution of the firm, without dissolution thereof; or

(c) is a trustee of a trust, and there is a change in the trustees thereof; or

- (d) is a guardian of ward, and there is a change in the guardian; or
- (e) if there is a change in the relevant Form or substitution thereof,

then, merely by reason of any of the circumstances aforesaid, it shall not be necessary for the dealer, or the firm with the changed constitution, or the new trustees, or new guardian to apply for a fresh certificate of registration and on information being furnished in the manner required by bye-law 13, the certificate of registration shall be amended accordingly.

15. Cancellation of certificate of registration. —(1) Where,—

(a) any business, including that of a dealer who is deemed to be registered under clause (3) of bye-law 3 in respect of which a certificate of registration has been issued under these bye-laws, has been discontinued, or otherwise disposed of; or

(b) the turnover of sales or the turnover of purchases of a registered dealer, including a dealer who is deemed to be registered under clause (3) of bye-law 3, shall not, during any year exceed the relevant limit specified by these bye-laws, the dealer shall apply in the specified manner, for cancellation of his certificate of registration and the Chief Executive Officer shall, after holding such inquiry as he deems fit, cancel the certificate of registration with effect from such date as he may fix in accordance with these bye-laws:

Provided that, where the Chief Executive Officer is satisfied that any business in respect of which a certificate of registration has been issued under these bye-laws, has been discontinued or disposed of and the dealer has failed to apply as aforesaid, for cancellation of his certificate of registration, the Chief Executive Officer may, after giving such dealer a reasonable opportunity of being heard, cancel the certificate of registration with effect from such date as he may fix to be the date from which the business has been discontinued or disposed of, as the case may be:

Provided further that, the cancellation of a certificate of registration on an application of the dealer or otherwise, shall not affect the liability of the dealer to pay the local body tax, including any penalty, interest and sum forfeited due for any period prior to the date of cancellation of the certificate of registration, whether such local body tax, including any penalty, interest and sum forfeited, is assessed or quantified before or the date of cancellation but has remained unpaid, or is assessed or quantified thereafter;

Explanation. - For the purposes of this clause, such dealer shall be deemed not to have been a registered dealer from the date of cancellation of the certificate of registration as fixed by the Chief Executive Officer under the preceding provisions of this clause.

(2) Any application for cancellation of certificate of registration shall be made to the Chief Executive Officer in Form 'C'.

(3) If the Chief Executive Officer is satisfied that the application is in order, he shall, by an order in writing, cancel the certificate of registration with effect from a date fixed in accordance with clause (4) and shall, by a notice placed on the notice board of the Board, publish the name, address and registration number of such dealer and the date from which such cancellation takes effect and a copy of such order shall be served on the dealer.

(4) Where a certificate of registration is to be cancelled,—

(a) on the ground referred to in sub-clause (a) of clause (1), the date on which the business has been discontinued, or otherwise disposed of, shall be the date of cancellation of registration;

(b) on the ground referred to in sub-clause (b) of clause (1), the date of cancellation of the certificate of registration, shall not be later than the first day of the month next following the date on which the notice is published under clause (3).

(5) Where the certificate of registration of a dealer is to be cancelled under the first proviso to clause (1), the Chief Executive Officer shall, after giving such dealer an opportunity of being heard, cancel the certificate of registration, by an order in writing, with effect from such date as the Chief Executive Officer may fix to be the date from which the business has been discontinued or disposed of, as the case may be, and shall, by a notice placed on the notice board of the Board, publish the name, address and registration number of such dealer and the date from which such cancellation takes effect and a copy of such order shall be served on the dealer.

(6) If the certificate of registration of a dealer is cancelled under these bye-laws, the dealer shall surrender the certificate of registration and the copies thereof, if any, granted to him, to the Chief Executive Officer, within fifteen days from the date of receipt by him, of the order of cancellation of his certificate of registration.

(7) If a dealer who is required to furnish security deposit under bye-law 28 fails to do so, the Chief Executive Officer shall, after giving such dealer an opportunity of being heard, cancel, by an order in writing, the certificate of registration of such dealer and shall bring this order to the notice of the general public by way of publishing the name, address and the registration number of such dealer in the newspaper.

16. Dealer to declare the name of manager of business.—Every dealer, who is a Hindu undivided family, or an association or club or society or firm or company or who carries on business as a guardian or trustee or otherwise, on behalf of another person, shall, within one month, send to the Chief Executive Officer, a declaration in Form 'F' stating the name of the person or persons who shall be deemed to be the manager or managers of such dealer's business, for the purpose of these bye-laws.

17. Dealers to maintain registers for purchase and receipt of goods.—Every dealer shall maintain a register of purchases and receipt of goods on transfer basis, in Form 'D' :

Provided that, the dealer may maintain the said register in computerised form and in such case he shall be bound to produce relevant documents maintained under the Maharashtra Value Added Tax Act, 2002 (Mah. Act IX of 2005) when so demanded by the Chief Executive Officer for examination.

Provided further that except the dealer who has opted for payment of lump sum amount of local body tax under the provisions of bye-law 24 or 25, as the case may be, and intends to claim set off or return shall not be required to maintain record of sale.

18. Presumption and burden of proof. —(1) If a dealer in the area of the Cantonment has purchased any goods specified in Schedule A, from any other registered dealer in the area of the Cantonment, then for the purpose of proving that he is not liable to pay local body tax in respect of such goods, he may furnish to the Chief Executive Officer, as and when required by him, a certificate issued by the selling dealer as provided in bye-law 19.

(2) If the Chief Executive Officer is satisfied, after making such enquiry as he deems necessary, that the certificate furnished is true and correct, he may, at the time of, or at any time before the assessment of local body tax payable by the dealer under these bye-laws, make an order to that effect and thereupon it shall be deemed, for the purpose of these bye-laws, that the first mentioned registered dealer is not liable to pay local body tax in respect of the aforesaid goods.

(3) Until the contrary is proved, where any goods specified in Schedule A are imported by a dealer or person, into the limits of the Cantonment, it shall be presumed that the goods have been imported into the Cantonment for consumption, use or sale therein or are for trans-shipment thereof, to any other place outside the area of the Cantonment, as the case may be.

19. Certificate to be issued by the selling dealer in certain cases. - Where a dealer who holds any goods in the area of the Cantonment, sells the goods to any other dealer in the area of the Cantonment, then the selling dealer shall issue to the purchasing dealer a bill, invoice or cash memorandum containing a certificate in such manner and specifying such details as provided under bye-law 20.

20. Particulars to be specified in bill, invoice or cash memorandum.—Every dealer who is required to issue bill, invoice or cash memorandum in respect of the goods sold or supplied by him, shall specify in the bill or cash memorandum issued by him, the full name and style of his business, the address of his place of business and number of his certificate of registration and the particulars of the goods sold and the sale price thereof, and—

(a) where the bill, invoice or cash memorandum is issued by a registered dealer, then the bill, invoice or cash memorandum shall contain a certificate as follows, namely:—

"I/we hereby certify that my/our registration certificate under the Cantonment Board (Local Body Tax) Bye-Laws, 2015 is in force on the date on which the sale of the goods specified in this Bill/invoice/cash memorandum, is made by me/us and that the transaction of sale covered by this Bill/invoice/cash memorandum, has been effected by me/us in the course of my/our business."

(b) where the price of the sales is not less than rupees five hundred, the dealer shall also enter in the bill, invoice or cash memorandum the full name and style of business of the buyer(if any), and his address and the number of any certificate of registration held by him under these bye-laws.

21. Determination of rates of local body tax and the extent of turnover by Board. - (1) The rates of local body tax, the turnover limit for payment of local body tax, the goods on which local body tax is leviable and ceiling limits for exemption, shall be at par with the prevailing rates of local body tax applicable in Pune Municipal Corporation.

(2) The rates of local body tax, the goods on which it is leviable and limits for exemption, as notified by the State Government of Maharashtra from time to time as applicable within the limits of Pune Municipal Corporation, shall be adopted by the Board:

Provided that any change in the rates of local body tax as resolved by the Board, shall be published in one daily English, Hindi and Marathi Newspaper having circulation in the Cantonment area :

Provided further that the Board shall not abolish any tax imposed under these bye-laws or vary it to the Board's financial disadvantage without the prior sanction of the Central Government and the tax shall not exceed the ceiling specified in this behalf by clause (2) of article 276 of the Constitution as is necessary under the second proviso to Section 66 of the Act.

22. Tariff value to be fixed in certain cases.—If the Chief Executive Officer is satisfied that it is necessary to prevent evasion of local body tax payable in respect of import of any goods specified in Schedule A, he may, notwithstanding anything contained in these bye-laws, having regard to the trend of the value of such or like goods, by displaying such tariff on the notice board of the Board, fix, from time to time, tariff values for any such goods, and where any such tariff values are fixed, the levy of local body tax under these bye-laws shall be with reference to such tariff values and not with reference to the value shown in any documents in relation to such goods:

Provided that the Chief Executive Officer, for fixing tariff value, may refer to the tariff value of similar goods within Pune Municipal Corporation.

23. Determination of fair market price.—(1) Where, in the case of any goods imported in to the limits of the Cantonment for consumption, use or sale therein, the Chief Executive Officer is, for any reason, of the opinion that the sales price or, as the case may be, purchase price of such goods shown by a dealer, or by a person, in respect of any transaction of sale, or as the case may be, a transaction of purchase between related persons, is less than the fair market price, then for the purpose of passing any order in any proceedings under these bye-laws, the Chief Executive Officer may, after giving such dealer a reasonable opportunity of being heard, determine the fair market price of such goods.

(2) Where any goods have been imported by any dealer, into the limits of the Cantonment for consumption, use or sale therein, and the sale price or, as the case may be, the purchase price is not ascertainable or where the goods have not been obtained by way of sale or purchase, then for the purpose of passing any order in any proceedings under these bye-laws, the Chief Executive Officer may, after giving such dealer or, a reasonable opportunity of being heard, determine the fair market price of such goods.

24. Lump sum payment of local body tax.—(1) Subject to the provisions of this bye-law, if a registered dealer whose turnover of all purchases during a year, is less than or equal to rupees ten lakhs opts for the payment of a lump sum amount of local body tax as specified in the Table below he shall furnish a declaration in Form R.

(2) on a declaration in Form R being furnished by him, the Chief Executive Officer shall, on being satisfied that the slab from the said Table, as opted for by the applicant dealer is correct, grant him permission to pay a lump sum amount of local body tax in accordance with the said Table, for such period and by such date, as he may specify in his order granting such permission and the dealer shall pay such lump sum amount of local body tax within fifteen days from the date of receipt by him, of such an order:

Provided that, if a dealer to whom permission for payment of lump sum amount of local body tax is granted under this bye-law, fails to pay such amount within time stipulated in this bye-law, the permission granted by the Chief Executive Officer for this purpose, shall be deemed to have been withdrawn immediately on expiry of such time:

Provided further that, the Chief Executive Officer may treat the payment of such amount to be in accordance with the permission granted under this bye-law earlier, if such payment is made together with the interest chargeable thereon, under the provisions of sub-clause (a) of clause (3) of bye-law 44 within a further period of three months from the time stipulated for this purpose in this bye-law, or before the end of the year in which such permission was granted, whichever is earlier.

(3) If, during the year in which permission is granted by the Chief Executive Officer to a dealer, to pay a lump sum amount of local body tax under the provisions of clause (1), or as the case may be, during any subsequent year in which such permission is in force, the turnover of all purchases of such dealer exceeds the limit of such slab, he shall pay such differential amount of local body tax as to equal the amount of local body tax payable by him in such year, in accordance with the slab of the table specified below, applicable to him due to such turnover exceeding such limit or in the event of his turnover of all purchases during such year exceeding rupees ten lakhs, such differential amount of local body tax as is necessary to ensure that the local body tax paid by him is not less than the amount that would be payable by him otherwise than under this bye-law.

(4) If the Chief Executive Officer has reason to believe that the turnover of purchases of a dealer to whom permission to pay lump sum amount of local body tax has been granted under the provisions of this bye-law, exceeds the limit of turnover declared by him in Form R submitted for the purpose of this bye-law, and that such dealer has failed to comply with the provisions of clause (3), he may, after giving such dealer a reasonable opportunity of being heard, by an order in writing, cancel such permission from the time such turnover has so exceeded the limit specified in the Table below and may proceed to recover from him, the amount of interest chargeable and penalty leviable, if any, in addition to the amount of local body tax payable by such dealer otherwise than under this bye-law, in a manner specified under the other provisions of these bye-laws.

(5) A copy of the order referred to in clause (4) shall be served on the dealer.

TABLE

Slab No.	Turnover of all purchases during a year	Local body tax payable per year
01	uptoRs.100000/-	NIL
02	Rs. 100001/- to Rs. 200000/-	Rs 4000/-
03	Rs. 200001/- to Rs. 300000/-	Rs 6000/-
04	Rs. 300001/- to Rs. 400000/-	Rs 8000/-
05	Rs. 400001/- to Rs. 500000/-	Rs 10000/-
06	Rs. 500001/- to Rs. 600000/-	Rs 12000/-
07	Rs. 600001/- to Rs. 700000/-	Rs 14000/-
08	Rs. 700001/- to Rs. 800000/-	Rs 16000/-
09	Rs 800001/- to Rs. 900000/-	Rs 18000/-
10	Rs 900001/- to Rs 1000000/-	Rs 20000/-

25 Payment of Local Body tax by builder or contractor. – (1) A person whether registered or unregistered who undertakes the work of civil construction within Cantonment limits, shall have option of either payment of local body tax on value of goods imported into the limits of cantonment for civil construction, or alternatively making the lump sum payment of local body tax at the rate of rupees one hundred per square metre

(2) A person who undertakes work of civil construction within the limits of Cantonment and has opted for payment of local body tax in lump sum, may make payment of local body tax in advance to the extent of fifty per cent of such amount due at the time of applying for grant of commencement certificate.

26. Exemption in certain cases.—(1) No local body tax shall be levied on the goods imported into the Cantonment by the State Government or the Central Government, on production of a certificate from an officer empowered by the Government concerned in this behalf, certifying that the goods so imported belong to the Government and are imported for public purpose and are not used or intended to be used for the purpose of earning profit.

(2) No local body tax shall be levied on the goods imported into the limits of the Cantonment on behalf of, or on account of the State Government or the Central Government, on production of a certificate from an officer empowered by the Government concerned in this behalf, within a period of six months from the date of importation, certifying that the goods so imported belong to the Government and are imported for public purpose and are not used or intended to be used for the purposes of earning profit.

(3) If any goods held by a dealer or a person in the Cantonment are moved outside the Cantonment for carrying out the processes enumerated in the Explanation to this bye-law, and are re-imported without effecting any change in condition or appearance, as also the ownership of the goods, the value of the goods moved out, shall be allowed to be deducted from the total value of processed goods re-imported and local body tax shall be leviable only on the value added charges that is processing charges, transfer charges, or other charges :

Provided that, the goods are re-imported within a period of six months from the date of export outside the Cantonment and the dealer furnishes the information of such export in the returns for the relevant period.

(4) If any dealer in the Cantonment imports any goods from any place outside the Cantonment for carrying out any of the processes enumerated in the Explanation to this bye-law, on job work basis and proves to the satisfaction of the Chief Executive Officer that the goods processed have been exported within a period of six months from their importation, to the same person outside the Cantonment and there had been no change in the ownership and in the form of the goods at the time of export, no local body tax shall be levied subject to the following conditions, namely:—

- (i) that dealer shows the value of such goods in the return of the relevant period;
- (ii) the dealer pays security deposit, as a guarantee, as may be determined by the Chief Executive Officer in this behalf:

Provided that a dealer importing the goods for processing on regular basis, may make a deposit as standing deposit as may be fixed by the Chief Executive Officer from time to time.

Explanation.—For the purposes of clauses (3) and (4) processing shall include—

- (i) grinding, dyeing, bleaching, painting, printing, finishing, stentering, embroidering, doubling, twisting, metalising and electroplating;
- (ii) building and mounting of bodies over chassis of vehicles of all kinds;
- (iii) any other processes as may be approved by the Chief Executive Officer, from time to time:

Provided that the Chief Executive Officer shall generally approve exemption of such process, as far as possible, which are exempted in the limits of Pune Municipal Corporation, unless he finds that such exemption is not necessary in the interest of the Board or necessary if such process are not included in the list of Pune Municipal Corporation.

(5) When any goods held in the Cantonment is sold and exported outside the Cantonment are received back due to rejection of goods by the purchaser, no local body tax shall be levied on such goods, provided that the goods are received back in the Cantonment within a period of six months from the date of their export and the dealer proves to the satisfaction of the Chief Executive Officer that the sale of such goods was disclosed in the return of the relevant period.

(6) The registered dealer who is exporting the goods outside the territory of India, shall be exempt from the levy of the local body tax in respect of the value of the goods used for the purpose of such export.

27. Submission of returns.—(1) Every registered dealer shall, subject to the provisions of this bye-law, furnish an annual return in Form 'E', within ninety days from the end of the year to which such return relates duly signed by him or by person nominated by him in Form 'F'

(2) Every registered dealer who is not an importer shall be required to file nil return annually.

(3) Notwithstanding anything contained to clause (1), but subject to the provisions of this clause, the Chief Executive Officer may, by an order in Form 'G', from time to time, specify different periods and dates for different dealers or classes of registered dealers, unregistered dealers and persons, for the purpose of furnishing of returns:

Provided that the Chief Executive Officer may exempt any such dealer or class of dealers from furnishing returns, or, permit any such dealer or class of dealers—

(a) to furnish returns for such different periods ; or

(b) to furnish a consolidated return relating to all or any of his places of business in the Cantonment, for the such period, or for such different periods, to such authority and in such form as he may direct.

(4) If any registered dealer, unregistered dealer or a person having furnished returns under clause (1) or (2) or (3), discovers any omission or an incorrect statement therein, he may furnish a revised return in respect of that period before the expiry of one month next, following the last date specified for filing the original return.

(5) Every registered dealer or a person who is liable for registration under clause (2) of bye-law 4, shall furnish to the Board, in-charge of such area of the Cantonment, a return in Form 'E', within ten days from the last day of each month or a part thereof, in case the business is discontinued before the end of any calendar month, during which such business is carried on and where such business is carried on by him.

28. Dealers to furnish security in certain cases.—(1) If a registered dealer fails in three or more instances during the period when his certificate of registration is in force, to pay local body tax within the time he is required to pay it by or under the provisions of these bye-laws, then, if it appears necessary to the Chief Executive Officer so to do for the proper realisation of the local body tax, interest or penalty payable by the dealer, he may, at any time while such certificate is in force, by an order in writing, and for reasons to be recorded therein, require the dealer, from time to time, to furnish, within such time as may be specified in the order, such security, or, if the dealer has already furnished any

security in pursuance of an order under this sub-clause, such additional security, as may be specified in the order for the aforesaid purpose.

(2) No dealer shall be required to furnish any security, or as the case may be, additional security under clause (1), unless he has been given an opportunity of being heard.

(3) The amount of security or additional security, which a dealer may be required to furnish under clause (1), shall not exceed a sum equal to the amount of local body tax leviable under these bye-laws, in accordance with the estimates of the Chief Executive Officer, in the year in which such security or, as the case may be, additional security is required to be furnished.

(4) The Chief Executive Officer may, by an order and for good and sufficient cause, forfeit the whole or any part of security or, as the case may be, the additional security, furnished by the dealer for realising any amount of local body tax, interest or penalty payable by the dealer which has remained unpaid after the time so specified therefore, in such order :

Provided that, no order shall be passed without giving the dealer an opportunity of being heard.

(5) Where, by reason of an order passed under clause (4), the security furnished by any dealer is rendered insufficient, he shall make up the deficiency in such manner and within such time, as may be directed by the Chief Executive Officer, by an order.

(6) The Chief Executive Officer may, on an application by the dealer, order the refund of any amount or part thereof, deposited by the dealer by way of security or, as the case may be, additional security, under this bye-law, if it is not required for the purpose of these provisions.

29. Determination of disputed questions.—If any question arises, otherwise than in any proceedings before a Court, or before the Chief Executive Officer has commenced assessment or re-assessment of a dealer or a person, under bye-law 31 or 32, whether for the purpose of these bye-laws, any local body tax is payable in respect of any import of particular goods into the Cantonment, or, if local body tax is payable, the rate thereof, the Chief Executive Officer may, on an application made to him by a dealer or a person in this behalf, make an order determining such question.

Explanation.—For the purposes of this clause —

(i) the Chief Executive Officer shall be deemed to have commenced assessment or re-assessment of the dealer under bye-law 31 or 32, when the dealer is served with any notice by the Chief Executive Officer, under any of the said bye-laws.

(ii) the Chief Executive Officer may direct that the determination shall not affect the liability of any person under these bye-laws in respect of any goods imported by him into the Cantonment for consumption, use or sale therein, prior to the determination.

(iii) if any such question arises from any order already passed under these bye-laws, no such question shall be entertained for determination under this bye-law.

30. Refund of local body tax in case of export.—(1)Where, any goods which is imported in to the Cantonment and on the import of which due local body tax has been paid, is exported outside the Cantonment by the person importing such goods otherwise than under a contract or sale, or, where that person has sold such goods, and the sale occasions the export of the goods outside the Cantonment, then ninety percent of such amount of local body tax so paid, shall be refunded to that person, by an order in Form M, if he satisfies the following conditions, namely :—

- (a) the details of goods imported is given in the relevant return, showing that goods is imported for export, and the return is furnished;
- (b) the local body tax on the import is paid with the relevant return;
- (c) the goods is exported out of the Cantonment within a period of six months of their importation;
- (d) the person furnishes the relevant return after export, claiming the refund;
- (e) the person, when asked, proves to the satisfaction of the Chief Executive Officer, that the goods imported has been exported within the period specified, without making any change in the goods :

Provided that, the Chief Executive Officer may allow any dealer who is importing and exporting the goods listed in Schedule A, on his satisfaction, to pay only ten percent of the local body tax chargeable, after obtaining from such dealer a declaration that the goods are to be exported within the specified period :

Provided further that any dealer who is importing and exporting the goods in the same calendar month and provide sufficient proof for that, the Chief Executive Officer may allow him to set off in the next calendar month.

(2) (a) Where the dealer or the person who paid the tax, after adjustment of refund without prior permission of the Chief Executive Officer, the case shall be taken up for regular assessment.

(b) On assessment, referred to in sub-clause (a), if it is found that, the dealer or a person who has claimed the refund, in excess of what he is eligible for, then on such differential amount, a penalty at five times of such differential amount found due, shall be levied.

(c) Where the dealer or the person, is eligible for refund and make such claim, the Chief Executive Officer shall assess the dealer on priority basis within one month from receipt of such application and decide the claim.

(d) If the Chief Executive Officer fails to decide the claim of refund within two months from the date of filing of such application, the dealer or person shall be entitled for interest at the rate of six percent of such refund which becomes due, till the date of payment.

31. Assessment of local body tax.—(1) The amount of local body tax due from a registered dealer liable to pay, it shall be assessed separately for each period.

(2) If the Chief Executive Officer is satisfied that the returns furnished by a registered dealer in respect of any period are correct and complete, he shall assess the amount of local body tax due from such dealer, on the basis of such returns.

(3) The Chief Executive Officer may assess a registered dealer who—

(i) has failed to furnish returns for any period; or

(ii) has furnished all the returns in respect of all the periods on or before the date specified for furnishing the last return pertaining to that period, if he is not satisfied that the returns furnished by the registered dealer in respect of that period, are correct and complete, and if he thinks it necessary to require the presence of the dealer or the production of further evidence in respect thereof; or

(iii) has furnished returns in respect of any period and has claimed refund in the returns furnished by him; or

(iv) has applied for cancellation of his certificate of registration.

(4) The Chief Executive Officer may assess a dealer or a person who—

(i) is liable to pay local body tax but has failed to apply for registration or has failed to apply for registration within the time specified therefor under these bye-laws; or

(ii) has been directed by him by an order in Form “G” to furnish returns.

(5) if a registered dealer fails to comply with the terms of any notice issued under clause (3) or (4), the Chief Executive Officer may assess him to the best of his judgment, the amount of local body tax due from him.

(6) Notwithstanding the foregoing provisions of this bye-law, where the Chief Executive Officer is not satisfied about the correctness or the completeness of the accounts of a dealer, or where no method of accounting has regularly been employed by a dealer, the Chief Executive Officer may, after giving such dealer a reasonable opportunity of being heard, assess, to the best of his judgment, the amount of local body tax, if any, due from him.

(7) For the purpose of clauses (3), (4), (5) and (6), the Chief Executive Officer may proceed to assess the dealer within five years from the end of the year to which such assessment relates, by serving on the dealer, a notice in Form H and fix a date which shall not be earlier than fifteen days from the due date of service thereof.

(8) Any assessment made under this bye-law, shall be without prejudice to any penalty or interest or prosecution for an offence under the Act.

(9) The order of assessment shall be in Form I.

(10) An order imposing a penalty or interest under bye-law 44 or an order of forfeiture with or without penalty or interest or both in respect of any period, shall be incorporated in the order of assessment relating to that period, made under this bye-law.

(11) A certified copy of an assessment shall be furnished to the assessee, free of charge, along with a notice of demand in Form J.

(12) The Chief Executive Officer shall supply additional copy or copies of the assessment order to an assessee on an application made in that behalf on payment of twenty five rupees per copy of order.

(13) All papers relevant to the making of an assessment in respect of a dealer, shall be kept together and shall form an assessment case record.

(14) Assessment case records shall be preserved for five years next following the period to which the assessment relates, or for three years, next following the completion of the proceedings under these bye-laws, relating to the said period, whichever is later.

Provided, that no assessment case record shall be preserved by the dealer who shall not receive the assessment notice under clause (1) within one year from the last date of filing the return under bye-law 27.

32. Re-assessment. —(1) If, after a dealer or a person has been assessed under bye-law 31, for any period or a part thereof and if, for any reason, the local body tax payable in respect of any goods imported in the Cantonment has escaped assessment and the Chief Executive Officer has documentary evidence to that effect on record or if the assessment is made at a lower rate or any deduction has been wrongly made or a claim has been wrongly allowed or refund has been wrongly granted in respect thereof, the Chief Executive Officer may, at any time within three years from the date of communication of such assessment order, after recording the reasons in writing therefor, proceed, by a notice in Form K, to assess or reassess, the amount, of local body tax due from such dealer or person :

Provided that, the amount of local body tax shall be assessed at the rates at which it would have been assessed had there been no underassessment or escapement but after making due deduction, if any, permitted, from time to time, by or under the bye-laws.

(2) Nothing in clause (1), shall apply to any proceedings including any notice issued under bye-law 46.

(3) Nothing in bye-law 47 shall affect the proceedings under this bye-law.

33. Rectification of mistakes. —(1) The Chief Executive Officer may, at any time within two years from the date of any order passed by him, on his own motion, rectify any mistake apparent on the face of record, and shall within a like period, rectify any such mistake which has been brought to his notice by any person affected by such order :

Provided that, no such rectification shall be made if it has the effect of enhancing the local body tax or reducing the amount of a refund, unless the Chief Executive Officer has given notice in Form P, to such person, of his intention to do so and has allowed such person a reasonable opportunity of being heard.

(2) Where any such rectification has the effect of reducing the amount of the local body tax or penalty or interest or the amount of forfeiture, the Chief Executive Officer shall refund any amount due, to such person.

(3) Where any such rectification has the effect of enhancing the amount of the local body tax or penalty or interest or the amount of forfeiture, or reducing the amount of the refund, and if any of the above amount remains unpaid after the dates specified in the notice for payment or after the extended date of payment, shall be recoverable as arrears of property tax.

34. Appeals. - Any assessee who is aggrieved by the decision of Chief Executive Officer regarding the notice of demand or assessment or refusal of refund, made under these bye-laws, may prefer an appeal to the District Court as provided under section 93 of the Act.

35. Rounding off the local body tax.—The amount of local body tax, penalty, interest, composition money, sum forfeited, fine or any other sum payable, and the amount of refund due under the provisions of these bye laws, shall be rounded off to the nearest rupee and, for this purpose, where such amount contains a part of a rupee consisting of paise, then if such part is fifty paise or more, it shall be increased to one rupee, and if such part is less than fifty paise, it shall be ignored.

36. Payment of local body tax.—(1) Every registered dealer, unregistered dealer or person other than a dealer, liable to pay local body tax or penalty or interest or any sum forfeited or the amount of fine, if any, imposed by the Chief Executive Officer under these bye-laws, shall pay to the Chief Executive Officer, local body tax, penalty, interest, sum forfeited or fine—

- (a) due and payable according to the return, on or before the 20th day of the month next following the month to which such payment relates;
- (b) in such manner, by such dates, and at such intervals or on such occasions and to such authorities as may be directed by the Chief Executive Officer and such different manners, dates, intervals, occasions, and authorities may be specified for different classes of dealers and different classes of persons by an order by the Chief Executive Officer.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-clause (a) of clause (1) but subject to the provisions of this bye-law, every registered dealer who is required to furnish annual return in Form E for the year, under the provisions of bye-law 27 shall pay the amount of local body tax payable by him each month of the year, on or before the 20th day of next month following the month to which such payment relates:

Provided that the Chief Executive Officer, may extend the due date for the payment of local body tax by one month for the first month from which the date of levy of local body tax has been notified.

(3) Any local body tax, penalty, interest, sum forfeited or fine which remains unpaid after the time mentioned in the order made by the Chief Executive Officer for payment thereof, shall be recoverable as an arrears of property tax, by service of notice in Form L.

37. Continuation of certain recovery proceedings.—Where any notice of demand in respect of any local body tax, penalty, interest, sum forfeited or fine (hereinafter in this bye-law referred to as "Board dues"), is served upon a dealer or a person liable therefore and any appeal or other proceeding is filed or taken in respect of such Board dues, then—

- (a) where such Board dues are enhanced in such appeal or proceeding, the Chief Executive Officer shall serve upon such dealer or person, as the case may be, another notice only in respect of the amount by which such Board dues are enhanced;
- (b) where such Board dues are reduced in such appeal or proceeding, the Chief Executive Officer shall give intimation of the fact of such reduction to him;
- (c) where the Board dues are reduced in such appeal or proceeding and the dealer or person is entitled to any refund thereof, such refund shall be made in accordance with the provisions of bye-law 40.

38. Special mode of recovery.—(1) Notwithstanding anything contained in any law for the time being in force or contract to the contrary, the Chief Executive Officer may, at any time or, from time to time, by notice in writing, a copy of which shall be forwarded to the dealer or person liable to pay local body tax at his last address known to the Chief Executive Officer, require—

- (a) any person from whom any amount of money is due, or may become due, to a dealer or person from whom any amount has become due under these bye-laws and has remained unpaid; or
- (b) any person who holds or may subsequently hold money for or on account of such dealer or person, to pay to the Chief Executive Officer, either forthwith upon the money becoming due or being held or at or within the time specified in the notice (but not before the money becomes due or is held as aforesaid), so much of the money as is sufficient to pay the amount due by such dealer or person in respect of the arrears of local body tax, penalty, interest, sum forfeited, fine or the whole of the money when it is equal to or less than that amount.

Explanation .— For the purposes of this bye-law, the amount of money due to a dealer or person from or money held for or on account of a dealer or person by any person, shall be calculated after deducting therefrom such claims, if any, lawfully subsisting, as may have fallen due for payment by such dealer or person, to such person.

(2) The Chief Executive Officer may, at any time or, from time to time, amend or revoke any such notice, or extend the time for making any payment in pursuance of the notice.

(3) Any person making any payment in compliance with a notice under this bye-law, shall be deemed to have made the payment under the authority of such dealer or person and the receipt of the Chief Executive Officer shall constitute a good and sufficient discharge of the liability of such first mentioned person, to the extent of the amount referred to in the receipt.

(4) Any person, discharging any liability to such dealer or person after receipt of the notice referred to in this bye-law, shall be personally liable to the Chief Executive Officer to the extent of the liability discharged, or to the extent of the liability of such dealer or person in respect of such arrears, whichever is less.

(5) Where, a person to whom a notice under this bye-law is sent, proves to the satisfaction of the Chief Executive Officer, that the sum demanded or any part thereof, is not due to such dealer or person, or that he does not hold any money for or on account of such dealer or person, then, nothing contained in this bye-law shall be deemed to require such person to pay any such sum or part thereof to the Chief Executive Officer.

(6) Any amount of money which a person is required to pay to the Chief Executive Officer, or for which he is personally liable to the Chief Executive Officer under this bye-law shall, if it remains unpaid, be recoverable as arrears of property tax.

39. Provisional attachment to protect revenue.—(1) If, during the course of inquiry in any proceedings of assessment or revision or of recovery of any local body tax or for recovery of any other sums recoverable under these bye-laws from any person or dealer or during any inspection or search in relation to the business of any person or dealer under these bye-laws, the Chief Executive Officer is of the opinion that for the purpose of protecting the interest of the revenue it is necessary to do so, then he may, notwithstanding anything contained in any law for the time being in force, or any contract to the contrary, after giving such person or dealer a reasonable opportunity of being heard, attach provisionally, by notice in writing, any property belonging to the dealer or person in respect of whom the proceedings are pending or in relation to whose business the inspection or search is undertaken and may, by like notice in writing, attach provisionally, any money due or which may become due to such person or dealer from any other person or any money which any person holds or may subsequently hold for or on account of such person or dealer.

(2) Every such provisional attachment shall cease to have effect after the expiry of a period of six months from the date of notice issued under clause(1) :

Provided that, the Chief Executive Officer may, for reasons to be recorded in writing, extend the aforesaid period by such further periods as he thinks fit so, however, that the total period of extension shall not exceed two years.

(3) The Chief Executive Officer may, at any time or, from time to time, amend or revoke any such notice, and any notice amended as aforesaid shall not be considered to be a fresh notice for the purpose of limitation specified in clause(2).

(4) The powers under this bye-law shall be exercised by the Chief Executive Officer or, with the previous sanction of the Chief Executive Officer, by any officer not below the rank of Deputy Chief Executive Officer.

40. Refund of excess local body tax payment.—Subject to the provisions of bye-law 36, the Chief Executive Officer shall refund to a dealer or person, the amount of local body tax, penalty or interest, if any, paid by such dealer or person in excess of the amount due from him by an order in Form M and the refund may be, either by cash payment or, at the option of the dealer or person, by deduction of such excess from, the amount of local body tax, penalty or interest due in respect of any other period:

Provided that, the Chief Executive Officer shall first apply such excess towards the recovery of any local body tax, penalty or interest due from such dealer or a person which has remained unpaid and shall then refund the balance, if any.

41. Power to withhold refund in certain cases.—(1) Where an order giving rise to a refund is the subject matter of appeal or where any other proceedings under these bye-laws is pending and the authority competent to grant such refund is of the opinion that the grant of the refund is likely to adversely affect the revenue, such authority may, with the previous approval of the Chief Executive Officer, withhold the refund till such time as the Chief Executive Officer may determine:

Provided that the Chief Executive Officer shall not accord his approval to withholding the refund only, if he is of the opinion that on the conclusion of such appeal, further proceedings or other proceedings, if it becomes necessary to recover the amount of refund in full or in part, then it may not be otherwise practicable or possible so to do in any reasonable period of time:

Provided further that, no order withholding the refund shall be made after expiry of ninety days from the date of service of order giving rise to the said refund.

(2) Where the refund is withheld under sub-clause(1), the Chief Executive Officer shall pay simple interest at the rate of twelve percent. on the amount of refund ultimately determined to be due to the person as a result of the appeal or further

proceedings, or any other proceedings for the period from the date immediately following the expiry of ninety days from the date of service of the order referred to in clause (1) to the date of refund.

42. Payment of composition money in lieu of non-payment of local body tax.—The Chief Executive Officer may, in such circumstances and subject to such conditions as may be determined by him, permit any dealer or a person to pay in lieu of the amount of local body tax payable by him under the provisions of these bye-laws in respect of any period, in lump sum determined by way of composition, a sum not exceeding ten times but not less than four times of the local body tax which would have been payable and on payment of a sum of composition determined by the Chief Executive Officer, no further proceedings shall be taken against the accused in respect of same offence.

43. Notice for production of documents, etc.—The Chief Executive Officer shall issue a notice in Form 'N' to any dealer or any person to –

(1)(a) produce before him any accounts or documents, or to furnish any information relating to stock of goods or of imports, purchases, sales and deliveries of goods or any other information relating to his business as may be necessary;

(b) furnish such information and documents relating to the goods imported in The Cantonment and sold the same to a dealer or a person;

(c) produce all accounts, registers and documents relating to stocks of goods, or imports, purchases, sales and deliveries of goods by any dealer and all goods in cash kept in any place by any dealer shall at all reasonable times be open to inspection by the Chief Executive Officer and the Chief Executive Officer may take or cause to be taken such copies or extracts of the said accounts, registers or documents and such inventory of the goods and cash found as appear to him necessary.

(2) Subject to the provisions of section 103 of the Act, the Chief Executive Officer may, if he has reason to believe that, any dealer or person has evaded or is attempting to evade the payment of local body tax due from him, he may, distress the movable properties :

Provided that, when the Chief Executive Officer distrains any register or documents or goods of any dealer, he shall not retain them for more than twenty-one days without recording his reason in writing for so doing.

(3) For purposes of sub-clause (c) of clause (1) or clause (2), the Chief Executive Officer, or any other official of the Board, duly authorised by the Chief Executive Officer, if he has reason to believe that the dealer or person keeps or is, for the time being keeping any documents of his business or activity or stock of goods relating to his business, may distrain such documents or stock of goods as the case may be.

(4) When in the course of any search or inspection any books of accounts, other documents, money or goods are found in the possession or control of any person, it shall be presumed, unless the contrary is proved, that such books of account, other documents, money or goods belong to such person.

44. Imposition of penalty and interest in certain cases.—(1) If any dealer, fails to-

(a) issue to the purchaser a bill, invoice or cash memo, serially numbered, signed and dated by him or his servant, manager or agent, showing therein such other particulars required under these bye laws;

(b) keep a counterfoil or duplicate of such bill or cash memorandum duly numbered, signed and dated and preserve it for a period of not less than five years from the date of sale, then,

the Chief Executive Officer may, after giving such dealer a reasonable opportunity of being heard, impose upon him by way of penalty, a sum not exceeding the amount of tax that would have been payable if the goods sold had been imported by such dealer in the Cantonment, for use, sale or consumption therein.

(2) If, while assessing or re-assessing the amount of local body tax due from a dealer under any of the provisions of these bye-laws or while passing any order in any appeal or revision or rectification proceedings, it appears to the Chief Executive Officer that such dealer—

(a) has failed to apply for registration as required and has carried on business as a dealer without being registered in contravention of provisions of these bye-laws; or

(b) has failed to comply with any notice in respect of the proceedings in respect of assessment, reassessment, production and inspection of accounts and documents and revision; or

(c) has failed to disclose any entry of goods on which local body tax is leviable in the Cantonment for, use or sale therein or has failed to show in the return the appropriate liability to pay local body tax or has claimed inaccurate deduction, refund or has failed to disclose fully and truly all material facts necessary for the proper and correct quantification of the local body tax liability, the Chief Executive Officer may, after giving the dealer a reasonable opportunity of being heard, by an order in writing, impose upon the dealer, by way of

penalty in addition to any local body tax assessed or re-assessed or found due in the appeal or revision or rectification proceedings, as the case may be -

- (i) in the case covered by sub-clause (a), a sum not exceeding five times of the amount of the local body tax payable by the dealer for the period during which he carried on business as a dealer, without being registered in contravention of the provisions of these bye-laws;
- (ii) in the case covered by sub-clause (b), a sum not exceeding rupees five thousands;
- (iii) in the case covered by sub-clause (c) a sum not exceeding two times the amount of the local body tax found payable under the said clause.

(3) (a) If a dealer or a person does not pay the local body tax within the time he is required by or under the provisions of these bye-laws to pay it, then he shall, without prejudice to any other action taken or proposed to be taken under other provisions of these bye-laws for the recovery of local body tax due, be liable to pay by way of simple interest, in addition to the amount of such local body tax, a sum equal to—

- (i) two percent per month of such local body tax after the last date by which he should have paid such local body tax.
- (b) If any local body tax, other than the local body tax on which interest is leviable under sub-clause (a) is found due from a dealer in respect of any period as a result of an order of assessment passed under the provisions of these bye laws in his case, then such dealer shall be liable to pay, by way of simple interest, a sum equal to two per cent of such local body tax for each month from the first date after the end of the period for which the dealer or the person has been so assessed, till the date of such order of assessment and if, as result of any order passed under the provisions of these bye-laws, the amount of local body tax found due is enhanced or reduced, as the case may be, the interest shall be enhanced or reduced accordingly:

Provided that the total amount of interest so payable under this clause shall not exceed the total amount of local body tax on which interest under this sub-clause is so charged.

Explanation.—For the purposes of this clause, a part of a month shall be counted as one complete month.

(4) Where any dealer knowingly issues or produces a bill, cash memorandum, voucher, declaration certificate or any other documents which is not true by reason of which any goods imported in to the Cantonment for, consumption, use or sale therein, are not liable for payment of local body tax or are liable for payment of local body tax at a lower rate, then the Chief Executive Officer may, after giving the dealer or a person a reasonable opportunity of being heard, by order in writing, impose upon him, in addition to any local body tax payable—

- (a) in the case of the first occasion of such issue or production, a sum by way of penalty not exceeding equal to the amount of local body tax due in respect of such goods; and
- (b) in the case of the second or any subsequent such occasion, a sum by way of penalty, not exceeding two times of the amount of local body tax due in respect of such goods.

(5) Where under the provisions of these bye-laws, a dealer furnishes a declaration or certificate by reason of which any local body tax is not leviable or is leviable at a lower rate on any goods imported in the Cantonment for consumption, use or sale therein, and where such dealer knew or had reason to believe that such declaration or certificate was false, or such dealer fails to abide by, or acts in contravention of, the recitals or terms of such declaration or certificate, the Chief Executive Officer may, after giving such dealer a reasonable opportunity of being heard, direct him to pay, by way of penalty, a sum not exceeding two times the amount of local body tax which, in the opinion of the Chief Executive Officer, would have been leviable on such goods had such declaration or certificate not been furnished.

(6) If a dealer fails, without sufficient cause to furnish within the specified time, a return for any period, the Chief Executive Officer may, after giving the dealer a reasonable opportunity of being heard, impose upon him by way of penalty, a sum not exceeding five thousand rupees and the penalty shall be without prejudice to any penalty leviable under sub-clause (c) of clause (2):

Provided that, this clause shall not apply to such class or classes of dealers as the Chief Executive Officer may, from time to time, order or specify.

(7) If any dealer contravenes the provisions of clause (1), the Chief Executive Officer may, after giving him a reasonable opportunity of being heard, direct him to pay, by way of penalty, a sum not exceeding the amount of such bill or cash memorandum which should have been issued in respect of the transaction regarding which such contravention has occurred, or one hundred rupees, whichever is more.

(8) If any person being a dealer liable to pay local body tax under the provisions of these bye-laws or being a dealer who was required to do so by the Chief Executive Officer by notice served on him, fails to maintain accounts in the manner

specified or fails when directed to do so to keep any accounts or records in accordance with the direction, he shall be liable to pay, in addition to any local body tax for which he may be liable, the penalty of the amount not exceeding five thousand rupees or double the amount of local body tax whichever is less, which would have been payable had there been no such contravention.

45. Imposition of penalty for contravention of certain provisions.—(1) If any dealer collects local body tax in excess of the amount of tax payable by him under the provisions of these bye-laws, or collects local body tax in respect of the goods specified in Schedule B, he shall be liable to pay, in addition to amount of local body tax payable by him, if any, a penalty of an amount not exceeding two thousand rupees or double the sum collected by way of local body tax, whichever is less, shall be forfeited.

(2) When any order of forfeiture is made, the Chief Executive Officer shall publish or cause to be published a notice thereof for the information of the persons concerned giving such details and in such manner as may be decided by the Chief Executive Officer.

(3) If the Chief Executive Officer, in the course of any proceedings under the provisions of these bye-laws or otherwise, has reason to believe that any person or dealer has become liable to a penalty or forfeiture or both, of any sum under sub-clause (1), he shall serve on such person a notice in Form O, requiring him on a date and at a place specified in the notice to attend and show cause as to why a penalty or forfeiture or both penalty and forfeiture of any sum as provided in clause (1) should not be imposed on him.

(4) The Chief Executive Officer shall thereupon hold an enquiry and shall make such order as he thinks fit.

46. Power to collect statistics.—(1) If the Chief Executive Officer considers that for the purposes of the better administration of these bye-laws, it is necessary so to do, he may direct that statistics be collected relating to any matter dealt with under these bye-laws.

(2) The Chief Executive Officer, may by a notice in any newspaper or in such other manner as in his opinion is best suited to bring the notice to the attention of dealers, call upon all dealers or any class of dealers to furnish such information as may be stated therein, relating to any matter in respect of statistics to be collected and the form in which, the information should be furnished, the particulars which they should contain, and the intervals at which such information should be furnished, shall be such as may be specified by the Chief Executive Officer.

47. Failure to furnish information or return.—(1) If any person required to furnish any information under bye-law 46—

(a) willfully refuses or without lawful excuse neglects to furnish such information or return as may be required by that bye-law; or

(b) willfully furnishes or causes to be furnished any information or return which he knows to be false, then the Chief Executive Officer may, after giving him a reasonable opportunity of being heard, by an order in writing, impose upon him a fine which may extend to one hundred rupees, and when the default is a continuing one, impose a daily fine not exceeding ten rupees for the period of the continuance of the default.

(2) If any person engaged in connection with the collection of statistics under bye-law 46, is found willfully disclosing any information or the contents of any return given or made under that bye-law otherwise than in execution of his duties under the bye-law or for the purpose of the prosecution of an offence under these bye-laws the Chief Executive Officer may, after giving him a reasonable opportunity of being heard, by an order in writing, impose upon him a fine which may extend upto one thousand rupees.

48. Public notice regarding payment of taxes.— The Chief Executive Officer may, in accordance with provisions of section 98 and section 99 of the Act, by public notice, or by publication in a local newspaper specify the time within which and the manner in which the local body tax shall be payable.

49. Appearances before any authority in proceedings.—(1) Any person, who is entitled or required to attend before any authority in connection with any proceeding under these bye laws, may attend—

(a) by a relative or a person regularly employed by him; or

(b) by an Advocate, or a Chartered Accountant or a Cost Accountant, who is authorised by such person in Form Q :

Provided that an Advocate or a Chartered Accountant or a Cost Accountant who has been disqualified in accordance with the law governing such profession shall not be entitled to appear before any authority in any proceeding on behalf of any person.

50. Savings. —(1) The payment of local body tax to the Board under these bye-laws shall not in any manner be construed to regularise any of the following acts or proceedings undertaken by the Board or the Central Government or any other authority specified in the Act, rules or bye-laws made thereunder, namely :-

- (i) unauthorised construction;
- (ii) encroachment on Government land;
- (iii) change in use of the property, or its sub-division;
- (iv) a trade being carried out in absence of valid licence under section 277 of the Act;
- (v) occupancy rights over the Government land.

(2) The payment of local body tax under these bye-laws shall not exempt from any liability of other tax payable under any law for the time being in force.

51. Joint action with Pune Municipal Corporation. - (1) Subject to the provisions of section 49 of the Act, the Board, may enter into an agreement with neighbouring Pune Municipal Corporation for levy of local body tax together, instead of separately, within the limits of aggregate area as per terms mutually agreed.

(2) In the event of agreement referred to in clause (1) being executed, the rates and goods notified for levy and collection of local body tax for Pune Municipal Corporation limit shall prevail within limits of the Board.

Schedule – A
Enumeration of goods on which local body tax is payable
[See bye-law 2 (p) and 6 (1)]

GROUP – I

Sr. No.	Name of the goods	Rate of local body tax
(1)	(2)	(3)
1	Articles made of precious metals of fineness not less than fifty percent, whether or not containing precious stones, diamonds or pearls whether real or cultured and to which entry 105 in Schedule 'A' Group II does not apply.	0.50%
2	Precious metals that is to say Gold, Silver, Platinum, Osmium, Palladium, Rhodium, Ruthenium and alloys of any of them. Explanation - For the purposes of this entry an alloy of precious metal means precious metal of fineness of not less than fifty percent.	(i) Gold Platinum, Osmium, Palladium, Rhodium, Ruthenium- 0.10% (ii) Silver- 0.50%
3	Precious Stones including diamonds, semi precious stones and pearls whether real or cultured.	0.10%
4	Hairpins, Limitation Jewellery, beads of glass, plastics or of any metal other than precious metals and parts and components thereof.	2.00%
5	Aeroplane of all kinds including helicopters, components, part and accessories of any of them	0.50%
6	Sarries	2.00%
7	(a) Drugs including Ayurvedic, Siddha, Unani, Spirituous, Medical drugs and Homoeopathic drugs but excluding drugs used for family planning, treatment of Cancer, HIV and AIDS, being formulations or preparations confirming to the following descriptions :- Any medical formulation or preparations ready for use internally or on the body of human beings, animals and birds for diagnosis, treatment, mitigation or prevention of any diseases or disorders which is manufactured or imported into India stocked, distributed or sold under licence, stocked, distributed or sold under licence granted under the Drug and Cosmetics Act, 1940, (28 of 1940) but does not include mosquito repellants in any form. (b) Medical Oxygen and Nitrous Oxide manufactured under licence granted under the Drug and Cosmetic Act, 1940, (28 of 1940).	1.00% 1.00%
8	Charcoal and Badami Charcoal used for industrial purposes.	1.00%

9	(i) liquefied petroleum gas supplied in cylinders containing upto 14.5kg and liquefied petroleum gas, piped natural gas supplied by pipelines for domestic use.	0.00%
	(ii) liquefied petroleum gas supplied in cylinders exceeding 14.5 kg. and liquefied petroleum gas, piped natural gas and compressed natural gas supplied for commercial and industrial use.	2.50%
10	Sugar, fabrics and tobacco as described from time to time in column 3 of first Schedule to the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957). Explanation. - For removal of doubts it is hereby declared that tobacco shall not include panmasala, that is to say, any preparation containing betel nuts and tobacco and one or more of the following ingredients namely :- (i) lime and (ii) Kattha (Catechu) whether or not containing any other ingredients such as cardomon, copra and methol.	Suger-0.00% Tobacco-0.20% & fabrics-2.00%
11	Handloom woven gamcha.	0.00%
12	Toddy	2.00%
13	Papad	2.00%
14	Capacitors of all types	3.50%

Group –II

Sr. No. (1)	Name of the goods (2)	Rate of local body tax (3)
1	Agricultural machinery and implements and components and parts thereof other than tractors, trailers, semi-trailers, oil engines, electric motors, pumps, electric pumping sets, capacitors of all types and pipes of all types.	2.50%
2	All equipments for electronic communication by wireless or by wire including Private Branch Exchange and electronic Private Automatic Branch Exchange	3.50%
3	All kinds of bricks including fly ash bricks refractory bricks and monolithies, asphaltic roofing tiles, earthen roofing tiles.	3.50%
4	(a) Cotton yarn but not including in cotton yarn waste;	2.00%
	(b) Save as provided in clause (a) above, any yarn whether covered with any material or not; sewing thread, waste of any of them excluding cotton and silk yarn in hanks as covered under entry 17 of Schedule – B.	2.50%
5	Aluminum conductor steel reinforced	2.50%
6	(a) Aluminum its alloys and products notified vide Notification of the Government of Maharashtra No.VAT-1505/CR-113/Taxation-1, dated the 1 st June, 2005.	2.50%
	(b) Aluminum waste and scrap	0.40%
7	(a) Arecanut powder, betel nut	0.02%
	(b) Raw cashew nut.	3.00%
8	Coir mattresses	3.50%
9	Bagasse	2.00%
10	Bamboo	0.50%
11	Bearings	3.00%
12	Biris covered under Tarrif Item No.24031031, 24031039, 24031090 of the Central Excise Tarrif Act, 1985 (5 of 1986).	1.00%
13	Beltings	3.00%
14	Sunglasses, goggles, implant lenses	3.50%
15	Biomass Briquettes	3.50%
16	Bone meal	1.00%
17	Bulk drugs, whether imported or manufactured under licence under the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940)	1.00%
18	Castings of non-ferrous metals.	2.50%
19	Centrifugal, monobloc and submersible pumps and pump sets and parts thereof	3.00%
20	Garden and beach umbrellas and components, parts and accessories thereof	3.00%
21	Clay including fire clay, fine china clay and bail clay	3.50%
22	Coal including coke in all its forms but excluding charcoal and badami charcoal used for domestic purposes.	1.00%
23	Coffee beans and seeds, cocoa pod, green tea leaf and chicory	2.00%
24	Coir and coir products excluding coir mattresses	3.50%
25	Cotton, that is to say, all kinds of cotton (indigenous or imported) in its unmanufactured state, whether ginned or unginned, baled, pressed or otherwise including cotton waste.	2.00%
26	Crucibles	3.50%

27	Crude oil, that is to say, crude petroleum oils, petroleum oils, and crude oils obtained from bituminous minerals (such as shale, calcareous rock, sand), whatever their composition, whether obtained from normal or condensation oil deposits or by the destructive distillation of bituminous minerals and whether or not subjected to all or any of the following processes. (1) decantation ; (2) de-salting ; (3) dehydration ; (4) stabilisation in order to normalize the vapour pressure; (5) elimination of very light factions with a view to returning them to the oil deposits in order to improve the drainage and maintain the pressure; (6) the addition of only those hydrocarbons previously recovered by physical methods, during the course of the above mentioned processes; (7) any other minor process (including addition of pour point depressants or flow improvers) which does not change the essential character of the substance.	3.50%
28	Dehydrated or Processed vegetables and mushrooms.	3.00%
29	Fluorescent tubes of all varieties and their fittings, including shades, chokes, starters and other components, part and accessories thereof	3.50%
29 (A)	(a) Devices notified from time to time by the Central Government under sub-clause (iv) of clause (b) of section 3 of Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940)	3.00%
	(b) Bandages and dressings manufactured or imported into India, stocked, distributed or sold under licence granted under the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940)	1.00%
	(c) Syringes	1.00%
30	Edible oil, edible oil in unrefined and oil cakes.	0.06%
31	Electrodes.	3.50%
32	Exercise book, graph book, <i>laboratory note book and drawing books.</i>	2.00%
33	(a) Ferrous and non-ferrous domestic utensils, whether coated with any material or not other than those made from precious metals;	2.50%
	(b) Domestic pressure cookers and pans;	2.00%
	(c) Buckets made of iron, steel, aluminium, plastic or any other material.	2.00%
34	insecticides, pesticides, fungicides, weedicides, rodenticides, herbicides, antispouring products, plant growth promoters or regulators, micronutrients but not including disinfectants.	2.00%
34 A	Fertilizers including biofertilisers,	0.00%
35	Fibres of all types and fibre waste	3.00%
36	Fireclay, coal ash, coal boiler ash, coal cinder ash, coal power, clinker	2.00%
37	(a) Pulse flour including besan mixed with flour of other pulses;	0.50%
	(b) Pulse flour including besan mixed with flour of cereals including maize;	0.50%
	(c) Pulse flour including besan mixed with flour of other pulses and cereals.	0.50%
38	Glucose-D	1.00%
39	Goods of intangible or incorporeal nature notified <i>vide</i> notification of the Government of Maharashtra, No.VAT-1505/CR-114/Taxation-1, dated the 1 st June, 2005.	3.50%
40	Suitcases, attach cases, brief cases, dispatch cases, vanity cases, executed cases.	4.00%
41	Gypsum of all forms and descriptions excluding gypsum boards	3.00%
42	Hand pumps, parts and fittings	3.00%
43	Trunks and school boxes made of Steel or Aluminium	2.00%
44	Herbs, gambiar, bark, dry plant, dry root, commonly known as jaribooti and dry flower.	2.00%
45	Hides and skins, weather in raw dressed state	2.00%
46	Hose pipes and fitting thereof	3.00%
47	Hosiery goods	2.00%
48	All kinds of industrial, commercial and domestic receptacles to keep food or beverage hot or cold including vaccume flask, thermases, thermic jugs, ice-buckets or boxes, urns, casseroles and components, part and accessories thereof.	3.00%
49	Rice Bran	0.50%
50	Ice including dry ice	3.50%
51	Ink pads of any forms	2.00%
52	Cullinary essences and flavoring essences	3.00%
53	Industrial cables (High voltage cables, plastic coated cables, jelly filled cables, optical fibre cables.)	3.50%
54	Industrial inputs and packing material notified <i>vide</i> notification of the Government of Maharashtra, No.VAT-1505/CR-234/Taxation-1, dated the 1 st September, 2005.read with NotificationNo VAT-1505/CR-348/Taxation-a dated 25 th August, 2006, No VATG-	3.00%

	1505/CR-83/Taxation-1, dated the 30 Sept., 2006 and No VAT-1505/CR-60/Taxation-1 dated 19 Sept 2007 excluding entry at Sr No 54 (A)	
54 A	Khava, Loni, Ghee	0.05%
55	Iron and steel, that is to say,----- (i)pig iron spong iron and cast iron including ingots, moulds, bottom plates, iron scrap, cast iron scrap, runner scrap and iron skull scrap; (ii) steel semis (ingots, slabs, blooms, and billets of all qualities, shapes and sizes); (iii) Skelp bars, tin bars, sheet bars, hoe bars and sleeper bars; (iv) steel bars (rounds, rods, square flats, octagons and hexagons, plain and ribbed or twisted in coil form as well as straight lengths) (v) steelstructurals, (angles, joints, channels, tees, sheet piling sections, Z sections or any other rolled sections.) (vi) sheets, hoops, strips, and skelp. both back and galvanized, hot and cold rolled, plain and corrugated, in all qualities in straight lengths and in coil forms as rolled and revetted conditions; (vii) plates both plain and chequered in all qualities; (viii) discs, rings, forgings and steel castings; (ix) tools, alloy and special steels of any of the above categories; (x) steel melting scrap in all forms including steel skull. Turning and boring; (xi)steel tubes, both welded and seamless, of all diameters and lengths including tube fittings; (xii) tin plate, both hot dipped and electrolytic and tin free plates; (xiii) fish plate bars, bearing plate bars, crossing sleeper bare, fish plates, bearing plates, crossing sleepers and pressed steel sleepers and pressed steel sleepers, rails heavy and light crane rails; (xiv) wheels, tyres, axles and wheel sets; (xv) wire rode and wires-rolled, drawn, galvanized, aluminized, tinned or coated such as by copper; (xvi) defective, rejects, cutting or end pieces of any of the above categories.	2.50%
56	IT Products notified <i>videnotification</i> of the Government of Maharashtra, No.VAT-1505/CR-237/Taxation-1, dated the 17 th October 2005.	3.50%
57	Jute that is to say the fiber extracted from plants belonging to the species CorchorusCapsularies and Corchorusoiltorious and the fiber known as mesta or bimli extracted from plants of the specious Hibiscus subdariffa-varaltissima and fibre known as Sunn and Sannahemp extracted from plants of the species Crotalaria Juncea, weather baled or otherwise.	3.00%
58	Kerosene oil sold through the Public Distribution System	1.00%
59	Knitting wool	2.50%
60	Dry cells and dry batteries of all varieties	3.50%
61	Lignite	1.00%
62	Lime, lime stone, products of limes, dolomite	1.00%
63	Maize gluten and maize germ oil	0.06%
64	Mixed PVC stabilizer	3.50%
65	Napa Slabs (Rough flooring stones) and Shahabadi stones	3.50%
66	Newars	3.00%
67	Non-ferrous metals and alloys in primary forms and scrap notification <i>vide</i> notification of the Government of Maharashtra, No. VAT-1505/CR-117/Taxation-1, dated the 1 st June 2005excluding entry at 67A	2.50%
67A	Copper, Brass and Zinc Waste and scrap	0.40%
68	Oil seeds, that is to say--- (i) Groundnut, or Peanut (Arachishypogaea): (ii) Sesamum or Til (Sesamum Orientale); (iii) Cotton seed (GossypiumSpp); (iv) Soyabean (Glycine seja); (v) Rapeseed and Mustard- (1) Torta (Brassica Campestrisvartoria); (2) Rai (Brassica Juncea) (3) Jamba-Taramira (Eruca Sativa); (4) Sarson-Yellow and brown (Brassiacampestrisvarsarson); (5) BanarasiRai or True Mustard (Brassica nigra); (vi) Linseed (Linumusitissimum) (vii) Castor (Ricinuscommunis)	0.06%

	(viii) Coconut (that is, Copra excluding tender coconuts)(Cocosnucifera); (ix)Sunflower (Helianthus annus); (x)Nigar seed (guizotiaabyssinica); (xi)Neemvepa (Azadirachtaindica); (xii) Mahua, illupai, Ippe (Madhucaindica. M. Latifolia, Bassia, Latifolia, Bassia, Latifolia and MadhucaLongifolia Syn. M. Longifolia):- (xiii) Karanja , Pongam, Honga(PongamiaPinnata Syn. P. Glabra); (xiv) Kusum (SchlecheraOlcosa, Syn. S Trijuga); (xv) Punnaundi (Calophyllum, inophyllum); (xvi) Kokum (Carciniaindica); (xvii) Sal (Shorearobusta); (xviii)Tung (Aleuritesfordii and A Montana); (xix) Red Palm (Elaeiguinensis) (xx) Safflower (Carthanustinctorius.)	
69	Ores and minerals	3.50%
70	(a)Paper, paper board, waste paper.	2.00%
	(b) All types of paper stationery for computer, carbon paper and ammonia paper.	2.00%
	(c) News Print	0.00%
71	Paraffin wax of food grade standard and other food grade standard including standard wax and match wax ; slack wax.	3.00%
72	Pipes of all varieties including galvanized iron pipes, cast iron pipes, ductile pipes and PVC pipes and their fittings.	2.50%
73	Pizza Bread	4.00%
74	(a)Plastic footwear (moulded), Hawaii Chappals and straps thereof	2.00%
	(b) Plastic mats (Chatai)	3.00%
75	Plastic granules, master batches, plastic powder and scrap.	3.00%
76	Printed material including annual reports, application forms, account books, balance sheet, calendars, diaries, catalogues, race cards and publications which mainly publicise goods, services and articles for commercial purposes and publication which contain space exceeding eight pages for writing, but excluding those covered under entry 6 of Schedule 'B'.	2.00%
77	Printing ink and writing ink excluding toner and cartridges	2.00%
78	Torches of all varieties and components, parts and accessories thereof.	2.50%
79	Pulp of bamboo, wood and paper.	2.00%
80	Rail coaches, engines and wagons and parts thereof	2.00%
81	(a) Readymade garments.	3.00%
	(b) Other articles of personal wear, clothing accessories, made up textile articles and sets notified vide notification of the Government of Maharashtra, No. VAT-1505/CR-118/Taxation-1 dated the 1 st June, 2005.	3.00%
82	Renewable energy devices and spare parts notified vide notification of the Government of Maharashtra, No. VAT-1505/CR-119/Taxation-1 of dated the 1 st April, 2005. Except goods covered under entry 56 of Schedule-B	2.00%
82A	Ribbon, Bow and Kajal.	2.00%
83	Roasted or fried pulses including gram	2.00%
83A	Rock Salt	0.00%
84	Rubber that is to say (a) raw rubber, (b) latex (c) dry ribbed sheet of all grades	3.00%
85	Safety Matches	1.00%
85A	Safety Helmets	3.50%
86	Electrical bulbs and tubes of all varieties.	3.50%
87	Sewing machines and parts, components and accessories thereof and all kinds of sewing needles and knitting needles.	3.00%
88	Ship and other water vessels	2.00%
89	(a) Milk powder including skimmed milk power	2.00%
	(b) UHT milk	2.00%
	(c) Condensed milk whether sweetened or not	2.00%
	(d) Milk containing any ingredient and sold under a brand name	2.00%
	(e) Buttermilk, Separated milk, Lassi and Curds (whether or not sweetened or flavoured) when sold under a brand name.	2.00%
90	Solvent oils other than organic solvent oil	3.50%

91	Spices including cumin seed, hing (asafoetida), aniseed, saffron, pepper.	2.00%
91 A	Poppt seeds	0.00%
92	Sports goods excluding apparels and footwear	3.50%
93	Starches and Tapioca	2.00%
93 A	Sago	0.00%
94	(a) Sweet and sweetmeats including Shrikhand, Basundi, Doodhpak excluding ice-cream, other edible ice, cocoa, kulfi, non alcoholic drinks containing ice-cream or kulfi sweet droops, toffees, chocolates, other confectioneries and all kinds of bakery products.	3.00%
	(b) Varieties of farsannotified videnotification of the Government of Maharashtra, No. VAT-1505/CR-165/Taxation-1 dated the 1 st June, 2005	3.00%
95	Poultry machinery and equipment	3.00%
96	(a) Tractors, trailers, trolleys (being agriculture tractors, trailers, trailers and trolleys),Harvesters, attachments, parts, components, accessories, tyres and tubes thereof.	2.00%
	(b) threshers and attachments parts, components, accessories, tyres and tubes thereof.	2.00%
97	Transformers and components and parts thereof	3.50%
98	Transmission towers	3.50%
99	(a) Raincoats and Umbrella except garden umbrella,	3.00%
	(b) Components, parts, and accessories of umbrella except garden umbrella.	3.00%
100	Vanaspati (Hydrogenated vegetable oil)	0.06%
101	Varieties of Textile and Textile Articles notified vide notification of the Government of Maharashtra, No.VAT-1505/CR-120/Taxation-1 dated the 1 st June, 2005 and VAT-1510/CR-47A/Taxation-1 dated the 17 th March, 2010.	3.00%
102	Vegetable oil including gingili oil, castor oil and bran oil.	2.00%
103	Windmill for water pumping and for generation of electricity and its components, part and accessories.	2.00%
104	(a)Writing instruments, ball point pens, felt tipped and other porustipped pens and markets; fountain pens, stylograph pens and other pens, duplicating stylos, propelling or sliding pencils, pen holders and similar holders, parts (including caps and clips) of the forgoing articles;	2.00%
	(b) Mathematical instruments boxes including instruments thereof, students colour boxes, crayons and pencil sharpeners.	0.00%
	(c) Writing boards or writing pads, drawing boards, black boards , green boards, white boards, examination pads, foot rulers, erasers, glitter, pens, sketch pens, staplers, pencil leads, oil pastels, drawing charcoals and envelopes.	2.00%
105	Embroidery or Zari material that is to say, (i) imi; (ii) zari; (iii) Kasab; (iv) saima; (v) dabka; (vi) chumki; (vii) gota; (viii) sitara; (ix) naquasi;(x) kora (xi) badla (xii) gizal; (xiii) embroidery machines; (xiv) embroidery needles	3.00%
106	Kopra	2.00%
107	(1) Animal hair other than raw wool;	2.00%
	(2) Coal tar;	3.50%
	(3) Combs	2.00%
	(4) Cups and Glasses of paper or plastic;	2.00%
	(5) Feeding bottles and nipples;	2.00%
	(6) Medical devices and implants notified vide notification of the Government of Maharashtra, No.VAT-1505/CR-233/Taxation-1 dated the 23 rd November 2005.	2.00%
	(7) Porcelain insulators.	3.50%
	(8) Screws, nuts, bolts, fasteners, coast screws, screw hooks, revets, cotters, cotter pins, washers including spring washers.	2.50%
	(9) (a) Raw meat. Raw flesh of poultry and raw sea food including fish, prawns, lobsters, crabs and shrimps when in frozen state or in sealed container.	3.50%
	(b) Fruits and vegetables when in frozen state or in sealed container.	3.00%
	(c) Processed, semi-processed or semi-cooked food articles made from meat of any animal or flesh of bird including Ham, Bacon, Sausages, Salami or Kababs, whether or not in frozen state or in sealed container.	3.50%
	(d) Processed, semi-processed or semi cooked flesh of poultry, sea-food including fish, prawns, lobsters, crabs and shrimps, whether or not in frozen state or in sealed container,	3.50%
	(e) Processed, semi-processed or semi-cooked frits and vegetables including fruit jams, jelly, pickle, sauce, porridge, marmalade, cottage cheese (panner), honey, preserved fruits, fruit squash, fruit paste, fruit drink, fruit juice, vegetable juice, squashes, syrups, cordials, whether or not in frozen or in sealed container.	3.50%
	(f) Raw, semi cooked, semi processed, ready mix and ready to cook (food preparation, in	3.50%

	sealed containers excluding ready to eat food and those covered by clause (a) to clause (e) above in this schedule.	
	(g) Powders, tablets, cubes, crystals and other solids or liquids from which non-alcoholic beverages and soups are prepared.	3.50%
	(10) Silica Sand	3.50%
	(11) Chilly seeds, Tamarind seeds and powder thereof	2.00%
	(12) Toys and games excluding electronic toys and electronic games.	3.00%
	(13) Wax candles	2.00%
108	(1)(a) Dryfruits including raisins, currants and cashew nuts	3.00%
	(b) Tea in leaf or powder from including instant tea.	2.00%
	(c) wet dates	0.02%
	(2) Timber.	2.00%
	(3) Wood free plain and-laminated particle board covered under Tariff item 4410.90.10 and 4410.90.90 of the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) with BIS specification IS-3087 or IS-12823, having logo 'ECOMARK' obtained from BIS.	4.00%
109	Cinematographic equipments including cameras, projectors, sounds recording and reporting equipments, lenses, films and films strips, cinema carbond required for use therewith and components, parts and accessories of any of them and cinema slides and raw films.	4.00%
110	Clearing nuts (Shikekai) and Soap nuts (Ritha) in whole or powder from	0.50%
111	Compact Fluorescent Lamps	3.50%
112	LPG Stoves for domestic use; parts, components and accessories thereof	2.00%
113	Cotton ginning and pressing machinery covered by sub-heading 84451910 of Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986)	3.00%
114	Compositing Machinery	3.00%
115	Vehicles Operated on Battery or Solar power	2.00%
116	Adult diapers and Sanitary napkins.	2.00%
117	All types of Electric goods and Parts.	3.50%
118	All kinds of Imported Soap	5.00%
119	Imported kitchenware, Cutlery, Clocks, watch	8.00%
120	Furniture of all kinds and Cabinetware	3.50%
121	Imported Furniture And Cabinatware	8.00%
122	Imported Aromatic Chemicals and related material, Perfumed oils. Perfumery Scents, Uttars, and Cosmetics.	5.00%
123	All kinds of Imported Tiles	5.00%
124	All kinds of Imported oilman stores and Foods.	5.00%
125	* * * deleted * * *	****
126	Motor-cars, Motor buses, Motor-cycles, Motor chassis price having less 10 lakhs.	2.00%
127	Machines, Machinery of all sort, their parts.	3.00%
128	Metal polish, and boot polish	3.00%
129	Potash, ritha, Soda Alum (Saline substances), washing soda, phenyl and otgher substances and floor and utensils	2.00%
130	All sorts of plastic bags, canvas bags, rexin bags, polythine bags	3.00%
131	All types of plastic goods and material, rexin, upholstery material, fiber, fiber material, fiber glass, glass wool, thermacol, thermacol goods acrylic and acrylic goods etc	3.00%
132	All sorts of foams, all sorts of foam sheets, foam leather	3.00%
133	All types of hardware, M.S. Welding Rod and welding material	2.50%
134	Washin machine, refrigerator, over, micro overn, mixer, water gizer, grinder, water purifiers and water coolers, air conditioner and all domestic electric and electronics appliances and their components, spare parts and accessories etc.	3.50%
135	All kinds of Indian Soaps and washing powder	2.00%
136	Electronic toys and electronic games	3.00%
137	All types of automobile, their parts and accessories	3.00%
138	All kinds of earth synthetic sand, river sands, stone, murum and gravel	2.00%

GROUP – III

Sr. No. (1)	Name of the goods (2)	Rate of local body tax (3)
1	Foreign Liquor as defined from time to time in clause (1) of sub-rule (6) of rule 3 of the Bombay Foreign Liquor Rules, 1953 excluding wine.	8.00%
2	Country liquor, as defined in Maharashtra Country Liquor Rules, 1973	8.00%
3	Liquor imported from any place outside the territory of India, as defined from time to time in sub-rule (4) of rule 3 of Maharashtra Foreign Liquor (Import and Export), Rules, 1963 excluding wine.	8.00%
3A	Wines, as defined from time to time, in clause (1) of sub-rule (6) of rule 3 of the Bombay Foreign Liquor Rules, 1953 and in sub-rule (4) of rule 3 of Maharashtra Foreign Liquor (Import and Export) Rules, 1963.	8.00%
4	Molasses, rectified spirit, absolute alcohol and extra neutral alcohol	7.00%
5	High Speed Diesel Oil	2.00%
6	Aviation Turbine Fuel (Duty paid)	3.50%
7	Aviation Turbine Fuel (Bonded)	3.50%
8	Aviation Gasoline (Duty paid)	3.50%
9	Aviation Gasoline (Bonded)	3.50%
10	Any other kind of Motor Spirit	2.00%
11	Tobacco, manufactured tobacco and products thereof including cigar and cigarettes but excluding those to which entry 10 of Group-I of this Schedule A applies.	8.00%
12	Aerated and Carbonated non-alcoholic beverage whether or not containing sugar or other sweetening matter or flavor or any additives.	4.00%

GROUP-IV

Sr. No. (1)	Name of the goods (2)	Rate of local body tax (3)
1	All goods not covered in this Schedule and Schedule – B	4.00%

NOTE– Notwithstanding any rate as notified above any concession/rebate in the levy of octroi given by the government of Maharashtra by order / notifications shall be continued subject to terms and conditions mentioned in such respective Government of Maharashtra's order

SCHEDULE – B

Enumeration of goods on which no local body tax is payable
[See bye-law 2 (q) and 6 (1)]

Sr. No. (1)	Name of the goods (2)
1	Agricultural implements manually operate or animal driven, components and parts of such implements notified <i>vide</i> notification of the Government of Maharashtra, No.VAT.1505/1505/CR-109/Taxation-1, dated the 1 st April, 2005.
2	Aids and implements, components and parts thereof used by handicapped persons notified <i>vide</i> notification of the Government of Maharashtra, No.VAT-1508/CR.96/Taxation-1, dated the 5 th November, 2008.
3	Animal driven carts including bullock carts and components, parts and accessories thereof (excluding bearings, tube and tyres)
4	(a) Aquatic feed, cattle feed, poultry feed, their concentrates, additives and supplements, (b) Grass, hay, straw, sugarcane. (c) Husk and bran of cereals and pulses, sarki pend and de-oiled cakes, but excluding other oil cakes and Rice bran.
5	Betel leaves and Beedi leaves.

6	Books, that is to say, every volume or part or division of a volume including almanacs, school text books prescribed by Government panchangs, time table for passenger transport services, periodicals, maps, charts, orreries and globes, but excluding, annual report, application forms, account books, balance-sheets, calendars, diaries, catalogues, race cards, publications which mainly publicise goods, services and articles for commercial purposes and publications which contain space exceeding eight page for writing.
7	Bread (excluding pizza bread) in loaf, rolls or in slices, toasted or otherwise.
8	Broomsticks and brushes of a type used to clean floor including toilet floor
9	Cereals (other than paddy, rice and wheat) in whole grain, split or broken form and their-flour singly or in mixed form.
9A	(a) Paddy, rice, wheat and pulses in whole grain, split or broken form. (b) The flour of wheat and rice including atta, maida, rawa and suji whether singly or in mixed form. (c) The flour of pulses including besan singly and not mixed with flour of other pulses or cereals.
10	Chalk Stick.
11	Charcoal and Badami Charcoal (excluding for industrial use)
12	(a) Charkha, Aambar Charkha, and other implements used in the production of handspun yarn and components, parts and accessories of any of them. (b) Khadi garments. (c) Made-ups and other goods prepared from handspun yarn.
13	Handlooms, their parts, accessories, attachments and auxiliary machines notified vide notification of the Government of Maharashtra, No. VAT-1505/CR-111/Taxation-1 dated the 1 st April, 2005.
14	Gandhi Topi.
15	Clay lamps.
16	Contraceptives of all types, drugs medicines formulation and appliances used for family planning and for treatment of Cancer, HIV and AIDS.
17	Cotton and silk yarn in hank.
18	Buttermilk, Separated milk, Lassi and Curd (excluding buttermilk, separated milk, lassi and curd whether or not sweetened or flavoured when sold under a brand name.)
19	Earthen pot and red earth.
20	Electricity
21	(a) Firewood excluding Casuarina Poles and eucalyptus logs and cut sized thereof . (b) Fuel made from solid waste procured from any local bodies or on their behalf. (c) Biomass pellets.
22	Fishnet, fishnet fabrics, fish seeds, prawn seed and shrimp seeds.
23	Fresh plants, Saplings and natural flowers excluding Mahua flowers.
24	Fresh vegetables, potatoes, sweet potatoes, yam (elephant's foot), onions and fresh fruits, excluding wet dates, except in frozen state or in sealed container.
25	Garlic and ginger.
26	Bangles made from any material except precious metals.
27	goods of incorporeal or intangible character, other than those covered under entry 39 in Schedule-A and notified vide notification of the Government of Maharashtra, No. VAT.1505/CR-114/Taxation-1, dated the 1 st June, 2005.
28	Human blood, its components and products thereof.
29	Idols of deities in clay or Plaster of Paris.
30	(a) indigenous handmade musical instruments and components and parts thereof notified vide notification of the Government of Maharashtra, No. VAT.1505/CR-112/Taxation-1, dated the 1 st April, 2005. (b) Bicycles, tricycles, cycle rickshaws and parts, components, accessories, tyres and tubes thereof.
31	Kumkum in any form including bindi, atta and sindure.
32	Leaf plates and cups.
33	(1)(a) Raw meat except in frozen state or in sealed container, (b) Raw flesh of poultry except in frozen state or in sealed container, (c) Raw seafood including fish, prawns, lobsters, crabs and shrimps except in frozen state or in sealed container. (2) Eggs in shell. (3) Sheep, goats, pigs, poultry and cattle excluding horses.
34	Milk, that is to say, animal milk in liquid form except when served for consumption and excluding (a) condensed milk whether sweetened or not, and (b) milk containing any ingredient and sold under a brand name.
35	National flag
36	Judicial and Non-judicial stamp paper when sold by Government Treasuries; postal items like envelopes, post cards etc. when sold by Government.
37	Organic manure (excluding oil cakes and de-oiled cakes.)

38	(a) Plantain leaves. (b) Rakhee.
39	Poha, lahya and chirmura.
40	Raw wool.
41	Seeds of all types excluding seeds to which any other entry of this Schedule or of Schedule – A applies.
42	Semen including frozen semen.
43	Silk worm lying, cocoon and raw silk.
44	State and state pencils but not including writing boards.
45	Katha (Catechu)
46	Tender green coconut.
47	Lottery Tickets.
48	Salt, that is to say, common salt including iodised salt.
49	Water other than,____ (a) aerated, mineral, distilled, medicinal, ionic, battery, demineralised water. (b) water sold in sealed container. (c) water for injection.
50	goods distributed through the Public Distribution System, (except kerosene)
51	(i) Gur (ii) Chillies, turmeric and tamarind whole, powdered or separated. (iii) Coriander seeds, Fenugreek and Parsley (Suva) whole or powdered. (iv) Coconut in shell and separated kernel of coconut other than copra.
52	Currency Notes and Coins.
53	Hurricane lantern and Kerosene lamp, Kerosene lanterns, petromax lanterns, kerosene stoves, kerosene pressure stoves, petromax pressure lamps, pressure lamps, glass chimneys and lanterns, petromax gas mantles and accessories, components and parts of all of them.
54	Lac, Shellac and their products.
55	(a) Incense sticks commonly known as agarbatti, dhoop, dhupkadi or dhupbatti. (b) Camphor. (c) Loban and Ral.
56	Solar energy devices and spare thereof notified <i>vide</i> notification of the Government of Maharashtra, No.VAT-1509/CR-81-B(1)/Taxation-1, dated the 29th June, 2009.
56A	Pre-fabricated domestic biogas units.
57	Newspapers
58	Handmade Laundry Soap manufactured by Units certified by the Maharashtra State Khadi and Village Industries Board constituted under the Bombay Khadi and Village Industries Act, 1960, (Mah. Act XIX of 1960) but excluding detergent.
59	Neera and Arak.

FORM -A
[See bye-law 3(4) and 3(6)]
Application for registration

To,
The Chief Executive Officer
Pune Cantonment Board
Golibar Maidan, Pune 411 001.

Space for
photograph

1. Name of the applicant (In block letters) _____
2. Status of the applicant _____
(Proprietor/Partner/Karta of the H.U.F / Manager/ Director/ Secretary/ Principal Officer /Association of persons/ Artificial juridical person etc.)
3. Business name (In block letters) _____
4. Date of commencement of business _____
5. Full address of the principal place of business. _____
_____.Pin code. _____
6. Constitution of the business _____
(Proprietary/Partnership/H.U.F /Pvt Ltd Co/LTD Co. /Co-op. Society)
7. Nature of business (Manufacturer/ Reseller/Others, specify _____

8. Goods dealt in (General description) _____
 9. Address of the additional place/s of business, if any. _____

 10. Telephone No. (with S.T.D. Code). _____
 11. Fax No. _____
 12. E-mail address _____
 13. Details of Bank Account:-

Sl. No.	Name of the Bank	Name of the Branch	Account No.

14. Registration No. under Maharashtra Value Added Tax Act 2002 (Mah. Act IX of 2005) _____ dated ____
 15. Certificate No. under the Shop and Establishment Act _____ dated ____
 16. Income Tax PAN No. _____
 17. The name and permanent residential address/es of the proprietor/all partners / all directors of the company / of the business/all members of the managing committee of the society, club or other association/all persons having any interest in the business (including the members of a Hindu undivided family business), their age and father's name, is as under:-

Sl. No.	Name in full	Age	Permanent residential address
1			
2			
3			
4			
5			

(If the names are more than five, a separate sheet with the above particulars, duly signed and dated by the applicant, should be affixed to this Form)

18. The application for registration under the Pune Cantonment Board (Local Body Tax) Bye-laws, 2015 is being made -

(1) (a) A dealer who is an importer, as the turnover of all the sales / purchases (strike out whatever is not applicable), first exceeded the limit specified under sub-clause (a) of clause (1) of bye-law 4, during the year commencing on 1st April _____ (mention here the year), on _____ (mention here the date on which such turnover exceeded the specified limit). The particulars of the turnover are as under:

- (i) Value of goods imported into the Cantonment from ___ to ___ Rs__
 (ii) Value of schedule 'A' goods purchased/sold from ___ to ___ Rs__
 (iii) Value of (taxable and tax-free) goods sold /purchased from ___ to ___ Rs__

(b) as others, as the turnover of all sales / purchased exceeded the limit specified in sub-clause (b) of clause (1) of bye-law 4 in the year commencing on 1st April _____ (mention here the year) on _____ (mention here the date on which the turnover exceeded the prescribed limit).

The particulars of the turnover being as under -

- (i) value of schedule 'A' goods purchased/ sold from _____ to _____ Rs__
 (ii) value of goods (taxable and tax-free) purchased/sold from ___ to ___ Rs__

- (2) on account of -

(a) change in constitution from *proprietary business to partnership business / partnership business to proprietary business / proprietary/partnership to Pvt. Ltd Co/ Ltd Co. (* strike out whichever is not applicable) with effect from _____

(b) part transfer of business/ transfer of the entire business having local body tax registration No. _____ w.e.f _____

- (3) as a successor in business having local body tax registration No. _____ w.e.f , _____ under * sub-clause (i) of clause(3) / *clause(7) of bye-law 6 (*strike out whatever is not applicable).

The above statements are true to the best of my knowledge and belief.

Place:

Signature

Date:

Status

19. Declaration by the partners/ directors of a firm/ company;

We, hereby declare that we are carrying on the business in partnership known as _____ at _____ and other places in the Cantonment and we state that the statements contained in the application for registration of the said partnership firm and this declaration are true to the best of our knowledge and belief.

Sl. No.	Full name of each partner including his name, father's name and surname	Permanent residential address	Extent of share in partnership	Name and address of all other local businesses in which the partner has any share or interest	signature

Place:

Signature

Date :

Status

(For office use only)

Details of Fees paid :Rs. _____/- paid vide 4-B receipt No. _____ dated: _____

Signature of the receiving Officer.

ACKNOWLEDGEMENT

Received an application for registration, in Form - A from _____ under bye-law 3 of the local body tax bye laws.

Sl. No. _____

Officer before whom the applicant is called for verification of accounts _____

Date :

Receiving Officer.

FORM B [See bye-law 9(1)] Certification of registration

Sl. No. _____

No. _____

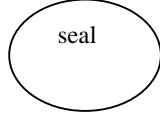
This is to certify that Shri/Messrs _____ who/which is carrying on the business know as _____ whereof the only/main place of business in the Cantonment is situated at (address) _____ has been registered as a dealer under bye-law 3 of the Pune Cantonment Board (Local Body Tax) Bye-laws, 2015 with effect from _____

This dealer deals this business wholly/mainly/Partly in _____ classes of goods (general description).

This dealer has additional places of business at the address specified below: Additional place of business:

- (a) Other than warehouses _____
 (b) Warehouse _____

This dealer carries on the below mentioned activity of processing on job workbasis:-



Place:
Date:

Signature of Issuing Authority
Designation

FORM 'C'
[See bye-law 15 (2)]
Application for cancellation of certificate of registration

To,
The Chief Executive Officer,
Cantonment Board
GolibarMaidan, Pune 411001

I, _____ am a _____ (mention here the status of the person signing the application), on behalf of _____ (state here the name of the firm, co., etc) who is carrying on business of _____ (state here the nature of business), holding a certificate of registration bearing No. _____ under the local body tax bye-laws whose only / chief place of business in the Cantonment is situated at _____ (full address) hereby apply for the cancellation of the said certificate of registration under bye-law 15 on account of -

*(a) the said business having been discontinued with effect from _____

*(b) the turnover of sales and the turnover of purchases of the business during the year ____ having failed to exceed the limits specified in the bye-law 4 as per following details :-

Period	Value of goods imported (Rs)	Turnover of all sales in all places of business in the Cantonment		Turnover of all places of business in the Cantonment	
		Taxable goods (Rs)	Non-taxable goods (Rs)	Taxable goods (Rs)	Non-taxable goods (Rs)
01	02	03	04	05	06

*(c) the following changes having been effected in the ownership of the business _____

*(d) the said business having been disposed of wholly as under

*(e) the additional place of business having been discontinued w.e.f _____

*(f) the place of business having been shifted to the following address :-

*(g) the following other reasons :-

The original certificate of registration is enclosed herewith.

In case the original certificate is not enclosed, state the reasons _____.

I, _____ do hereby declare that what is stated above is true to the best of my knowledge and belief.

Place
Date:

**Signature
Status

*strike out whichever is not applicable

** to be signed by dealer or any person duly authorized by him

ACKNOWLEDGEMENT

Received an application in form 'C', signed by Shri _____ dated _____ for cancellation of certificate of registration with / without the original copy of certificate of registration.

Place

Date:

Receiving officer

Form D (See bye-law 17)

Registers for purchase and receipt of goods

Sl. no.	Bill No and date	Name and address of Vendor	Local body tax Reg. no.	goods	Total bill amount	Purchase Value of goods exempted from local body tax	Purchase value of goods/ processing charges, chargeable to local body tax	Rate of local body tax	Local body tax payable
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

The dealer should maintain register of purchase in accordance with following:

- (1) It should be chronologically (date wise) maintained
- (2) Entry of goods to be made as per date of receipt in the Cantonment.
- (3) Incorporate the detail of purchase/ import viz.
 - (a) Invoice No. and Date.
 - (b) Name and address of selling person/consignor.
 - (c) If local R.D. the R.C No.
 - (d) If not local, the place from where goods moved for sale by selling dealer.
 - (e) Purchase price in case of Branch transfer means the value of goods.

FORM E [See bye-law 27]

Form of Annual Return

Return - cum - Challan
Period from _____ to _____

Local Body Tax Registration No _____
Name _____ and address _____ of the person _____
No. _____ Cell / Telephone _____

PART-1

1. Turnover of all sales (including value of goods sent outside the Cantonment on consignment basis Rs. _____)

2. Details of receipt of goods (by purchases, by transfers and by return of goods/rejection) Rs. _____

PART-II

3. Value of goods received for consumption use or sale, in rupees –

- (a) By import _____
 (b) By transfer _____
 (c) By return of goods/rejection _____

4. Total Rs. _____

5. Deduct -

Value of goods in rupees-

- (a) purchased from local registered dealer _____
 (b) Received by transfer within the Cantonment _____
 (c) Received back on account of return/rejection within six months. _____
 (d) Exemption for goods mentioned in Schedule 'B' _____
 (e) Exempt under bye-law 26 _____

6. Total of (a) to (e) Rs. _____

7. Value of goods liable for Local body tax (4 - 6) Rs. _____

8. Calculation of local body tax payable on goods in part II :-

Goods imported	Goods covered by schedule entry	Rate of local body tax applicable	Value of goods liable for local body tax	Amount of local body tax payable
1	2	3	4	5

PART -III

9. Details of goods imported for export under bye-law 30 :-

- (a) Opening stock of goods imported for export as on 1st April _____ Rs. _____

- (b) Value of goods imported for export under bye-law 30 during the year Rs. _____

10. Total of (a) and (b) Rs. _____

11. Value of goods exported within six months Rs. _____

12. Value of goods not exported within six months and on which local body tax is payable Rs. _____

13. Balance value of goods which are not exported and in respect of which the period of six months is not over Rs. _____

14. Refund admissible in respect of the goods exported
Within six months (column 11) Rs. _____

15. Calculation of local body tax leviable on the value of goods shown in 12.

Goodsimported	Goods covered by schedule entry	Rate of local body tax applicable	Value of goods liable for local body tax	Amount of local body tax payable
1	2	3	4	5

PART-IV

Details of goods Imported for processing on job work basis under
clause (4) of bye-law 26.

16. (a) Value opening stock of goods imported and remained
unprocessed as on 1st April _____ Rs. _____
(b) Value of goods imported for processing
on job work basis during the year Rs. _____
17. Total of (a) and (b) Rs. _____
18. Value of goods processed and exported within six months.
19. (a) value of goods not processed and not exported
within six months Rs. _____
(b) value of goods processed but not exported
within six months Rs. _____
20. Total of 19 (a) and (b) on which local body tax is payable Rs. _____
21. Balance value of goods which are not processed/
processed and not exported and in respect of which
the period of six months is not over Rs. _____

22. Computation of local body tax payable on goodsimported but not exported within six months as shown in
column 20:-

Goods imported	Goods covered by schedule entry	Rate of local body tax applicable	Value of goods liable for local body tax	Amount of local body tax payable
1	2	3	4	5

PART-V

Value of goods exported for processing out of the Cantonment andimported duly processed [see clause(3) of bye-law26]

23. (a) value of opening stock of goods exported for Processing out of the Cantonment and not imported as on 1st April _____ Rs. _____
 (b) value of goods exported out of the Cantonment for processing during the year Rs. _____
24. Total of 23 (a) and (b) Rs. _____
25. (a) value (excluding processing and other charges etc.) of goods exported for processing and re-imported after being duly processed, within six months, Rs. _____
 (b) value addition i.e. processing charges, transport, and other incidental charges, etc. in respect of goods duly processed and re-imported from out of the Pune Cantonment within six months Rs. _____
26. Value of goods exported for processing and not received back within six months out of column 24. Rs. _____
27. Value of goods exported for processing and where the period of six months is not over Rs. _____

28. Computation of local body tax in respect of column 25 (b)–

Amt. in Rs.

Goods imported by schedule entry	Rate of local body tax applicable	Value of goods processed and imported	Local body tax payable	Corresponding value of goods sent for processing	Local body tax paid on the value	Balance to be paid
1	2	3	4	5	6	7

PART-VI

Claim for refund of local body tax under bye-law 30 (exported)

29. Value of goods exported under bye-law 30 within 6 months Rs. _____
30. Computation of refund in respect of column 29:-

Goods	Goods covered by schedule entry	Rate of local body tax	Value of goods exported in Rs.	Corresponding purchase value on which Local body tax paid. To be estimated if not available (in Rs.)	Local body tax paid in Rs.	Refund 75% of the amount paid earlier in Rs.
1	2	3	4	5	6	7

PART-VII
Calculation of total local body tax payable

31. Local body tax payable as per:
- (a) item 08 Rs. _____
- (b) item 15 Rs. _____
- (c) item 22 Rs. _____
- (d) item 28 Rs. _____
32. Total Rs. _____
33. Deduct -
- (a) Amount of refund as per Item 30 Rs. _____
- (b) Amount paid vide Challan dated Rs. _____
34. Total Rs. _____
35. Net amount of tax payable/refundable (strike out whichever is Not applicable):
- (a) Tax Rs. _____
- (b) Interest Rs. _____
- (c) Penalty Rs. _____
- (d) Security Deposits Rs. _____
- (e) Fees Rs. _____
36. Total Rs. _____
37. Amount paid with this return cum challan
- (in words) Rs. _____
- (in figures) Rs. _____
38. Amount paid in cash/by cheque No _____ dated _____ of _____
- Bank _____ Branch _____ Bank A/c. No _____.

The above statement is true to the best of my knowledge and belief.

Date:

Place:

Signature

For Office use

Received the amount of rupees(in words) _____ (in figures) _____.

Date :

Place;

Cashier/Accountant

Challan for the bank tax collection	Challan for the bank tax collection – send to Pune Cantonment Board	Challan for the Tax Payer
Name and address	Name and address	Name and address
R C No.	R C No.	R C No.
Period from _____ to _____	Period from _____ to _____	Period from _____ to _____
Rs.	Rs.	Rs.
local body tax	local body tax	local body tax

Interest Penalty Security Amount Fees Total amount	Interest Penalty Security Amount Fees Total amount	Interest Penalty Security Amount Fees Total amount
Amount paid with Return-cum-challan (in words) (in figures) _____ Amount paid in cash / by cheque no. _____ dated _____ of Bank Branch _____ Date : Place : Designation: Signature :	Amount paid with Return-cum- challan (in words) (in figures) _____ Amount paid in cash / by cheque no. _____ dated _____ of Bank Branch _____ Date : Place : Designation: Signature :	Amount paid with return-cum- challan (in words) (in figures) _____ Amount paid in cash / by cheque no. _____ dated _____ of Bank _____ Branch Date : Place : Designation: Signature :
For office use only Received Rupees (in words) _____ _____ in figures _____ Date of entry : _____ challan no. _____	For office use only Received Rupees (in words) _____ _____ in figures _____ Date of entry : _____ challan no. _____	For office use only Received Rupees (in words) _____ _____ in figures _____ Date of entry : _____ challan no. _____

FORM F

[See bye-law 16 and 27 (1)]

Declaration of name of manager of business

To,

I _____ am a registered dealer/I, _____ Partner/Director/Manager/Trustee/Officer-in-Charge of * _____ (Firm ,Company etc.) who is a registered dealer, carrying on the business known as _____ situated at _____ and holding Certificate of Registration No. _____ dated _____ hereby intimate that with effect from _____ I /the said _____ (Firm, Company etc.) have/has _____ nominated _____ shri/shrimati /Kumari* _____ of _____ (address) whose three specimens of signature given below which Shri/Smt./Kumari* _____ intends to use for signing on my behalf/on behalf of the said _____ (Firm, Company, etc.) for the purpose of the Pune Cantonment Board (Local Body Tax) Bye-laws, 2015.

I have/the said _____ (firm/Company etc.) declared Shri/Smt/Kumari _____ * _____ of _____ (address) to be manager of the business of the said M/s _____ (Firm/Company, etc.) for the purpose of the local body tax bye laws.

Specimens of the signature of the person nominated

I hereby declare that this nomination supersedes all the previous nominations made by me/the said _____ (firm, company etc) in this behalf.

I _____ /the said _____ (Firm/Company etc.) shall be responsible for carrying out all the undertakings and fulfilling all the conditions contained in the recitals of the certificates issued and signed above said nominee(s) in respect of for the purpose of the Pune Cantonment Board (Local Body Tax) Bye-laws, 2015.

Place -
Dated :

Signature
Status

* Strike out whichever is not applicable.

FORM G
[See bye-law 27(3) and 31 (4)]

To,

Reference No. _____

You are hereby required to furnish to me at my office at _____ on or before _____ a return of your turnover of sales and turnover of purchases of all goods in Form E (copy enclosed) for the period from _____ to _____ and to furnish to me similar return for each subsequent year within fifteen days from the expiry of the relevant period.



Place:
Dated :

Signature
Designation

FORM-H
[See bye-law 31 (7)]
Notice

M/s. _____

Registration No. _____

Whereas, I desire to satisfy myself that the returns furnished by you in respect of the period from _____ to _____ are correct and complete;

Whereas being a registered dealer, you have not furnished by the prescribed date returns in respect of the period from _____ to _____.

Whereas being liable to pay tax under the local body tax bye laws in respect of the period from to _____ you have failed to apply for registration under bye-law 3 of the Pune Cantonment Board (Local Body Tax) Bye-Laws, 2015;

Therefore, you are hereby directed to attend at _____ (place) at _____ on _____ and

* (1) to produce or cause to be produce any evidence on which purely in support of the returns and at the same time to produce or cause to be produced the following documents and account:-

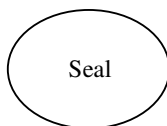
Sales and purchase registers, ledger, cash book, stock register, copy of trading account, Profit & Loss A/C, Balance sheet, month wise summary statements of Sales and Purchases, refund claims, etc. and furnish or cause to be furnished the following information :-

*(2) to show cause as to why you should not be assessed under sub-clause (i)/(ii)/(iii)/(iv) of clause (3)/sub-clause (i)/(ii) of clause (4)/clause (5)/clause (6) of bye-law 31 of the Cantonment Board (Local Body Tax) Bye-laws, 2015.

*(3) to show cause as to why a penalty under clause (1) of bye-law 44 of the Pune Cantonment Board (Local Body Tax) Bye-laws, 2015 should not be imposed upon you ;

*You are also required to show cause as to why a penalty under clause (6) bye-law 44 of the said bye-laws in respect of the period from _____ to _____ should not be imposed on you.

* You are also required to show cause as to why a penalty under section 333 of the Act should not be imposed on you.



Place:

Signature

Date :

Status

*Strike out whichever is not required.

FORM-I

[See bye-law 31(9)]

Order of Assessment

Period from _____ to _____

Name _____ and _____ address _____ of _____ the _____ dealer

_____ Telephone No. _____

Registration No _____

PART -1

Item	As returned by the dealer	As assessed
1. Total of Consignment transfers out of Cantonment and gross turnover of sales value in Rs.	_____	_____
2. Total value in rupees of goods received on consignment transfer and turnover of purchase (shown in Item 3 below) in Rs.	_____	_____

PART – II

3.	Details of receipt of goods: Value of goods received for consumption use or sale in rupees		
	(a) By purchase	_____	_____
	(b) By transfer	_____	_____
	(c) By return of goods/rejection -	_____	_____
4.	Total	_____	_____
5.	Deduct. -		
	Value of goods in rupees		
	(a) Purchased from local registered dealer	_____	_____
	(b) Received by transfer within the Cantonment	_____	_____
	(c) Received on account of return / rejection within six months-	_____	_____
	(d) Exemption of goods under	_____	_____

	Schedule B	_____	_____
	(e) Exempt under bye-law 26 belonging to Government -	_____	_____
6.	Total	_____	_____
7.	Value of goods liable for local body tax (4-6)	_____	_____
8.	Calculation of local body tax payable on good in part II		

As returned by the dealer

Goods	Schedule Entry	Rate of local body tax	Value of goods liable for local body tax Rs.	Amount of local body tax payable
A	B	C	D	E
			TOTAL	

As assessed

Goods	Schedule Entry	Rate of local body tax	Value of goods liable for local body tax Rs.	Amount of local body tax payable
A	B	C	D	E
			TOTAL	

PART- III

9. Details of goods imported for export under bye-law 26:

Item	As returned by dealer	As assessed
(a) Value of goods received for export and not exported upto the end of year.	Rs. _____	Rs. _____
(b) Value of goods imported for export during the year	Rs. _____	Rs. _____
10. Total - Value of goods for export Under bye-law 25	Rs. _____	Rs. _____
11. Deduct- Value of goods exported under bye-law 26 and exempted goods under Schedule B	Rs. _____	Rs. _____
12. Value of goods liable for local body tax	Rs. _____	Rs. _____
13. Computation of local body tax payable :-		

As returned

Goods	Schedule Entry	Rate of local body tax	Value of goods liable for local body tax Rs.	Amount of local body tax payable
A	B	C	D	E
			TOTAL	

As assessed

Goods	Schedule Entry	Rate of local body tax	Value of goods liable for local body tax Rs.	Amount of local body tax payable
A	B	C	D	E
			TOTAL	

PART-IV

Details of goods imported for processing on job work basis under clause 4 of bye-law 26

Item	As returned by dealer	As assessed
14. (a) Value of goods imported and remained unprocessed upto the end of last year. Rs.	_____	_____
(b) Value of goods imported for processing on Job work basis during the year Rs.	_____	_____
15. Total Value Rs.	_____	_____
16. Value of goods processed and exported out of above during the year within six months Rs.	_____	_____
17. Value of balance goods not exported Rs.	_____	_____
18. Value of goods liable for local body tax as not exported within six months Rs.	_____	_____
19. Value of goods not liable for local body tax carried forward to next year Rs.	_____	_____
20. Computation of local body tax payable on goods imported but not exported within six months column 18.		

As returned

Goods covered by Schedule entry	Rate of local body tax applicable	Value of goods liable for local body tax Rs	Amount of local body tax payable Rs
A	B	C	D
		TOTAL	

As assessed

Goods covered by schedule entry	Rate of local body tax applicable	Value of goods liable for local body tax Rs	Amount of local body tax payable Rs.
A	B	C	D
		TOTAL	

PART V

Details of goods exported for processing out of the Cantonment and imported duly Processed [See clause (3) of bye-law 26]

Item	As returned by dealer	As assessed
21. (a) Value of goods exported for processing and not imported upto the end of last year	Rs. _____	_____
(b) Value of goods exported for processing during the year	Rs. _____	_____
22. Total	Rs. _____	_____
23. Value of goods imported duly processed out of above (inclusive of processing, spares, transport and incidental charges, etc) within six months	Rs. _____	_____
24. Total value of goods sent for processing and remaining out of the Cantonment up to end of this year	Rs. _____	_____
25. Value of goods sent for processing not received back within six months out of item 24	Rs. _____	_____
26. Value of goods sent for processing and where the period of six month is not over pending for import at the end of the year (24-25)	Rs. _____	_____
27. Computation of local body tax		

As returned

Amount in Rs.

Goods imported covered by schedule entry	Rate of local body tax applicable	Value of goods processed and imported	Local body tax payable	Corresponding value of goods sent for processing	Local body tax paid on the value	Balance payable 4-6
1	2	3	4	5	6	7
					Total	

As assessed

Amount in Rs.

Goods imported covered by schedule entry	Rate of local body tax applicable	Value of goods processed and imported	Local body tax payable	Corresponding value of goods sent for processing	Local body tax paid on the value	Balance payable 4-6
1	2	3	4	5	6	7
					Total	

PART VI

Claim for refund under bye-law No. 26(exported)

28. Value of goods exported under bye-law 26 (within six months) during the year
(a) As returned by dealer Rs. _____ (b) As assessed Rs. _____

29. Computation of refund –

As returned

Goods	Goods covered by schedule entry	Rate of local body tax	Value of goods exported in Rs.	Corresponding purchase value on which Local body tax paid. To be estimated if not available (in Rs.)	Local body tax paid in Rs.	Refund 90% of the amount paid earlier in Rs.
1	2	3	4	5	6	7

As assessed

Goods	Goods covered by Schedule entry	Rate of Local body tax	Value of goods exported in Rs.	Corresponding purchase value on which local body tax paid. To be estimated if not available (in Rs.)	Local body tax paid in Rs.	Refund 90% of the amount paid earlier in Rs.
1	2	3	4	5	6	7

PART VII

Calculation of total local body tax payable.

- | Item | As returned | As assessed |
|------------------------------------|-------------|-------------|
| 30. Local body tax payable as per: | | |
| (a) item 08 | Rs. _____ | _____ |
| (b) item 13 | Rs. _____ | _____ |
| (c) item 20 | Rs. _____ | _____ |
| (d) item 27 | Rs.. _____ | _____ |

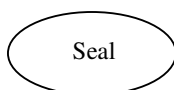
31. Total- _____
32. Deduct - _____
- (a) Refund claimed/allowed Rs.
- (b) Amount paid by separate Challan, No. ----- dated ---- Rs.
33. Total- Rs.
34. Net amount of local body tax payable -
- Details
- (1)
- (2)
- (3)
- (4)
- (5)
- (6)

35. Details of payment made by person with return –

Period	Challan No.	Date	Amount Rs.
			Total... _____

36. Total local body tax and penalty due/refund, if any Rs. _____

37. Assessment order :



Place :

Dated :

Signature

Designation

Form "J"
[See bye-law 31 (11)]

Notice of demand

To,

R. C. No. _____

Take notice that the local body tax payable by you for the period from _____ to _____ has been determined by me under order no. _____ dated _____ at Rs. _____. A penalty / interest of Rs. _____ has also been imposed under bye-law 45 of the Pune Cantonment Board (Local Body Tax) Bye-Laws, 2015.

2. The total amount of Rs. _____ should be paid to Cantonment Board at on or before _____

3. If you do not pay the amount by the date specified above, the amount will be recoverable as an arrears of property tax under bye-law 38 of the said bye- laws.

4. If the amount is not paid without reasonable cause by the specified date, you will also be liable to penalty under bye-law 4 of the said bye-laws.

5. Any appeal against the order must be presented to the authority prescribed within thirty days and the manner laid down in the said bye-laws.



Place:
Dated

Signature
Designation

FORM K
[See bye-law 32(1)]

Notice regarding assessment/re-assessment of local body tax

To,

Registration No _____

Whereas, I have reason to believe that your turnover in respect of the following sales and purchases, namely:

_____in respect of the period from _____
_____to _____ has *escaped assessment/been under assessed/been assessed at a lower rate
And

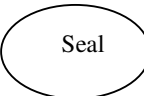
deduction of the following sales and purchases, namely:

_____ have been wrongly made from your turnover in respect of the period from _____ to _____

Now, therefore, you are hereby directed to attend at _____ (place) at(time) on _____ (date) _____ and to show-cause as to why the amount of local body tax payable by you in respect of the said sales and purchases for the said period should not be *assessed/reassessed and to produce or cause to be produced the following documents and accounts:

_____ and to furnish or cause to be furnished the following information :-

You may also produce or cause to be produced any other evidence for determining the correct, amount of local body tax payable by you for the said period.



Place
Date

Signature
Designation

*strike out whichever is not required

FORM 'L'**[See bye-law 36 (3)]****Notice for payment of local body tax, penalty, interest, sum forfeited or fine**

To,

Registration No. _____

Whereas the Return under clause (1) of bye-law 27 of Pune Cantonment Board (Local Body Tax) Bye-laws, 2015 for the period from ____ to ____ has been furnished by you,

*but the amount of local body tax namely Rs. ____ (and the amount of penalty viz Rs. ____) which is due according to the Return has not been paid as required under bye-law 36 of the aforesaid bye-laws.

*but the copy of the challan accompanying the return shows payment of only Rs. ____ as against the amount of local body tax of Rs. ____ (and the amount of penalty of Rs. ____) which is due according to the return and required to paid under bye-law 37 of the aforesaid bye-laws.

Therefore, you are hereby directed to pay the sum of Rs. ____ (in words Rs. ____) to the Cantonment Board on or before ____ (date) and to produce the receipted copy of the challan in proof of payment before me on a date not later than the ____ day of _____ failing which the said sum of Rs. ____ will be recoverable from you as an arrears of property tax.

2. You are hereby informed that if you fail so to pay the amount of local body tax aforesaid without any reasonable cause you would be liable for action under section 349 of the Cantonments Act, 2006.


 seal

 Place
Date

 Signature ____
Designation ____
Form M**[See bye-laws 30 and 40]****Refund payment order**

Book no ____ Voucher no. ____ <p style="text-align: center;">Refunds</p> Counterfoil order for the refund of Local body tax under the Local body tax Bye-Laws Refund payable to _____ Registration certificate no. _____ Date of order directing refund _____ Amount of refund Rs. _____ Number in collection register showing the collection of amount regarding which amount is made _____ Signed _____	Book no ____ Voucher no. ____ <p style="text-align: center;">Refunds</p> Order for the refund of Local body tax under the Local body tax Bye-Laws To The Officer _____ _____ (1) Certified that with reference to the assessment record of ____ bearing registration certificate no. ____ for the period from ____ to ____ a refund of Rs. ____ is due to ____ (2) Certified that the amount of tax concerning which this refund is allowed has been duly credited to the cantonment account. (3) Certified that no refund order regarding the sum now in question has previously been granted and this order of refund has been entered in the original file of assessment under my signature. (4) Please pay to ____ the sum of Rs. ____ (in figures) ____ (in words)
---	--

Designation _____	Dated _____
Dated _____	Signed _____
Signature of the recipient of the voucher	Designation _____
	Date of Encashment _____
Date of Encashment _____	Date _____ place _____
	Pay Rs _____ only
	The day of _____
	Officer
	Received payment
	Claimant's signature

FORM N
[See bye-law 43]
Notice

To,

Registration No _____

You are required under bye-law 43 of the local body tax bye-laws to furnish me the following documents and accounts :-

and * to furnish me the following information

Please note that, if you do not comply with requirements of the notice you shall render yourself liable for an action under provision of Pune Cantonment Board (Local Body Tax) Bye-Laws, 2015.

Seal

Place:
Date

Signature
Designation

*strike out whichever is not required.

FORM-O
[See bye-law 45 (3)]
Notice for forfeiture and for imposing penalty

To

Registration No. _____

Whereas I have reason to believe that during the period from _____ to _____.

*(A) *(i) you have collected by way of local body tax a sum of Rs. _____ in respect of sales of goods mentioned under Schedule B appended to the Pune Cantonment Board (Local Body Tax) Bye-Laws, 2015, on which no local body tax is payable.

*(ii) you have collected on your sales of goods a sum of Rs. _____ by way of local body tax from other persons in excess of the tax payable by you.

OR

*(iii) You have collected local body tax in respect of Schedule 'B' goods on which no local body tax is leviable under the provision of the Pune Cantonment Board (Local Body Tax) Bye-Laws, 2015.

*(B) (i) being a person liable to pay local body tax under the bye laws.

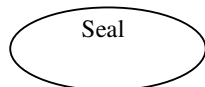
(ii) Being a person who was required to do so by notice served on you by Chief Executive Officer, you have failed to keep a true account of the value of goods purchased or sold by you.

*(C) You have failed, even though directed, to keep any accounts and records in accordance with bye-law 17.

Therefore you are hereby directed to attend at _____ (place) at _____ time on _____ date _____ and to show cause why,

*(i) a sum of Rs. ____ or such other sum as may be finally determined as collected wrongly by you by way of local body tax should not be forfeited, and / or

*(ii) a penalty under provisions of local body tax bye-laws should not be imposed on you.



Place
Date

Signature
Designation

FORM - P
(See bye-law 33(1))

Notice of rectification of mistake

To,

Registration Certificate No. _____

Whereas, it appears that the order/decision No _____ dated _____ passed/given by _____ for the period from _____ to _____ in your case, there is the following mistake namely :-

And whereas, it is proposed to rectify the mistake as stated below which will have the effect of enhancing, the local body tax/ reducing the amount of refund,

Therefore, you are hereby given notice under the proviso to clause (1) read with clause (2) of bye-law 33 of the Pune Cantonment Board (Local Body Tax) Bye-laws, 2015 that if you wish to prefer any objection against the proposed rectification you should attend at the office of the undersigned at on _____ the day of _____.

List of the rectification proposed to be made:-

Seal

Place :

Signature

Dated:

Designation

FORM-Q

[See bye-law 49(1)]

Authorization for appearance before authority in proceeding

I _____ am a registered dealer/I, _____ Partner/Director/Manager/Trustee/Officer-in-charge of _____ (Firm/Company etc.) who is a registered dealer, and holding Certificate of Registration No. _____ dated _____

Hereby appoint Shri. _____

*who is my relative

*a person regularly employed by me/ the _____ (Firm/ Company etc.)

*a Legal Practitioner

*a Chartered Accountant

to attend on my behalf/behalf of the _____ (Firm/Company etc.) before _____ (state the authority) in the proceedings..(describe the proceedings) and to produce accounts and documents and to receive on my behalf/behalf of the _____ (Firm/Company etc.) any notice or document issued in connection with the said proceedings and to take all necessary steps in the said proceedings. The said Shri _____ is also hereby authorized to act on my behalf / behalf of the _____ (Firm/Company etc.) as per the said proceeding.

I/The _____ (Firm / Company etc.) agree to ratify all acts done by the said Shri _____ in pursuance of said proceeding.

Place :

Signature

Dated :

Designation

*strike out which is not applicable

ACCEPTANCE

I, _____ do hereby state that I am

*a relative of _____

*a person regularly employed by _____

*a legal practitioner

*a Chartered Accountant

and that I accept the aforesaid appointment.

Place :...

Signature

Dated:...

*strike out which is not applicable

Form R**[See bye-laws 24 and 25]****Declaration for permission to pay lump sum amount of local body tax under bye-law 24/ 25 of the Pune Cantonment Board (Local Body Tax) Bye-laws, 2015.**

To.

The Chief Executive Officer,
Cantonment Board
Golibar Maidan, Pune 411 001

1. Whereas, I _____ (state here the name of the person signing the application) the _____ (state here the status of the person signing the application) am carrying on business of _____ (state here the nature of business) in the name and style of _____ (state here the name of the firm, company etc.) at _____ (state here the address of the firm, company etc.) and holding a certificate of local body tax registration bearing No. _____ do, hereby, declare that the turnover of all our sales or the turnover of all our purchases during the immediately preceding financial year was in the range shown at slab No. _____ of the Table below and is not likely to exceed the range of the said slab during the current financial year _____

I, therefore, hereby request for permission to pay a lump sum amount of local body tax of Rs. _____ for the period from _____ to _____

TABLE

Slab No.	Turnover of all purchases during a year	Local body tax payable per year
01	upto Rs.100000/-	NIL
02	Rs. 100001/- to Rs. 200000/-	Rs. 4000/-
03	Rs. 200001/- to Rs. 300000/-	Rs. 6000/-
04	Rs. 300001/- to Rs. 400000/-	Rs. 8000/-
05	Rs. 400001/- to Rs. 500000/-	Rs. 10000/-
06	Rs. 500001/- to Rs. 600000/-	Rs. 12000/-
07	Rs. 600001/- to Rs. 700000/-	Rs. 14000/-
08	Rs. 700001/- to Rs. 800000/-	Rs. 16000/-
09	Rs. 800001/- to Rs. 900000/-	Rs. 18000/-
10	Rs. 900001/- to Rs. 1000000/-	Rs. 20000/-

Rupees one hundred per square metre for civil construction

2. Further, if the turnover of all my purchases exceeds the limit of the declared slab for which the permission to pay lump sum amount of local body tax shall be given to me in pursuance of this application, I hereby, undertake to inform the Chief Executive Officer within thirty days of such turnover exceeding the said limit. I further undertake to pay the amount of local body tax payable in accordance with clause (3) of bye-law 24.

3. I am aware of the fact that under the provisions of clause (5) of bye-law 44 of the Pune Cantonment Board (Local Body Tax) Bye-Laws 2015, the furnishing of a false declaration entails the payment by way of penalty, of a sum not exceeding five times the amount of local body tax which, in the opinion of the Chief Executive Officer, would have been leviable.

4. The statements contained in the above declaration are true to my knowledge and belief.

Place:
Date:

Signature

[F. No. 53/10/LBT/Pune/C/DE/13 Vol.-I]
S. K. JHA, Under Secy.